



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्रापिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 49] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 5, 1981 (अग्रहायण 14, 1903)

No. 49] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 5, 1981 (AGRAHAYANA 14, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अन्य संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियावक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government . Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली—11, दिनाक 17 नवम्बर 1981

सं० ए० 32013/3/80—प्रशा०—I—संघ लोक सेवा आयोग  
। स्पसंख्यक अधिसूचना दिनांक 23 जून, 1981 के अनुक्रम 1980 के के० स० से० अधिकारियों की चयन सूची  
। शिलित उसके ग्रेड I में नियुक्त हेतु राष्ट्रपति द्वारा  
। खित अधिकारियों को गृह मंत्रालय, कार्मिक और  
। नक सुधार किभाग के कर्मजा० सं० एफ० 4/11/81-  
। स० (1) दिनांक 25-11-1981 की शर्तों के अनुसार  
। लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 29-9-1981 से  
। मास की अप्रेतर अवधि के लिए अल्प अवधि के आधार  
। अवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने  
। लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

नाम	चयन सूची में क्र० सं०	
सर्वश्री		3
जे० एस० साहनी	9	
पौ० जैन	84	
ला० कृष्णन	85	

1	2	3
सर्वश्री		
4 एन० के० सोनी		86
5 जी० पी० सक्सेना		94

य० रा० गाधी,  
अवर सचिव (प्रशा०)  
संघ लोक सेवा आयोग

#### गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल  
नई दिल्ली-110022, दिनाक 16 नवम्बर 1981

स ओ दो 1577/81-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा विरोचन दास को 20-10-1981 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्त होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस डा विनियुक्ति अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

स ओ दो -1607/81-स्थापना—राष्ट्रपति डा अणक के प्रार्थना को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी अफिसर ग्रेड-II (डी एस पी /कम्पनी कमांडर) के पद पर दिनाक 31 अक्टूबर

1981 के पूर्वाह्न से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

सं. ओ दो. 1586/81-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा. (कुमारी) अर्चना चौधरी को 6-10-1981 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्त होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

ए के सूरी,  
सहायक निदेशक  
स्थापना

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 18 नवम्बर 1981

सं. ए-12012/1/81-प्रशासन—समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) के सर्वश्री एच. एस. खेरा एवं शेर सिंह, वरिष्ठ तकनीकी सहायकों को इस निदेशालय में अगले आदेशों तक अस्थायी आधार पर अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर बेतन मान रु 650-30-740-35-810-द रो -35-880-40-1000-द रो -40-1200/-पर तारीख 23 अक्तूबर, 1981 के पूर्वाह्न से पदान्वति दी गयी है।

छप्रपति जोशी  
निदेशक  
पुलिस दूर संचार

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय आद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक अक्तूबर 1981

सं. ई-16014(2)/1/79-कार्मिक—31 अगस्त, 1981 के अपराह्न से के औ ब में प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त होने वारे उसी तारीख को उनकी निवर्तन की आय होने पर श्री दलजीत सिंह ने के औ. सु. ब. यूनिट, बी एच. ई. एल. हरिद्वार के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ई - 32015 (2)/2/81-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री दलजीत सिंह को 1 सितम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से पुनः नियुक्ति के आधार पर के औ सु. ब. यूनिट, बी एच. ई. एल. हरिद्वार का कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

सुरेन्द्र नाथ,  
महानिदेशक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 नवम्बर 1981

म 11/2 80-प्रशा -I—राष्ट्रपति, बिहार सिविल सेवा के अधिकारी श्री एस एम एस कुमार को बिहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशालय में दिनांक 12 दिसम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक स्थानान्तरण द्वारा प्रतिनियुक्ति पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री कुमार का सम्मानणा दर्भंगा में होगा।

सं. 11/2/80-प्रशा-I—राष्ट्रपति, बिहार सिविल सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के समक्ष दर्शित तारीख से अगले आदेशों तक बिहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशालय में स्थानान्तरण द्वारा प्रतिनियुक्ति पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं .—

कं० अधिकारी का नाम नियुक्ति की तारीख \* मुख्यालय सं०

- |                           |                 |           |
|---------------------------|-----------------|-----------|
| 1. श्री मोहन लाल          | 16 फरवरी, 1981  | पूर्णियां |
| 2. श्री ए० के० श्रीवास्तव | 6 अक्तूबर, 1980 | छपरा      |

2. यह इस कार्यालय की समसंब्यक अधिसूचना क्रमशः तारीख 3-12-1980 और 12-3-1981 के आं० संशोधन में जारी किया जाता है।

पी० पद्मनाभ,  
भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

सीमाशुल्क, उत्पादन शुल्क तथा स्वर्ण नियन्त्रण

अपील अधिकरण का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्तूबर 1981

फा. स 6/सी.उ.स्व.अ.अ./81(1)—श्री एच वी. पारदासानी ने, जो पिछले दिनों वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली, में अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे थे, 1 अक्तूबर 1981 पूर्वाह्न से सहायक रजिस्ट्रार, अपील अधिकरण (सीमाशुल्क, उत्पादन शुल्क तथा स्वर्ण नियन्त्रण) के पद का कार्यभार सभाल लिया है।

आर एन. स

## रक्षा लेखा विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1981

सं ०-प्रशा०-II/2606/81-1—वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा-अधिकारियों को, प्रत्येक के नाम के सामने दर्शायी गई तारीख के अपराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया गया —

क्र०	नाम, रोटर स० सहित सं०	ग्रेड	तारीख जिससे पेंशन स्थापना को अन्तरित किया गया।	संगठन
1	2	3	4	5
	, सर्वश्री	स्थायी लेखा		
1.	वी० सुन्दरेशन [पी०/5	अधिकारी	21-1-1981 रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई। (स्वैच्छिक-सेवा- निवृत्ति)	
2.	एम० एम० पोपली [पी०/520	—यथोपरि—	31-1-1981 रक्षा लेखा संयुक्त-नियंत्रक (निधि) मेरठ।	
3.	ए० के० नन्दी [पी०/398	—यथोपरि—	31-1-1981 रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना।	
4.	जी० एस० रोजा [पी०/313	—यथोपरि—	31-1-1981 —यथोपरि—	
5.	टी० के० सुब्रह्मण्यन, [पी०/269	—यथोपरि—	31-1-1981 रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास।	
6.	एम० जी० साठे [ओ०/117	स्थानापन्न लेखा-अधिकारी	31-1-1981 रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे।	
7.	सत्य नारायण बोस, [ओ०/अभी आवंटित नहीं।	—यथोपरि—	31-1-1981 लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।	
8.	मनीन्द्र नाथ बोस, [पी०/345	स्थायी लेखा अधिकारी।	31-1-1981 —यथापरि—	
9.	एम० जी० मनकीकर, [ओ०/अभी आवंटित नहीं।	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-1981 रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान पुणे।	
10.	पृथ्वीराज चोपड़ा, [पी०/257	स्थायी लेखा अधिकारी।	28-2-1981 रक्षा लेखा संयुक्त-नियंत्रक (निधि) मेरठ।	
11.	बी० एल० बवेजा, [पी०/189	—यथोपरि—।	28-2-1981 रक्षा लेखा महानियंत्रक, नई दिल्ली-22	
12.	जी० पी० चौधरी, [पी०/202]	—यथोपरि—।	28-2-1981 रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना।	
13.	आर० विष्वनं, [पी०/83	—यथोपरि—	28-2-1981 रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास।	
14.	बी० एन० गंगाधरन नायर, [पी०/294	—यथोपरि—।	28-2-1981 लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।	
15.	अमूल्य नाथ चक्रवर्ती [पी०/96	—यथोपरि—।	28-2-1981 —यथोपरि—	
16.	टी० जी० श्रीनिवासन [ओ०/अभी आवंटित नहीं।	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-1981 —यथोपरि—	
17.	सत्येन्द्र कुमार मित्रा [प्रो०/27	—यथोपरि—	28-2-1981 —यथोपरि—	

1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
18.	नन्द लाल गोगिया, पी०/587	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-1981	—यथोपरि—
19.	कुन्दन लोल शर्मा, ओ०/अभी आबंटित नहीं	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-1981	—यथोपरि—
20.	एस० राम, ओ०/75	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण मुद्रा
21.	एस० श्रीनिवासन, पी०/58	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-1981	—यथोपरि—
22.	वी० अच्युत नारायण, पी०/427	—यथोपरि—	31-3-1981	—यथोपरि—
23.	आर० राधाकृष्णन, ओ०/259	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान, पुणे
24.	के० चक्रवर्ती पी०/151	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-1981	रक्षा, लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान पुणे
25.	डी० आर० शर्मा, पी०/539	—यथोपरि—	31-3-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून।
26.	जी० एन० भाटिया, पी०/344	—यथोपरि—	31-3-1981	—यथोपरि—
27.	पदम लाल खनी, पी०/177	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना।
28.	चित्तारन भट्टाचार्जी, पी०/147	—यथोपरि—	31-3-1981	—यथोपरि—
29.	जोगिन्दर सिंह, तलवार पी०/322	—यथोपरि—	31-3-1981	—यथोपरि—
30.	सुशीतल बनर्जी पी०/191	—यथोपरि—	31-3-1981	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
31.	पी० महादेवन पी०/297	—यथोपरि—	31-3-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई।
32.	पी० के० भट्टाचार्जी, ओ०/अभी आबंटित नहीं,	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-12-1980	रक्षा लेखा नियंत्रक (पैशन) इलाहाबाद।
33.	जे० बी० सक्सेना, ओ०/127	—यथोपरि—	31-1-1981	—यथोपरि—
34.	वी० के० मोहन राव, पी०/81	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-1981	—यथोपरि—
35.	ए० के० सरकार, ओ०/अभी आबंटित नहीं	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-1981	—यथोपरि—
36.	पी० सी० अस्थाना, पी०/54	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-1981	—यथोपरि—
37.	राजेन्द्र पाल ओ०/382	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-1981	—यथोपरि—
38.	राम प्रकाश, ओ०/279	—यथोपरि—	31-3-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (पैशन) इलाहाबाद।
39.	डी० आर० गोरखारा ओ०/276	—यथोपरि—	31-3-1981	—यथोपरि—

1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
40.	जे० एन० माथुर, पी०/431	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेशन) इलाहाबाद।
41.	ओ० पी० नारंग, पी०/161	—यथोपरि—	31-3-1981	—यथोपरि—
42.	एन० एल० गुप्ता, पी०/363	—यथोपरि—	31-1-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ।
43.	बी० छो० नांगिया, ओ०/345	—यथोपरि—	28-2-1981	—यथोपरि—
44.	के० एन० अग्रवाल, ओ०/83	—यथोपरि—	28-2-1981	—यथोपरि—
45.	एस० डी० शर्मा, पी०/475	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-1981	—यथोपरि—
46.	के० पी० श्रवणल, ओ०/श्रभी आवंटित नहीं	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ।
47.	एस० डी० प्रोवर ओ०/138	—यथोपरि—	31-3-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक, भृद्य कमान, मेरठ।
48.	बी० एम० सेंगर, ओ०/9	—यथोपरि—	31-3-1981	—यथोपरि—
49.	डी० डी० हांडा, पी०/349	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-1981	—यथोपरि—
50.	एम० एल० वर्मा, ओ०/15	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-1981	—यथोपरि—
51.	एन० बी० फड़के, पी०/148	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-1981	—यथोपरि—
52.	एस० एन० डन्डोना, पी०/199	—यथोपरि—	30-4-1981	—यथोपरि—
53.	एस० बैंकटारामन, पी०/59	—यथोपरि—	30-4-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी, कमान, पुणे।
54.	बी० बी० बोगविकर ची०/464	—यथोपरि—	30-4-1981	—यथोपरि—
55.	एन० राम कृष्णन पी०/159	—यथोपरि—	30-4-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अफसर) पुणे।
56.	पी० ए० परांजपी, ओ०/श्रभी आवंटित नहीं।	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-4-1981	—यथोपरि—
57.	जे० एस० श्रान्ते, ओ०/276	—यथोपरि—	30-4-1981	—यथोपरि—
58.	जी० कल्याणा सुन्दरम, ओ०/31	—यथोपरि—	30-4-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास।
59.	पी० बी० प्रभाकरन नायर, ओ०/श्रभी आवंटित नहीं।	—यथोपरि—	30-4-1981	—यथोपरि—
60.	एस० मनयप्पन, पी०/82	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे।
61.	एम० गणेशन पी०/149	—यथोपरि—	30-4-1981	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
62.	बी० एस० शर्मा, ओ०/श्रभी आवंटित नहीं,	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-4-1981	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक (निधि) मेरठ।

1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
63.	एस० पी० नायर, पी०/45	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-1981	रक्षा लेखा संयुक्त नियन्त्रक (निषि) मेरठ।
64.	एस० डब्ल्यू० अगाशे, पी०/अभी आवंटित नहीं।	स्थानापन्न लेखा अधिकारी।	30-4-1981	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पुणे।
65.	एम० एल० मुखर्जी, पी०/510	स्थायी लेखा अधिकारी।	30-4-1981	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटमा।
66.	पी० बी० पाल, पी०/193	स्थायी लेखा अधिकारी।	30-4-1981	—यथोपरि—।
67.	मर्येन्द्र नाथ मुखर्जी, पी०/278	—यथोपरि—	30-4-1981	लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
68.	मृत्युंजय मुखर्जी, ओ०/अभी आवंटित नहीं।	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-5-1981	—यथोपरि—।
69.	एस० बी० कुलकर्णी, पी०/103	स्थायी लेखा अधिकारी।	31-5-1981	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पुणे।
70.	के० वैंकटारामन पी०/206	—यथोपरि—	31-5-1981	—यथोपरि—।
71.	एस० अरुणाचलम, पी०/420	—यथोपरि—	31-5-1981	—यथोपरि—।
72.	जे० एन० बेदी, पी०/528	—यथोपरि—	31-5-1981	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ।
73.	आर० के० कपूर, ओ०/95	स्थानापन्न लेखा अधिकारी,	31-5-1981	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ।
74.	आर० के० रामानाथन, पी०/196	स्थायी लेखा अधिकारी।	31-5-1981	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास।
75.	बंस गोपाल चट्टर्जी, पी०/169	स्थायी लेखा अधिकारी।	31-5-1981	लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
76.	एस० राम कृष्णन, पी०/61	—यथोपरि—	31-5-1981	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास।
77.	जे० एन० राय, ओ०/अभी आवंटित नहीं।	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-5-1981	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद
78.	एस० रामा राव, पी०/201	स्थायी लेखा अधिकारी।	30-4-1981	—यथोपरि—
79.	जे० आर० बाली, पी०/364	—यथोपरि—	30-4-1981	—यथोपरि—
80.	टी० बी० राम शास्त्री, पी०/186	स्थायी लेखा अधिकारी।	31-5-1981	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पेंशन) इलाहाबाद।
81.	टी० एस० स्वामीनाथन, पी०/211	—यथोपरि—	30-6-1981	—यथोपरि—।
82.	रमेश सिंह, पी०/502	—यथोपरि—	30-6-1981	—यथोपरि—।
83.	हीरा लाल बाजपेयी, पी०/38	—यथोपरि—	30-6-1981	—यथोपरि—।
84.	एन० सी० फड़के, पी०/361	—यथोपरि—	30-6-1981	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पुणे।
85.	एम० जे० अनकुले, पी०/217	—यथोपरि—	30-6-1981	लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।

1	2	3	4	5
86.	जे० एन० वी० नरसिंहराम,	—यथोपरि—	30-6-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून। पी०/550
87.	गोविन्द लाल मुखर्जी,	—यथोपरि—	30-6-1981	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता। पी०/285
88.	वी० गोपाल कृष्णमूर्ति,	—यथोपरि—	30-6-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) दक्षिण, पी०/46 मद्रास।
89.	अशीत राम मेहरा,	—यथोपरि—	30-6-1981	—यथोपरि— पी०/530
90.	एस० रंगराजन,	—यथोपरि—	30-6-1981	—यथोपरि— पी०/91
91.	एन० वी० अर्धनारी,	—यथोपरि—	30-6-1981	—यथोपरि— पी०/319
92.	के० वी० नव्यर,	—यथोपरि—	30-6-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौ सेना) बम्बई। पी०/178
93.	एस० वी० कृष्णमाचारी,	स्थायी लेखा अधिकारी	30-6-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौ सेना) बम्बई। पी०/110
94.	ए० सी० दत्ता,	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिमी कमान, ओ०/अभी आबंटित नहीं। मेरठ।
95.	जे० एस० कोचर,	—यथोपरि—	31-1-1981	—यथोपरि— ओ०/अभी आबंटित नहीं।
96.	बलवन्त सिंह आड्जा,	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-1981	—यथोपरि— पी०/48
97.	सोहन लाल कपूर,	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-1981	रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिमी कमान, मेरठ। पी०/359
98.	के० एस० कालरा,	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-1981	—यथोपरि— ओ०/अभी आबंटित नहीं।
99.	राम रंग बत्ता,	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-1981	—यथोपरि— पी०/314
100.	श्याम लाल भला,	—यथोपरि—	30-6-1981	—यथोपरि— पी०/243
101.	एन० एम० महाजन,	—यथोपरि—	30-6-1981	—यथोपरि— पी०/354
102.	एस० एस० शर्मा,	—यथोपरि—	30-6-1981	—यथोपरि— पी०/354-ए

रक्षा लेखा महा नियंत्रक, निम्नलिखित लेखा अधिकारियों की मृत्यु अधिसूचित करते हुए खेद प्रकट करते हैं:—

क्रं सं०	नाम रोस्टरमं० सहित	ग्रेड	मृत्यु की तारीख	विभाग के संलग्न- बल से हटने की तारीख	संगठन
1	2	3	4	5	6
सर्वात्री					
1.	जे० आर० मुदगिल,	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	27-11-80	28-11-80 (पूर्वांक्रिय)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ। पी०/392
2.	सी० आर० सदागोपन	—यथोपरि—	15-1-81	16-1-81 (पूर्वांक्रिय)	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान, पुणे। ओ०/अभी आबंटित नहीं।
3.	के० एल० शर्मा,	—यथोपरि—	27-7-81	27-7-81 (पूर्वांक्रिय)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ। ओ०/327

ए० के० घोष,  
रक्षा लेखा उप महा नियंत्रक (परियोजना )

## रक्षा मंत्रालय

आईनेस्स फैक्टरी बोर्ड अधिसूचना

कलकत्ता—700069, दिनांक 13 नवम्बर 1981

सं. 11/81/ए/एम—राष्ट्रपति महोदय सिन्हायिता गद्यालय चिकित्सा अधिकारियों का त्यागपत्र स्वीकार करते हैं। तदनुसार, उनके नाम आईनेस्स फैक्टरीयों में घटना की नफर। उपर्युक्त के सामने दर्शायी गई तारीख से काट दिए जाते हैं:—

क्र०	नाम एवं पद	फैक्टरी के नाम जहाँ नैनाती थी	दिनांक	कैफियत
सं०				
1.	डा० आर० जेड० बैडमुथा, सहायक चिकित्सा अधिकारी	अम्युनिशन फैक्टरी, बड़की	1-3-1980 (पूर्वाह्न)	त्यागपत्र दिया
2.	डा० रत्नेन्द्र सरकार, सहायक चिकित्सा अधिकारी	गन एण्ड शेल फैक्टरी, काशीपुर,	30-6-1981 (पूर्वाह्न)	त्यागपत्र दिया

सं. 12/81/ए/एम—राष्ट्रपति महोदय निम्ननिवित सहायक चिकित्सा अधिकारियों को आईनेस्स फैक्टरीयों में प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी श्राद्धेश न होने तक, नियुक्त करते हैं:—

क्र०	नाम एवं पद	नियुक्ति स्थान	दिनांक
सं०			
1.	डा० गोपाल भरथ, सहायक चिकित्सा अधिकारी	गन कैरिज फैक्टरी, जबलपुर	13-7-1981 (पूर्वाह्न)
2.	डा० एम० शंकरपाणी, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आईनेस्स फैक्टरी, कट्टनी	29-7-1981 (पूर्वाह्न)
3.	डा० अमृत लाल सिंधल, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आईनेस्स फैक्टरी, मुरादनगर	30-7-1981 (पूर्वाह्न)
4.	डा० प्रसुण कुमार जैन, सहायक चिकित्सा अधिकारी	आईनेस्स फैक्टरी, मुरादनगर	1-8-1981 (पूर्वाह्न)
5.	डा० राजीव श्रीवास्तवा, सहायक चिकित्सा अधिकारी	कलीदिंग फैक्टरी, शाहजहांपुर	31-8-1981 (पूर्वाह्न)
6.	डा० मानजीर हमनैन, सहायक चिकित्सा अधिकारी	वैहिकल फैक्टरी, जबलपुर	1-9-1981 (पूर्वाह्न)

सं. 13/81/ए/एम.—राष्ट्रपति महोदय, डाफ्ट गजट अधिसूचना सं. 4/80/ए/एम दिनांक 12-6-80 में निम्नलिखित सांख्यिकी और करते हैं:—

- निकाल विद्या जाय : डा० (श्रीमती) ए० एस० जय-कुमार, सहायक चिकित्सा अधिकारी का नाम सभी प्रविष्टियों के साथ।
- डा० एस० एस० दाउद माहेब, सहायक चिकित्सा अधिकारी के सम्बन्ध में त्याग-पत्र स्वीकृति की तारीख दिखाते हुए कानून 4 में।  
वास्तव : 19-11-79.  
पढ़ा जाए : 11-12-79 (पूर्वाह्न)
- उपर (1) के अनुसार निकाल जान के फलवाहण कर्मांकों को उचित रूप से पुनः कर्मांकित करें।  
अर. जी. देवलालीकर, अपर महानिवेशक, आईनेस्स फैक्टरीयों/सदस्य (कार्मिक)

## वाणिज्य मंत्रालय

## वस्त्र विभाग

हथकरघा विकास अयोग कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 अक्टूबर 1981

सं. ए-12025(1)/5/80-व्यवस्था 11(क)—राष्ट्रपति, श्री भगत लाल को 7 मित्रवर 1981 अपराह्न सं

आगामी आदेशों तक के लिए बनकर सेवा केन्द्र, पानीपत में सहायक निदेशक ग्रेड 1 (ब्नाइंग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी, शंकर,  
अतिरिक्त विकास आयोग (हथकरघा)

पूर्ति तथा निष्टान महानिवेशालय  
नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1981

सं. ए-31013/10/80 प्र६—राष्ट्रपति पूर्ति तथा निष्टान महानिवेशालय में स्थानापन उप निदेशक (निरीक्षण) (वस्त्र विभाग) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप 'ए' के ग्रेड 1। श्री पी. के. बास को दिनांक 1-12-1975 से उप निदेशक निरीक्षण (वस्त्र) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

प्रशासन अन्धभाग-1)

दिनांक 12 नवम्बर 1981

सं. ए-1/1(1924)—राष्ट्रपति, सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड 1) (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप 'ए' के ग्रेड 1) श्री पी. गी. आर० मृत्ति को दिनांक 4-11-1981 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप 'ए' के ग्रेड 1) के रूप में तदर्थ आधार पर राज्यालय रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री मूर्ति ने सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड I) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 4-11-81 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा

निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली से उसे निदेशक पूर्ति का पदभार सम्माल लिया।

(प्रशासन अनुभाग-6)

दिनांक, 16 नवम्बर 1981

सं. ए०-३१०१३/७/७८-प्र-६—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के निरीक्षण संकान्ध के निम्नसिद्धित अधिकारियों को प्रत्येक अधिकारी के नाम के सामने लिखी तारीख से निरीक्षण निदेशक (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "क" ग्रेड I) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं :—

क्र०	नाम	वर्तमान पद	पद जिस पर स्थाई किए गए।	स्थायी होने की तारीख	अध्यक्षितयां
<b>सर्वश्री</b>					
1.	गोवर्धन एन० गिर्वानी	निरीक्षण निदेशक	निरीक्षण निदेशक (भारतीय निरी० सेवा ग्रुप ए० के० ग्रेड I)	1-८-१९७६	श्री के० सी० दत्ता गुप्ता, स्थाई निरी० निदेशक के स्थान पर जो ३१-१२-७३ को सेवा निवृत्त हुए।
2.	ए० के० गुहा	—वही— (सेवा निवृत्त)	—वही—	1-८-१९७६	श्री पी० एल० कथूरिया स्थाई निरी० निदेशक के स्थान पर जो ३१-८-७४ को सेवा निवृत्त हुए।
3.	पी० सी० मुस्तफी	—वही— (सेवा निवृत्त)	—वही—	1-८-१९७६	श्री एम० एल० रे० स्थायी निरी० निदेशक के स्थान पर जो ३०-९-७४ को सेवा निवृत्त हुए।
4.	घनश्याम एन० गिर्वानी	—वही— (सेवा निवृत्त)	—वही—	१९-११-१९७६	श्री डी० टी० गुरमहानी स्थायी निरी० निदेशक के स्थान पर जो १५-११-७४ को सेवा निवृत्त हुए।
5.	एम० टी० कर्से	निरीक्षण निदेशक	—वही—	१९-११-१९७६	श्री ए० मित्रा स्थायी निरी० निदेशक के स्थान पर जो ११-११-१९७६ को उप महानिदेशक के ग्रेड में स्थायी हुए।

एस० एल० कपूर,  
उप निदेशक (प्रशासन)

(सान विभाग)  
[सान विभाग]  
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण  
कलकत्ता-700016, दिनांक 6 नवम्बर 1981

सं. 7219 बी/ए-19012 (2-बी एस)/81/19 बी.—  
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिक) श्री बी. सत्यनारायण को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रो. -35-880 - 40-1000-द. रो.-40-1200 रु. के बेतनमान में, स्थानापन्त्र क्षमता में, 2-356 GI/81

आगामी आदेश होने तक 17-7-81 के पूर्वाह्न से पदोन्नति प्र नियुक्त किया जा रहा है।

बी. एस. कृष्णस्वामी  
महा निदेशक

कलकत्ता-700016, दिनांक 12 नवम्बर 1981

सं 7222 बी/ए-32013 (एम आ)/80-19 ए —भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भंडार अधिकारी (तकनीकी) श्री सी. आर. भट्टाचार्या को भंडार अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रु. के बेतनमान में, अस्थायी

क्षमता मेरे, आगामी अवधेश होने तक 22-10-1981 के अपराह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

जे. स्वामी नाथ  
महा निवेशक

### राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई विल्ली-1, दिनांक 12 नवम्बर 1981

सं. ई. 11-9/80 (ए-1) स्थापना—अभिलेख निदेशक, भारत सरकार संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर एतद्वारा नियमित अस्थायी आधार पर आगामी आदेशों तक निम्नलिखित नियुक्तियाँ करते हैं।

क्र०	नाम और वर्तमान	नियुक्ति	इस तरीख
सं०	पदनाम	से	

1.	श्री संघद निसबत श्रीली जाफरी सहा० अभि- लेखाधिकारी ग्रेड-I (प्राच्य अभिलेख)	अभिलेखाधिकारी 17-10-81 (प्राच्य अभिलेख) श्रेणी 2 राजपत्रित)	
2.	श्री प्रमोद मेहरा सहा० अभिलेखाधिकारी ग्रेड-I (सामान्य)	अभिलेखाधिकारी 22-10-81 (सामान्य) (श्रेणी (पूर्वान्ति) 2 राजपत्रित)	

वी० एस० कालड़ा,  
प्रशासन अधिकारी  
कृते अभिलेख निदेशक

### आकाशवाणी महानिदेशालय

नई विल्ली, दिनांक 10 नवम्बर 1981

सं. 2/13/61-एस दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री के. पी. मनेन, लेखाकार आकाशवाणी, कालीकट 23-10-81 (पूर्वान्ति) से प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी, निचुरापल्ली के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 नवम्बर 1981

सं. 3/8/64-एस दो—महानिदेशक आकाशवाणी, एतद्वारा श्री ई. वी. एस. मथी, लेखाकार दूरवर्णन केन्द्र हैदराबाद 4-11-1981 (पूर्वान्ति). से प्रशासनिक अधिकारी आकाशवाणी, विजयवाडा के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एस. वी. सेषाद्री  
उप निवेशक प्रशासन  
कृते महानिदेशक

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई विल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1981

सं. ए. 12025/3/81-के. स. स्वा. यो.—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (लोधी रोड, आयुर्वेदिक अस्पताल, नई

विल्ली) के अधीन आयुर्वेद के वर्ताल चिकित्सक के पद पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप डा. आर. जे. अग्निहोत्री ने 17 अगस्त, 1981 के पूर्वान्ति से उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया है।

टी. एस. राव  
उप निवेशक प्रशासन (के. स. स्वा. यो.)

### ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1981

सं. ए. 19023/9/79-प्र. तृ.—सेवा निवृत्ति की आयुर्वेद में तीनांत हस निदेशालय के विपणन अधिकारी श्री एच. एन. भट्टनागर, दिनांक 30-9-81 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत हो गए हैं।

सं. ए. 19025/50/81-प्र. तृ.—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री शिद्धांकर नंदनबाबा को हस निदेशालय में दिनांक 12-10-81 (पूर्वान्ति) अगले आदेश जारी होने सक्त स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

दिनांक 10 नवम्बर 1981

सं. ए. 19025/47/81-प्र. तृ.—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री टी. अम्बेडकर को हस निदेशालय में दिनांक 5-10-81 (पूर्वान्ति) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-1) नियुक्त किया गया है।

श्री. एल. मनिहार  
निवेशक प्रशासन  
कृते कृषि विपणन सलाहकार

### भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई 400085, दिनांक 16 नवम्बर 1981

संदर्भ पीए/85(9)/79-आर-4—निवेशक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री कडास्वामी मन्त्रियों को हस अनुसंधान केन्द्र के सिविल अभियांत्रिकी प्रभाग में अस्थायी रूप से अगले आदेशों तक पूर्वान्ति दिनांक 2 नवम्बर, 1981 से वैज्ञानिक अधिकारी एस. वी. नियुक्त करते हैं।

ए. शंताकुमार मनेन  
उपस्थापना अधिकारी

### परमाणु उत्तर्जा विभाग

विद्युत प्रायोजना हांजीनियरिंग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 6 नवम्बर 1981

सं. विप्राह्प्र/3(283)/76-स्थापना-1-14947—निवेशक, विद्युत प्रायोजना हांजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई एतद्वारा हस प्रभाग, के स्थायी लेखाकार और स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री वी. एम. गणेश को अक्तूबर 3, 1981 के पूर्वान्ति से नवम्बर 2, 1981 के अपराह्न तक की अवधि के लिए उसी प्रभाग में लेखा अधिकारी-11 के पद पर 840-40-1000-द.

रो. -40-1200 के वेतनमान पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं, यह नियुक्ति श्री सी. आर. वालोवा, लेखा अधिकारी-।। के पद पर की जा रही है, जो छट्टी पर चले गए हैं।

सं. वि. प्रा. इ. प्र./3 (283)/76-स्थापना-114948--  
निवेशक, विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई एवं द्वारा इस प्रभाग के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न लेखाकार श्री डी. एल. गवाणकर को अक्तूबर 3, 1981 के पूर्वाह्न से नवम्बर 2, 1981 के अपराह्न तक की अधिक के लिए उसी प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर 650-30-740-35-880-द. रो. -40-960 के वेतनमान पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक लेखा अधिकारी श्री बी. एम. गणाङ्गा के स्थान पर की जा रही है, जिनकी लेखा अधिकारी-।। के पद पर पदोन्नति हुई है।

आर. वि. बाजपेयी  
सामान्य प्रशासन अधिकारी

## क्रय एवं भंडार निवेशालय

बम्बई 400001, दिनांक 10 नवम्बर 1981

सं. क्र. भ. नि./21/1 (2)/79-स्थापना/21949--  
क्रय एवं भंडार निवेशालय के निवेशक ने श्री शंकर गोपाल जम्शान्दकेर स्थायी क्रम सहायक को दिनांक 1-6-1981 (पूर्वा.) से दिनांक 17-9-1981 (पूर्वा.) तक तदर्थ रूप से और दिनांक 17-9-1981 (पूर्वा.) से नियमित रूप से स्थानापन्न सहायक क्रय अधिकारी रु. 650-30-740-35-810 द. रो. 35-880-40-1000-द. रो. -40-1200 के वेतनमान में अप्रिम आवेदाँ तक इसी निवेशालय में नियुक्त किया है।

सं. क्र. भ. नि./23/3/79 स्थापना/21957--क्रय एवं भंडार निवेशालय के निवेशक ने श्रीमती एली मध्युज सहायक भंडार अधिकारी की छट्टी मंजूर हो जाने पर श्री जाहून वरीद स्थायी भंडारी को इसी निवेशालय में रूपये 650-30-740-35-810 द. रो. 35-880-40-1000-द. रो. 40-1200 के वेतन क्रम में स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी तदर्थ रूप से दिनांक 4-5-1981 (पूर्वा.) से दिनांक 15-6-1981 (अप.) तक नियुक्त किया है।

के, पी. जोसेफ  
प्रशासन अधिकारी

## राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

श्रणुशक्ति-328303, दिनांक 19 नवम्बर 1981

सं० राजस्थान/भर्ती/3(2)/81-स्थ०/64—तारीख 26-10-1981 राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता इस परियोजना में वर्तमान में कार्यरत निम्ननिखित अराजपत्रित तकनीकी स्टाफ को प्रत्येक के नाम के सामने लिखे गए में व उनके सामने दर्शाई गई तारीखों से अगले आदेश होने तक के लिए इसी परियोजना में अस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

क्र०	नाम तथा पदनाम	पद जिस पर नियुक्त हुए हैं	कार्यभार संभालने की तारीख
सं०			
	सर्वश्री		
1.	सुरेन्द्र मोहन सिक्का, फोरमैन	वैज्ञानिक अधिकारी इंजीनियर ग्रेड एस० बी०	1-8-1981
2.	बृज मोहन मालव, बै० सहायक 'सी'	" " "	1-8-1981
3.	विरेन्द्र कुमार गुप्ता	" " "	3-8-1981
4.	सुरजीत सिंह, फोरमैन	" " "	1-8-1981

मात्री लाल भालू,  
सहायक कार्मिक अधिकारी (भर्ती)  
वास्ते मुख्य परियोजना इंजीनियर

## परमाणु स्टॉनिज प्रभाग

हैषराबाद-500016, दिनांक 10 नवम्बर 1981

सं. प. ख. प्र./2 (3321)/81-प्रशासन—परमाणु उत्तराधिकारी, परमाणु स्टॉनिज प्रभाग के निवेशक श्री वी. विजय कुमार, वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड एस बी का त्यागपत्र स्वीकार करते हैं। श्री विजय कुमार ने 12 अक्तूबर 1981 के अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 13 नवम्बर 1981

सं. प. ख. प्र.-2/3118/80-प्रशासन—परमाणु उत्तराधिकारी, परमाणु स्टॉनिज प्रभाग के निवेशक श्री आर. के अग्रवाल, वैज्ञानिक अधिकारी/एस बी का त्यागपत्र स्वीकार करते हैं।

श्री आर. के. अग्रवाल ने 6 नवम्बर, 1981 के अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

एम. एस. राव  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

## भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 10 नवम्बर 1981

मं. 05012/भ 5/स्था. प/6146—भारी पानी परियोजना के, दिशेप-कार्य-अधिकारी, श्री शिवचरन हरेमा बिरुदा, अस्थायी उच्च श्रेणी लिपिक, भारी पानी परियोजना (तलचर) का 19 जून, 1981 (पूर्वा.) में आगे आदेश होने तक के लिए

अस्थायी रूप में, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक कार्यालय अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के. पी. कल्याणीकूटटी  
प्रशासन अधिकारी

### रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपाद्वयम्-603102, दिनांक 31 अक्टूबर 1981

सं. ए 32013/13/81—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के निदेशक ने इस केन्द्र के स्थायी वैज्ञानिक सहायक (बी) तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री जी.टी. हरिहर की 11 अगस्त, 1981 से रु. 650-30-740-35-810-ई बी-35-880-40-1000-ई बी-40-1200 के बतनमान में अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/अधियंता ग्रंथ एस बी के पद पर नियुक्त किया है।

एस. पदमनाभन  
प्रशासनिक अधिकारी

पर्यटन एवं नागर विभाग मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3 दिनांक 16 नवम्बर 1981

सं. स्था. (1) 07193—राष्ट्रपति, श्रीमती एन. जयन्ती को भारत मौसम विज्ञान विभाग में मौसम विज्ञानी श्रेणी-2 के पद

दिनांक 31 अक्टूबर 1981

सं. ए० 32013/8/80-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से और अन्य आदेश होने तक उप निदेशक/नियंत्रक विभागधेन के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है:—

क्र०	नाम	तैनाती स्टेशन	पदोन्नति की तारीख
सं०			
	सर्वश्री		
1.	एस० भट्ट	उप निदेशक, पालम	12-2-1981
2.	आर० एन० भट्टनागर	उप निदेशक, मद्रास	30-5-1981
3.	के० एन० बहल	उप निदेशक, बम्बई	2-4-1981 (अपराह्न)
4.	के० सी० दुर्गल	उप निदेशक, योजना (मुख्यालय)	2-5-1981
5.	श्री आई० एम० तुली	उप निदेशक, हैदराबाद एयरपोर्ट	20-5-1981

सुधाकर गुप्ता,  
उप निदेशक प्रशासन।

नई दिल्ली, दिनांक 13 नवम्बर 1981

सं. ए-32013/6/80-ई० एस.—राष्ट्रपति ने श्री सतिन्दर किंह को दिनांक 16-9-1981 से और अन्य आदेश होने तक क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली क्षेत्र, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में उप निदेशक विभाग सुरक्षा (इंजी.)/क्षेत्रीय नियंत्रक विभाग सुरक्षा (इंजी.) के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

सं. ए-32013/1/81-ई० एस.—महानिदेशक नागर विभाग ने श्री एम. एल. नागर को महानिदेशक नागर विभाग, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली के कार्यालय में दिनांक 16-9-1981 से अन्य आदेश होने तक महायक निदेशक, विभाग सुरक्षा

पर 30 सितम्बर 1981 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एस. के. बास

मौसम विज्ञान के अपर महानिदेशक

महानिदेशक नागर विभाग का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 अक्टूबर 1981

सं. ए. 35018/6/79-ई०.।—इस विभाग की दिनांक 26-2-81 की समसंस्थक अधिसूचना के क्रम में, राष्ट्रपति ने आसूचना विभाग के एक अधिकारी श्री के. के. नागर की नागर विभाग विभाग के नगर विभाग सुरक्षा संगठन में सहायक निदेशक, नागर विभाग सुरक्षा (बतन मान रु. 1200-1800+रुपये 300/- विशेष बतन प्रतिमास) के पद पर की गई प्रतिनियुक्ति की अवधि को दिनांक 20-7-81 से आगे एक और वर्ष की अवधि के लिए जारी रखने की मंजूरी दी है।

दिनांक 31 अक्टूबर 1981

सं. ए० 32013/8/80-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से और अन्य आदेश होने तक उप निदेशक/नियंत्रक विभागधेन के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है:—

क्र०	नाम	तैनाती स्टेशन	पदोन्नति की तारीख
सं०			
	सर्वश्री		
1.	एस० भट्ट	उप निदेशक, पालम	12-2-1981
2.	आर० एन० भट्टनागर	उप निदेशक, मद्रास	30-5-1981
3.	के० एन० बहल	उप निदेशक, बम्बई	2-4-1981 (अपराह्न)
4.	के० सी० दुर्गल	उप निदेशक, योजना (मुख्यालय)	2-5-1981
5.	श्री आई० एम० तुली	उप निदेशक, हैदराबाद एयरपोर्ट	20-5-1981

सुधाकर गुप्ता,  
उप निदेशक प्रशासन।

(इंजी.)/वरिष्ठ विभाग सुरक्षा अधिकारी (इंजी.) के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

जगदीश चन्द्र गर्ग  
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 9 नवम्बर 1981

विदेश संचार सेवा के महानिदेशक

सं. 1/124/81-स्था.—एतद्यवारा नई दिल्ली शास्त्र के पर्यवेक्षक श्री आसा सिंह को नियमित आधार पर 1-9-81 के पूर्वाह्न आगामी आदेशों तक उसी शास्त्र में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

एच. एल. मलहौत्रा  
उप निदेशक (प्रशा.)  
कृत महानिदेशक

## केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहृतालय विभाग

गुन्टुर-4, दिनांक 3 अक्टूबर 1981

## (स्थापना)

सं. 11/81/(स्था०) — निम्नलिखित 'ग्रुप-बी' (राजपत्रित) अधिकारी प्रत्येक के नाम के सामने दर्शायी गई तिथि से, वार्षिक्य को प्राप्त होने के कारण सेवा-निवृत्त हो गए :—

क्र०	अधिकारी का नाम एवं पदनाम	स्थान जहां से सेवा निवृत्त हुए	सेवा निवृत्ति की तिथि
सं०			(अपराह्न में)

## सर्वश्री

1. एस० रहीमन शरीफ अधीक्षक, के० उ० श०	झंगोले रेंज	31-5-1981
2. एम० ईजाम दुसैन, अधीक्षक, के० उ० श०	विजांग-1, मंडल	30-6-1981
3. बाई० बी० कृष्णराव, अधीक्षक, के० उ० श०	काकीनाडा-II रेंज	30-6-1981
4. एन० फामेश्वर राव अधीक्षक, के० उ० श०	बोब्बीली-रेंज	30-6-1981
5. बी० ए० सूर्यनारायण मूर्ति अधीक्षक, के० उ० श०	राजमुन्दरी-मंडल	30-6-1981
6. जे० लिंगमूर्ति, अधीक्षक, के० उ० श०	काकीनाडा-1 रेंज	31-7-1981
7. एस० राधेकेन्द्रा राव, सहा० मुख्य लेखा अधिकारी	मुख्यालय, गुन्टुर	31-7-1981
8. एम० एम० ए० के० हैदरी, अधीक्षक, के० उ० श०	मैचिलि पट्टनम रेंज	31-8-1981

सं. 12/81/(स्था०) — केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के निम्नलिखित ग्रेड के अधिकारियों, कार्यालय अधीक्षकों/(व० ग्रेड) निरीक्षकों ने, जो कि क्रमशः प्रशासन अधिकारी/लेखाओं के परीक्षक तथा अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क 'ग्रुप-बी' (राजपत्रित) अधिकारियों के पद पर नियुक्त किए गए हैं, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तिथि से अपने-अपने पदों का कार्यभार संभाल लिया है :—

क्र०	अधिकारी का नाम व पदनाम	तेनाती का स्थान	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
सं०			

## सर्वश्री

1. डी० सुब्रह्मण्यम, अधीक्षक, के० उ० श०	काडियाम रेंज	29-8-1981
2. एम० वैकटेश्वरा राव, अधीक्षक, के० उ० श०	भीमाकरम रेंज	29-8-1981
3. एम० देवदास, अधीक्षक, के० उ० श०	मैचिलि पट्टनम रेंज	31-8-1981 (पूर्वाह्न)
4. मौ० टिपुदां, लेखा परीक्षक	मुख्यालय गुन्टुर	29-8-1981
5. चौ० बी० कृष्णमूर्ति प्रशा० अधिकारी	गुन्टुर-मंडल	29-8-1981 (पूर्वाह्न)

सं. 13/81-(स्था०) — श्री पी भिक्षेश्वरा राव, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क 'ग्रुप-बी' (राजपत्रित), ककडियाम रेंज, दिनांक 7-8-81 को निधन हो गया।

ए-22012/18/81-प्रशा.-11) द्वारा स्थानांतरण होने पर निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के कलकत्ता स्थित पद्मी प्रादेशिक यूनिट में दिनांक 3-10-1981 (अपराह्न) को सहायक निदेशक के पद को कार्यभार संभाल लिया।

डी कृष्णमूर्ति  
समाहृता

एस बी. सरकार  
निदेशक निरीक्षण

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1981

सं. 16/81—श्री ए के देव रायने, जो पहले कलकत्ता स्थित केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहृतालय परिचयी बंगल में सहायक समाहृता के पद पर कार्यरत थे राजस्व विभाग के दिनांक 13-5-1981 के आदेश सं. 81/1981 (पा. सं.

रेल मंडलालय (रेलवे बोर्ड)

नयी दिल्ली, दिनांक 10 नवम्बर 1981

सं. 80/ई बी/1/1500/8—सर्व-साधारण को सूचना के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि 1-4-1981 से

रुण्डवा - अकोला - पूर्णा मीटर लाइन मण्डल को मध्य रेलवे के भूसावल मण्डल के अधिकार-क्षेत्र से निकाल कर दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद (मी. ला.) मण्डल को अन्तरित कर दिया गया है। अब हैदराबाद (मी. ला.) मण्डल का अधिकार-क्षेत्र लगड़ा तक बढ़ जायेगा और भूसावल मण्डल ने अधिकार-क्षेत्र से तदनुस्पी कमी हो जायेगी।

यह समायोजन परिचालनिक काशनामा/प्रबन्ध नियंत्रण में संधार लाने तथा उक्त क्षेत्र के ग्रन्थ उपयोग-कर्ताओं को अधिक सत्याष-जनक सेवा एवं प्रवान करने के उद्देश्य से किया गया है।

सं. 79/इ/1/1500'8—सर्वमाधारण की सचना के लिए एतद्विधार अधिसूचित किया जाता है कि 1-10-1981 से नन्दयाल (छोड़कर) दांत कॉर्ड (छांडकर) मीटर लाइन लगड़ को दक्षिण मध्य रेलवे के विजयवाड़ा मण्डल के अधिकार-क्षेत्र से निकाल कर उसी रेलवे के गुन्तकल्लू मण्डल को अन्तरित कर दिया गया है। अब गुन्तकल्लू मण्डल का अधिकार-क्षेत्र दांत-कॉर्ड (छोड़कर) तक बढ़ जायेगा और दिज्यवाड़ा मण्डल के अधिकार-क्षेत्र में तदनुस्पी कमी हो जायेगी।

यह समायोजन उक्त क्षेत्र में परिचालनिक काशनामा में सुधार लाने के लिए रेलवे के दिन-प्राति-दिन के प्रशासन के हित में किया गया है।

हिम्मत सिंह  
सचिव, रेलवे बोर्ड  
एवं भारत सरकार के पदार्थ संबंधित सचिव।

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मन्त्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और

ईमिउनो कॉमिकाल ल्याबरेटरी लिमिटेड के विषय में  
परिचय बंगाल, दिनांक

सं. 11942/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्विधारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के अवसान पर ईमिउनो कॉमिकाल ल्याबरेटरी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्षित न किया गया तो रजिस्ट्रर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस. आर. सत्यनारायण  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार  
परिचय बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 और

रहमान चिट फण्डस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1981

सं. 5577/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्विधारा सूचना दी जाती है कि रहमान चिट फण्डस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और

आर. एस. सुन्दरम चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में  
मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1981

सं. 5694/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्विधारा सूचना दी जाती है कि आर. एस. सुन्दरम चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और

मारकोटिंग एंड इन्जिनियरिंग कन्सलटेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1981

सं. 5591/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्विधारा सूचना दी जाती है कि मारकोटिंग एंड इन्जिनियरिंग कन्सलटेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और

विश्वाम इलेक्ट्रिकलस एंड इक्यूपर्सन्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1981

सं. 5978/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्विधारा सूचना दी जाती है कि विश्वाम इलेक्ट्रिकलस एंड इक्यूपर्सन्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और

टी. बी. एन. बस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1981

सं. 4404/560(5)81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्विधारा सूचना दी जाती है कि टी. बी. एन. बस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और

सतेण स्टील एंड मलाइ कास्टिंगस लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1981

सं. 5311/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्विधारा सूचना दी जाती है कि श्री रघुनाथन मोटर सरवीस प्रैवेट लिमिटेड का मत्तेण स्टील एंड आइल कास्टिंगस लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।



दी जाती है कि शकुन्तला रॉडवेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गयी है।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और  
मुसिरि पूलिवालाम ट्रान्सपोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1981

सं. 3750/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मुसिरि पूलिवालाम ट्रान्सपोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गयी है।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और  
विजयलक्ष्मी फायदणडीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1981

सं. 4401/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि विजयलक्ष्मी फायदणडीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गया है।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और  
मनि मुरली ट्रान्सपोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1981

सं. 4468/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मनि मुरली ट्रान्सपोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गयी है।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और  
थेमर्सार्कित चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1981

सं. 4664/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि थेमर्सार्कित चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गयी है।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और  
यू. एस. बससर्वीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1981

सं. 4775/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि यू. एस. बससर्वीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और  
पर्सनल फार्टिलाइजर्स और आइल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1981

सं. 4860/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पार्सनल फार्टिलाइजर्स और आइल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गयी है।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और  
चंडा प्रसाद ट्रान्सपोर्टर्स अण्ड एंजन्सी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1981

सं. 4104/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि चंडा प्रसाद ट्रान्सपोर्टर्स अण्ड एंजन्सी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गयी है।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और  
नवशाक्ति कर्मशाला ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1981

सं. 4768/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नवशाक्ति कर्मशाला ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गयी है।

सलवराज

कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, तमिलनाडू

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और  
मैसर्स मोतीलाल सन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

अहमदाबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1981

सं. 560/421—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि, मोतीलाल सन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गयी है।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और  
मैसर्स गुजरात पाइपर ग्लास मेन्यूफैक्चरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

अहमदाबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1981

सं. 560/2716—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स गुजरात पाइपर ग्लास मेन्यूफैक्चरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया हो तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषट्टित कर दी जाएगी।

क्ष्व. वाय राणे

सहायक प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य,  
अहमदाबाद

प्रख्युप अर्ई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, बंबई

बंबई, दिनांक 5 नवम्बर 1981

निदर्शन सं. अर्जन इलाका-11/3175-25/81-82—एन०  
मुक्त, संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
हप्ते से अधिक है

और जिसकी सं. एम. सं. 270, ज्लाट सं. 1 और 2, एम.  
सं. 245ब नया एस. सं. 270 हिस्मा सं. 244 का भाग अ. 3  
और एम. सं. 245ब और मी. टी. एम. सं. ब/1121 है तथा  
जो मैट जान बाट्टीमटा पथ बान्धा भौं स्थित है (और इसमें  
उपादव्यूथ अनुसंधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-3-1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
पच्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्वीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कर्मी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या फ़िसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें मार्तीप आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

3—356 GI/81

1. श्रीमती फातिमा बेगम वाईफ आफ मोहमद अफजल  
दान।

(अन्तरक)

2. बान्धा टाईडवेज को-ऑपरेटिव हाउसिंग भोसाइटी।  
(अन्तरिती)

3. अन्तरक: फातिमा बेगम वाईफ आफ मोहमद अफजल-  
दान।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पृक्त है)

4. श्रीमती फातिमा बेगम वाईफ आफ मोहमद अफजल-  
दान।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर  
दाना है कि वह सम्पृक्त में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी नहीं करके द्वितीय सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती अवित्यों पर  
मूचना की नामील में 30 दिन की अवधि, जा भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर द्वितीय  
अवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
निखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** ——इसमें प्रथम शब्दों और पर्दों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ है, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख मंख्या 1362/1980 बंबई<sup>१</sup> रजिस्ट्रार द्वारा दिनांक 23-3-1981 को रजिस्टर किया गया  
है।

संतोष दत्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-11, बंबई

तारीख : 5-11-81  
मोहर

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

१. श्रीमती स्वराज पाटनी, क्वार्टर नं. 2, महारानी कानेज, जयपुर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

२. श्री टिक्का दास, 413ए, आदर्श नगर, जयपुर।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 नवम्बर 1981

आदेश मं. राज/सहा आ. अर्जन/1083—यतः मर्मे,  
एम. एन. चौहान,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु में अधिक है  
और जिसकी मं. ए-27 है तथा जो जयपुर में स्थित  
है, (और इसमें उबापद्ध अनुभवी में और पूर्ण रूप में विनियत  
है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
13-3-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्मे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्रवैक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्वेष्य में उक्त अन्तरण निश्चित में वास्त-  
विक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था लिपाने में सविधा के लिए;

अनुसूची

प्लाट नं. ए/27 माती इंसगरी एक्सटेंशन स्कीम, जयपुर जो  
उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 586 दिनांक 13-3-81  
पर पंजिकद्वय बिक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एन. चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 2 नवम्बर, 81

माहूर :

प्र० आई० टी० एन० एस०--  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधीन (निरीक्षण)

अर्जन राजौ, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 नवम्बर 1981

आदेश सं गज/महा आ अर्जन/1077—यत् मुझे,  
एम एल चाहिए,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्थि जिम्हा उचित आजार मूल्य 25,000/- ₹ में प्रधिक है

और जिसकी में दाकान न 2-ए है तथा जा जयपुर में स्थित है, (और इसमें उपाख्यान अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-5-1981 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिगत में अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकृति निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रत्यक्षण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षण में उक्त निम्नों प्राय को शब्द उक्त प्रधिनियम में अधीन रख देने के अन्तररूप दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी निम्नों प्राय को किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, प्राप्त कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधितयों पर्याप्त:—

- 1 श्री शम्भू दयाल पुत्र द्विहारी लाल गुप्ता, 5 के 6, जवाहर नगर, जयपुर।  
(अन्तरक)
- 2 श्रीमती ललिता दवी पत्नी कृष्ण किशोर लन्ना, मठो कालानी, जयपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति उक्त के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जोभी अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य अवधि द्वारा अधीक्षताकारी पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टव्योकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही प्रथा होगा, जो उप प्रध्याय परिदिया गया है।

अनुसूची

दाकान न 2 ए अर्जन लाल मठो कालानी, जयपुर जा उप परिचयक, जयपुर द्वारा कम सम्मा 1054 दिनांक 2-5-81 पर परिचयदाता विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

एम एल. चाहिए  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन राजौ, जयपुर

तारीख 2 नवम्बर, 81  
माहर

प्र० प्र० आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा  
269-ए (1) के प्रश्नों के सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 नवम्बर 1981

आदम सं. राज/सहा आ. अर्जन/1074—यतः मर्फ़े,  
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
घारा 269-ए के प्रश्नों सक्षम प्राधिकारी को उक्त विषवास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 5 है तथा जो जयपुर में स्थित  
है, (और इसमें उपाबृक्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
25-3-81

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिक्रिया के लिए प्रमुखता की गई है और भूमि वह विषवास  
करने का कारण है कि यवापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिक्रिया के प्रमुख प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(प्रासारकों) और अन्तरिती (प्रासारितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तब फाया बया प्रतिक्रिया, जिसलिकिम  
उद्देश्य से उक्त प्रासारण सिद्धित में वास्तविक रूप से रुचित  
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दिलीप सिंह नाथाशत पूर्ण श्री मानदाता मिंह  
मुख्याराम अर्जन सिंह पुत्र श्री मानदाता सिंह,  
देवी सदन, सी-स्कीम, जयपुर।  
(अन्तरक)

2. श्री पदम सिंह पुत्र श्री अमोलक सिंह वर्मा निवासी  
मिविल लाइन, कोटा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त मम्पति के अजंत के  
लिए कार्यालयों कारता है।

उक्त सम्पत्ति के अजंत के संबंध में कोई भी वाक्येष।—

(क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
में 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अवधियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्णोंक्त अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
दितवद्व जिसी अन्य अवधि द्वारा, प्रबोहस्ताकरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 5 की भूमि 505 वर्ग गज, सी-स्कीम, चौमू हाउस,  
जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम मंस्या 709 दिनांक  
25-3-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से  
शिवर्णित है।

एम. एल. चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 2 नवम्बर, 81  
मोहर :

प्रसूप श्री हॉट्टी. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 नवम्बर 1981

आदाश मं. राज/सहा आ. अर्जन/1076—अतः मुझे,  
एम. एल. चौहान,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25 000/ रु. से अधिक है  
और उसकी सं. ए-4 है तथा जो जयपुर में स्थित  
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
31-3-1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री विनांद कुमार पूर्ण श्रीलोकानाथ सुराना मकान न.  
149, पंजाब हाउसिंग बाउं कालानी, भक्तवाला  
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कृष्ण सुराना पत्नी विश्वेश्वर नाथ सुराना,  
367 राजापाक, जयपुर।

(अन्तरिती)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तापिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूखण्ड संख्या ए-4, पर बनी हाई दकान व बैम्पेन्ट लैण्ड  
परिया, जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 761 दिनांक  
31-3-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में  
विवरणित है।

एम. एल. चौहान  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज, जयपुर

तारीख : 2 नवम्बर, 81  
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 नवम्बर 1981

आदेश सं. राज./सहा आ अर्जन/1075—यतः मृम्फे,  
एम. एल. चौहान,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. ए-4 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (और  
इसमें उपबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-3-81  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्फे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापर्वत संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तविक रूप से कथित तरीं किया गया है—

(फ) अन्तरण से हूँ इं किसी आय की आवत उक्त अधि-  
नियम को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

।४, एसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
पर, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अवात अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अन्तरण  
में, नै, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपशारा (1)  
के अधीन [ ] निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विनोद कमार लूणा पूर्व श्री विनोदीनाथ लूणा  
मकान नं. 149, पजाब हाउसिंग बोडू कालीनी,  
भूकतावरला, अस्त्राजन।

(अन्तरक)

(2) श्री मुक्त लूणा पूर्व श्री विश्वेश्वर नाथ (नाबालिंग)  
जरिंग, श्रीमती कृष्ण लूणा (संरक्षिका), मकान नं.  
367, राजापार्क, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में भ  
किमी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य शाकिन द्वारा, प्रधोहस्ताश्री के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूखण्ड संख्या ए-4, जयती मार्केट, एम. आई. राऊड़,  
जयपुर का ग्राउन्ड फ्लॉर एवं फ्लॉर फ्लॉर जो उप पंजियक, जयपुर  
व्यारा कम संख्या 762 दिनांक 31-3-81 पर पंजियक विक्रय  
पत्र में विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख 2-11-81  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टो० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की भारा  
२६९-ए (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक २ नवम्बर १९८१

आदेश म राज /महा आ अर्जन/१०८४—यत मभ्वे,  
एम एल चौहान,  
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा २६९-  
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मल्य २५,०००/-  
रु में अधिक है।

और जिसकी म प्लाट न ३ है, तथा जो जयपुर म स्थित है  
(और इसमें उपाबृथ अनुमती में और पूर्ण रूप मे वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर मे, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख  
२० अप्रैल, १९८१

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य म कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्वे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत म अधिक है और अतरक (अतरको) और अतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे  
कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा  
के लिए;

अह: अब, उक्त अधिनियम, की भारा २६९-ए के अनुसूचण  
मे, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ए की उपधारा (१)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवादः:—

(१) श्री जनरल हिम्मत मिह, १७ मिविल लाईन्स,  
जयपुर।

(अन्तरक)

(२) श्री विरोद्ध मिह, प्लाट न ३, बगला न १७,  
मिविल लाईन्स, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे क्रेई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन की अवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाव मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हित-  
दूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
दाय निश्चित वे किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय २०-क मे परिभाषित  
हैं, वहो अर्थ होगा ज उस अध्याय मे दिया  
गया है।

### अनुसूची

प्लाट न ३, बगला न १७, मिविल लाईन्स, जयपुर जो  
उप परियक, जयपुर द्वारा कम गल्या १२०, दिनांक २०-४-  
८१ पर परिवहन विक्रय पत्र मे और विभिन्न रूप मे विवरणित  
है।

एम एल चौहान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जयपुर

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के प्रश्नीन सूचना

भारत मंत्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 2 नवम्बर 1981

आदेश सं. राज./महा आ. अर्जन/1098—यतः मृभे, प्रम्. एन. चौहान,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके उचित 'उक्त अधिनियम' नहा गया है), की धारा 269-घ के प्रश्नीन सन्मान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है।

और जिसकी सं. प्लाट नं. 3-ए है, तथा जो जयपुर में स्थित है (और इसमें उपावृध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8-7-1981 को दूर्वास्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का नारण है कि व्याप्रूर्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित मानविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(6) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ग। इसमें उक्त में सुविधा के लिए; और/या

(7) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गा या किया जासा चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती चन्दा देंडी भण्डारी पति श्री मंसेर मल भण्डारी, मथुरा हाउस, मनोज सिनेमा के सामने, कोटा (राज.)।

(अंतरक)

(2) श्री शान्ति कमार सेठी एवं श्रीमती कामिनी सेठी, सेठी भवन, हन्मानजी का गम्ता, जयपुर।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के लिए रायचुनियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोवस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 3(ग), क्षेत्रफल 750 वर्ग गज जो भवानी सिंह मार्ग, जयपुर पर स्थित है और उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1711, दिनांक 8-7-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एन. चौहान  
प्रधम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन राज, जयपुर

तारीख : 2-11-81  
मोहर :

प्रस्तुत जाइ<sup>१</sup>. टी.एस.एस.-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, बैंगलोर  
बैंगलोर, दिनांक 24 अक्टूबर 1981

निवैश सं. 367/81-82—पत: मृझे, डा. वि. एन.  
ललितकमार राव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प्र के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. सि. स. नंबर 162/36 है, तथा जो वाड़  
नंबर तीन, देशपांडे नगर, हृषील में स्थित है (और इससे  
उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय, हृषील, अंडर डाकमेंट नंबर 2719  
दिनांक 16-3-1981 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास  
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरित  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घवेश से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हृषी किसी जाम की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/था

(ब) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तीय  
को, जिन्हे भास्तीय जाम-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, य  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अस्तीरती हवारा प्रकट महीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  
4-356GI/81

(1). (1) श्री गुरुसिद्धेश विरुपाक्षपा कारिंण्ड, (2)  
श्री उमेश विरुपाक्षपा कारिंड, व्याहट्टि प्लोट,  
देशपांडे नगर, हृषील<sup>२</sup>।  
(अन्तरक)

(2) श्री वी. एस. कुरुडेकर, केयरओफ श्री गुरुराधवेश  
जवेलरी मार्ट, आर. के. गल्ल, हृषील।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए  
कार्यालयित करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**--इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

हृषील शहर, देशपांडे नगर, वाड़ नं. तीन में स्थित  
442 8/9 स्क्वायर वाड़ ब्लॉक जगह, जिसका सि. स. नंबर  
है 162/36।

डा. वी. एन. ललितकमार राव  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, बैंगलोर

तारीख : 24-10-1981  
मोहर :

प्रृष्ठ प्राइवेटी.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
**धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, बैंगलोर

बैंगलोर, दिनांक 24 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. सी. आर. 62/29869/80-81/ए. क्यू.  
 वी.—यतः मूझे, डा. वी. एन. ललितकुमार राघु,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-घ के अधीन सभी संसदीय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/ रु. से अधिक है  
 और जिसकी सं. प्रिमैसिस सं. 10 है, तथा जो सन्त जान रोड,  
 सिविल स्टेशन, बैंगलोर में स्थित है (और इसमें उपायवृद्ध  
 अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
 के कार्यालय, शिवाजी नगर, बैंगलोर में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
 नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-3-1981  
 को पूर्वक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
 वास्तविक रूप से कठित महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हृद किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आई. ए. पटेल, डा. ए. एम. पटेल के पत्र सं. 3-6-326, बशीर बाग, हैदराबाद (ए.पी.)।  
 (अन्तरक)

(2) मैसर्स राजाराजेश्वरी एण्ड को. पार्टनर्स, (1) श्री ए. जे. पद्मनाभन, (2) श्री ए. जे. लोगनाथन, दोनों श्री प. सी. जानकीराम मोदलियार के पत्र हैं, सं. 38, मेन्ट जान्स रोड, बैंगलोर-42।  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में दो किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के 20-क में पारिभाषिक हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(इस्तावेज सं. 4258/80-81 ता. 3-3-1981)

घर सम्पत्ति है जिसका प्रिमैसिस मं. 10, जिसमें पुराना ब्लॉक, कांपोण्ड वाल और लाली जगह भी है।

सन्त जान रोड, सिविल स्टेशन, बैंगलोर-42।  
 वकंबंदी है।

प. में—सोपा मोदलियार गार्डन

प. में—लक्ष्मी थियेटर

उ. में—सोपा मोदलियार चारटीस को प्यासेज

व. में—अनस्वामी मोदलियार रोड

डा. वी. एन. ललितकुमार राघु  
 सभी संसदीय प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रैंज, बैंगलोर

तारीख : 24-10-1981

माँहर :

प्रधान माहौली एन.एस.-----

(1) श्री गोर आंदोरक्षित।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

लालू चुप्पा

(2) श्रीमती गीता रानी रक्षित।

(अन्तरिती)

काम्यांकन, सहायता आयकर आयकर (निरीक्षण)

जर्जन राज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

निवास स. ए. सी. 59/राज-4 /कल/81-82—यत.  
म्‌भें, के. मिन्हा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 95 है, तथा जो शम्भू हालदार लेन, हवड़ा  
में स्थित है (और इससे उपावदध अनमोली में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवड़ा में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 10-3-1981

को घूर्णित संपत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के द्वयमात्र  
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और म्‌भें यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उत्तित बाजार  
मूल्य, उसके द्वयमात्र प्रतिफल से, एम्बे द्वयमात्र प्रतिफल का  
मन्दह स्वितात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप में कथित नहीं किया गया है .---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अधीन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के घूर्णित से सम्बन्ध में कार्य भी जारी।—

(क) इस सूचना के उत्तित में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती है, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी भी व्यक्ति द्वारा व्यापक अधिकारी के पास वित्त में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अप्परात्र से हाई कोर्ट सी आयकर आयकर अधिनियम, 1922 की अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उपर्युक्त व्यक्ति में सूचिता के लिए;

मन्हूम्ही

(ख) एसी किसी भूमि वा किसी भूमि वा अधीन आयकरी की अधीन आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अप्परात्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में लूटीया के लिए।

जमीन का माप 3क 2व.फ. 95, शम्भू हालदार लेन पर स्थित है। दस्तावेज नं. —1981 का 1306।

के. मिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
लालू आयकर आयकर (निरीक्षण)  
54, रफीओहमद किबवाई रोड,  
जर्जन रोड-4, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकारी—

तारीख : 23-10-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी और एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भूबनेश्वर

भूबनेश्वर, दिनांक 4 नवम्बर 1981

निर्देश सं. 6/शा. ए. सी./ए. आर./भूबनेश्वर/81-  
82--अतः मुझे, पि. कै. मिश्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के प्रधीन समझ प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि  
स्थानीय सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है।

और जिसकी सं. 1155 है, तथा जो भूबनेश्वर में स्थित है  
(और इससे उपबोध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिन्धूरिया, नयागढ़,  
भूबनेश्वर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-3-1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं  
किया गया है।—

(1) श्री गोपिनाथ राऊतरा पिला जगबन्ध राऊतरा, ग्रा.  
धावलाई, नयागढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीलालेन मिश्र, पति श्री वैकन्थनाथ  
मिश्र, ग्रा. जगन्नाथपुर, खाहाली, नयागढ़, पूरी।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 5  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रौद्यस्ताकरी के पास सिखित में  
किये जा सकेंगे।

**उपर्युक्तकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए;  
झीरा

(क) अन्तरण में हुई किसी आव भी बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आव या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपबोधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अचौतुः—

अनुसूची

मौजा बीन्डूरिया, पि. एस. नं. 476, खाता नं. 812;  
प्लाट नं. 2202 एरिया ए.-35, मकान का साथ, नयागढ़ में।

पि. के. मिश्र  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, भूबनेश्वर

तारीख : 4-11-1981  
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. डी. एम. एस.—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, विनांक 24 अक्टूबर 1981

निदेश सं. 4/81-82/आई ए. सी./ए. आर./भव-  
नेश्वर—अतः म.फे, पि. के. मिश्र,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 2323 है, तथा जो प्लाट नं. 5ई में स्थित  
है (और इसमें उपाधिध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुवनेश्वर में, भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 3-4-1981

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और युक्त यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाठ्य गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की विवर उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक में कमी करने या उसमें वर्चन में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या दृश्य अस्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
सधीय, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरकेश मोहान्दी पि. ग्रुचरण मोहान्दी, ग्राम  
वारठन्ना, चण्डीकाल, जिला परी, उड़िसा।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती बिनोदिनी घलबिसोई, स्वामी केशवचन्द्र  
घलबिसोई, ग्राम गलदालमूल, पोस्ट दालमल,  
जिला छेन्कानाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंदह के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंदह के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्रेत :—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
वर्गिकरण में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विन-  
बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

हठोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, नहीं प्रयुक्त होगा जो उभ अध्याय में दिया  
गया है।

अन्सूची

प्लाट नं. 5ई, डीड नं. 822, कल्पना एरिया भुवनेश्वर।

पि. के. मिश्र  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज़, भुवनेश्वर

तारीख : 24-10-1981  
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अक्टूबर 1981

निदेश नं. पि. आर. नं: 1208/एक्टी./23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थानवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 128/1/2 (भाग) है, तथा जो नाबोहू  
गांव, गांधीनगर जिला में स्थित है (और इससे उपादान अन-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, गांधीनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31-3-1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार,  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
प्रिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है इन्हीं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती बाई जीवकोरबेन जोरदास, नावाकोबा  
तलुका, गांधीनगर।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री आनन्द एस. साराशाई, दी रीट्रीट, शाही  
बाग, अहमदाबाद-380004।

(2) श्रीश्रीमती आशा साराभाई, दी रीट्रीट, शाही  
बाग, अहमदाबाद-380004।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अद्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थानवर सम्पत्ति में रिता-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लाप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

स्नला जमिन जो सर्वों नं. 128/1/2 (भाग), गांव नाबोहू,  
गांधीनगर जिला में स्थित है, जो बिक्री साता नं. 500 पर  
संपूर्ण विनाश में, गांधीनगर सब रजिस्टर के कार्यालय में  
तारीख 31-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग  
सभाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

तारीख : 30-10-1981  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक-आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1981

निर्देश सं. पी. आर. नं. 1431/अर्जन रोज़-23-1/81-82---अतः मझे, जी. सी. गर्म,  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इन्हे  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम, कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं. आर. एस. नं. 14 पैकी प्लाट नं. 61 और  
76 है, तथा जो एच. नं. 814, जामनगर में स्थित है (और  
इससे उपावश्यक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-3-81  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के  
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित  
महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरैं किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य प्राप्तियों  
को, जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उस प्रधिनियम, या  
बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के, अनुत्तरण  
में, मैं उक्ता अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ओत्तनदास शामनदास खब्चंदानी, सुमेर कलब  
गड़, जामनगर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री पुरुषोत्तम दामजीभाई सूदारिया, रणजीत  
नगर।

ब्लाक नं. एफ/3, फ्लेट नं. 465, जामनगर,  
(2) श्री अरजनभाई जीवनभाई कानानी, 12,  
हाटकेश्वर मोसाइटी, जामनगर।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
याचियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या नवसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाब में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
मर्यादा होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ग्लावनगर के नजदीक मीलकत सड़ी है, जिसका आर. एस.  
नं. 14 पैकी प्लाट नं. 61 से 76, वार्ड नं. 12, एच. नं.  
814, जिसका कॉल थेट्रफल 11550 वर्ग फिट है और जिसका  
निर्माण कार्य 372 वर्ग मीटर में है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन  
जामनगर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीस्त नं. 648/3-3-1981 में  
दिया गया है।

जी. सी. गर्म

सक्षम प्राप्तिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

तारीख : 3-11-1981

महर :

प्रवृत्त आई. टी. एन. एस. -----  
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

सार्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1432/अर्जन रेज 23-1/81-  
82--अत मुझे, जी. सी. गर्ग,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कलरण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. मर्कों नं. 137, लीमड़ा लेन है, तथा जो  
कांग्रेस हाउस के सामने, जामनगर में स्थित है (और इससे  
उपावश्यक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रीजिस्ट्रीकर्ट  
अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में, रीजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पागा गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, सक्षम  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
जीर्णा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) श्री चंद्रकान्त अमृतलाल दोषी, कर्ता और मैनेजर  
चंद्रकान्त अमृतलाल दोषी, मरुतारना मा श्रीमती  
चंद्रवतीबेन चंद्रकान्त और हिमांशु चंद्रकान्त,  
जामनगर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रवीनाबेन हमेस्तसाल भायानी, भायानी  
मेन्शन, गुरुद्वारा रोड, जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो  
भी भी प्रवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृत्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिचायित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जो लीमड़ा लेन, जामनगर में स्थित  
है, घीट नं. 11, सर्वों नं. 137 पैकी जिसका कूल क्षेत्रफल  
4340 वर्ग फिट, 403.19 वर्ग मीटर है तथा जिसका पूर्ण  
वर्णन जामनगर रीजिस्ट्रीकर्ट दिक्री खत नं. 1015/26-3-  
1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 4-11-1981  
मोहर :

प्रलेप आड़, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा  
२६९-ष (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-१, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक ४ नवम्बर १९८१

निदश नं. पी. आर. न. १४३५ अर्जन रोड २३-१/  
८१-८२—अतः मुर्के, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-  
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. १०८/१ प्लाट नं. १२  
है तथा जो जामनगर में स्थित है (ओर इसमें उदाहरण  
अनुसूची में और पूर्ण स्वरूप संबिल्पित है), अंजस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, जामनगर, ए. रजिस्ट्रेशन अधिनियम, १९०८  
(१९०८ ला १६) के अधीन १६-३-८१

को पृथक्षत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लियमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और इसे यह विवास  
करने का कारण है कि विवासवाक्ता सर्वान्तर ना उचित बाजार  
मूल्य उसके विवास के प्रतिफल से, ऐसे, विवास प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती  
(अन्तरीताओं) के द्वारा एस अन्तरण के लिए तथा यात्रा गता प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
में, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के  
प्रयोजनार्थ अन्तर्भूत द्वाग प्रकल्प में किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, लियाने से गतिशील  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा २६९-ग के अनुसर  
में, जो, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ष की उपधारा (१)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तमान:—  
५—३५६GT/81

१. श्री तरात्म लालू शार की ओरने वी जन चरन वलजी  
दोषीया हन्नर शला जामनगर।

(अन्तरक)

२. श्री नाथा देवाशी श्री रामशी मंगमन गांव चर तालुक-  
कल्याणपुर जिला-जामनगर।

(जन्मरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाचिक्यों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गम्भीर में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन की अवधि या इनमें स्थित अधिकारी पर सूचना  
वा तालीम से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाइर से रामात होती है, वा भीतर पूर्वाक्त  
अधिनियम में दिए गए अन्तरण;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित  
हैं, वहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

### अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल ७४७-८५ वर्ग मीटर है तथा  
जो एरांड्रोम रोड के नजदीक है, जिसका रोडनं. एस नं.  
१०८/१ चौका प्लाट नं. १२ है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन जाम-  
नगर रजिस्ट्रीकर्ता बिलील ने ८१६/१६-३-१९८१ मा दिया  
गया है।

जी. नी. गर्ग  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोड-१, अहमदाबाद

तारीख : ४-११-८१  
माहेः :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 4 नवम्बर 1981

निवेश नं. पी. आर. नं. 1433 अर्जन रंज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्फ़,

आयकर अधिनियम 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संशोधन आयित हो, यह विवरण करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. सर्वे नं. 471-472 पैको प्लाट नं. 17, 18, 23 है। तथा जो 27 से 31 राजकोट में स्थित है (और इससे उपाधिध अन्मूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-3-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया पतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की उक्त सूचना अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तावके वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. मे. भूपतराय शीवराम के भागीदार
  - (1) श्री भूपतराय शीवराम व्यास
  - (2) श्री मणनलाल पी जोशी
  - (3) श्री जयंत बी व्यास
  - (4) श्री भूपतराय मणनलाल जोशी 39, प्रह्लाद प्लाट राजकोट।

(अन्तर्क)

2. अराधना को. ओ. हा. सो. लिमिटेड प्रमुख - श्री भल्लाभाई के. चावडा 3, नवा घोराना, राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्री

जमीन जिसका कल क्षेत्रफल 6011 वर्ग यार्ड है तथा जो राजकोट में स्थित है। जिसका सर्वे नंबर 471-472 पैकी प्लाट नं. 17, 18, 23, 27, 28, 29, 30 और 31 है तथा पूर्ण वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीकरण नं. 2049/25-3-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्फ़  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 4-11-81  
माहर:

प्रह्लप प्राइंट टी० एन० एम०—

आश्वस्त्र प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 नवम्बर 1981

निकंश न पी. आर. न. 1434 अर्जन रॉज़ 23-1/  
81-82—अत. मृभौ, जी. मी. गर्ग,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-व के प्रधीन प्रकाशन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स. आर. पृष्ठ न. 108/1 पैकी प्लाट नं. 8 है  
तथा जो जामनगर में स्थित है (और इससे उपाबृक्ष अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय  
जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16 के अधीन 16-3-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
प्रत्यक्षरत (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा आया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षरण लिखित में वास्तविक रूप में ऊर्ध्वता  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रधि-  
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
भव में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा  
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवित्यों, प्रथात्।—

1. श्री नाथलाल मंयजी शाह की ओर से श्री अमरतलाल  
बदेजी दोंधिया हुन्नर शाला, जामनगर।  
(अन्तरक)
2. श्री राम वादु श्री अरजना वादु शाव-चर, तालुका-  
कन्याणपुर जिला-जामनगर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के यज्ञन्ध में कोई भी आश्रेष्ट :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी अवित्यों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से  
किसी अवित्य द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्त्राधारी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

ल्पण्डीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों जा, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
प्रयृष्ट होगा, जो उस अध्याय पर दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 702-32 वर्ग मीटर है तथा  
जिसका रेवन्यु सर्वे नं. 108/1 पैकी प्लाट नं. 8 और जिसका  
पूर्ण वर्णन जामनगर रजिस्ट्रीकर्ट विक्रीखत नं. 815/16-3-  
1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज़-1, अहमदाबाद

तारीख : 4-11-81

मोहर :

प्रस्तुत भाई, टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक अत्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

लाइन नं. 11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निवेश नं. पी. नार. नं 1209/एक्वी/23-11/81-82  
—अतः म.फ., जा. नो. नग.,  
आयकर अधीनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी योग्य यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसका संपत्ति नं. 70 है तथा ज. बालाव, बाच्च  
में स्थित है (जिन दोनों उपायदैव अनुसूची में और पृष्ठ रूप स  
बाणी, 1, रजिस्ट्री नं. जारी गयी के कार्यालय, बाच्च में  
रजिस्ट्रेशन अधीनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 25-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्ड्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए रथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को ऐसी भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षित :—

1. श्री वाली अब्दुल बागस, बोलाव 1, बाच्च।  
(अन्तरक)  
2. श्री दया भाई जानकी भाई पटेल, 52 कॉन्ज  
सोसाइटी, अलकापुरी, बेरोडा।  
(अन्तरिती)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहें भी आवश्यकः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
मूल्यांकन की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति भी हित-  
दद्धि। वही अन्य व्यक्ति द्वारा अकाहम्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### ममूसूची

जमीन जो एस. नं 70, बालाव बाच्च में स्थित है जो यथा-  
विधि तारीख 25-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग  
मकान प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 6-11-81  
मोहर .

प्रस्तुप माइ. टी. एन. एस. —————

1. श्रीं वाली जब्राम वागस, बोलाव, बूँच।

(अन्तरक)

इत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री भासकभाई दयाभाई पटेल 52, कूनण  
सोसाइटी, अलकापुरी, बेरोडा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित रामपति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

अहमदाबाद, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1210/एक्वी./23-11/81-82  
—अर्जन नं. 70, जी. सी. गर्मी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 70, है तथा जो बोलाव, बूँच  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बूँच में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 25-3-1981  
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
जीरु/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

•(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अन्तिम दा तन्यम्बन्धी व्यक्तियों पर यह सूचना  
की हमारे द्वारा 30 दिन के अंदर, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के  
पास लिखित में विए जा सकेंगे।

**स्थिरोकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन जो एस नं. 70, बोलाव बूँच में स्थित है। जो यथा-  
विधि तारीख 25-3-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्मी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

तारीख : 6-11-81

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धातः—

प्रलेप आइ. टी. एन. एस.-----

आयक्रम अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निवेदन नं. पी. आर. नं. 1211/एक्वी/23-11/81-82  
—अतः मुझे, जी. भी. र्म.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी नं. प्रां. नं. 49, हिस्सा नं. 4 है तथा जो गांद-  
नां-हाट, दांच में स्थित है (और इससे उपाधिक अनुसूचि में  
अंतर्राष्ट्रीय रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दांच ने रजिस्ट्रीटरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 27-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पढ़ह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिती  
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से रुकिधा  
ने दिए,

अतः मैं, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री इंसमेयिल उमानी मोहमद, गांव-उम्राज त-बांच।  
(अन्तरक)
2. मैसर्स असीयाना एन्टप्रेसर्सः,  
(1) श्री गुलाम मोहमद अबदुल रहेमान अयरोली-  
वाला। नूरा दासा मकान, बारनपुरी बागल,  
सुरत।  
(2) श्री इंसमेयिल इब्राहिम भुट्टवाला, दावोईबाड  
बांच।  
(3) श्रीमती मुनीराबीबी अबदुल मजीद, तुरावा  
महोला, सुरत।  
(4) श्रीमती जुलेखाबीबी गुलाम मोहमद, गुसवाड,  
बांच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नामेदवेल, बांच एस नं. 49, घर नं. 4 में  
स्थित है। जो यथाविधी तारीख 27-3-1981 में रजिस्ट्री की  
गयी है।

जी. सी. गर्म  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

तारीख : 6-11-81

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.—

1. थी मणदभाई रुद्रभाई सोलनकी, सादेशवर, तालुका त्रिंचि।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्री रावजी भाई मनुभाई पटेल, मळनामधुर, ता-ब्रांच (अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1212/एक्वी/23-11/81-82  
—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 26 है तथा जो बोलाव, ब्रांच  
में स्थित है (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्रांच में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 18-3-1981

के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में  
दिनांक फरवरी, 1981 को उतने प्रतिफल (आपरेंट कन्सीडरेशन)  
पर हस्तांतरित कर दी गई है।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाशा गया प्रांत-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सहाय्य के लिए जौड़/बा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गन्तव्य  
के लिए:

\*मिलकर जो एस. नं. 26, बोलाव नंबर में स्थित है। जो  
यथाविधि तारीख 18-3-1981 में रजिस्ट्रो की गयी है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, और उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णतः—

तारीख : 6-11-81  
माहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

धारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री मणीभाई दयाभाई नाईक, विजलपुर, नवसारी।  
(अन्तरक)

(2) (1) मनसखभाई मणीभाई पटेल, (2) नगीनभाई  
गुलाबभाई पटेल, लूनसीकड़ी, नवसारी।  
(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निदेश न. पि. आर. नं. 1213/एक्टी./23-11/81-82—अतः मँझे, जी. री. गर्ग,  
आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ (प्राप्ति न गर्ने) इन्हिनेन लग्ने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. ग अ. क है।

और जिसकी सं. एस. नं. 144/4/166 तथा 166/4,  
183/1, 190/2/1 क 190/2/3, 190/एक्ट-3, 197/  
2, क 197/3, 166/1 है, जो एचलपुर, नवसारी में  
स्थित है (अतः इससे उणनदृढ़ अनुसूची में और पर्याप्त रूप  
में वर्णित है। रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में  
रजिस्ट्रेशन दीवारनवम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 13-3-1981

कार्यालय सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मँझे विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से काथत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अर्धवर्नन्यम के अधीन कर इन्हें के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्थत् ---

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बल्धी व्यक्तिया पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।।।

## अनुसूची

मिलकत जो एस.नं. 144/4, 166 तथा 166/4, 183/  
4, 190/2/1 और 190/2/2 190/2/3, 190/4-3,  
197/1, 197/2 + 197/2 + 197/3 और 166/1,  
विजलपुर, नवसारी में स्थित है। जो यथाविधि तारीख 13-3-  
1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-11, अहमदाबाद

तारीख 7-11-1981  
माहर

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री महमद आदम मसा, अगरवत्तीवाला, बूच।  
(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बुधीयाभाई सोमाभाई, लक्ष्मी ओरगनाइजर,  
बुधादेव मार्केट के पास। सेवाश्रम, बूच।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निदेश नं. पि आर. नं: 1214/एकवी.-23-11/81-82—अतः मुर्खे, जी. सी. गर्ग,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. आर. एस. नं. 163 है, तथा जो डॉगरी,  
बूच में स्थित है (और इससे उपावड्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बूच में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख मार्च, 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँहै किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या विज्ञा जाना चाहिए था, उपाने में  
सुविधा के लिए.

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो आर. एस. नं. 163, डॉगरी में स्थित है,  
जो यथाविधि बूच रजिस्ट्रार के कार्यालय में मार्च, 1981 में  
रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग  
प्रक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

तारीख : 7-11-1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

6—356GI/81

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निदेश नं. पि. आर. नं. 1215/एक्वी. -23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नोंद नं. 875, बार्ड नं. 13, नवा मजुरा  
है, तथा जो एस. नं. 96, सून्न में स्थित है (और इससे उपाभवध  
अनुसूची में और ऐसे रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय, मरत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत उड़ीक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हाई किसी आए की बाबत, उक्त  
अन्तरिती के अर्द्ध-वर देने के अन्तरक के  
डायरेक्टर में कमो करने या उससे बचने में सुविधा  
दिया; और 'गा

(ख) ऐसी फ़सी आए गा किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रगोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सहायता नहीं दिया।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मौ. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री वसन्तलाल जयकिशनदास राणा, कलमखतयार,  
संगना को-ओ-सोसायटी, रानदरे, और हिस्सेदार  
मैसर्स इंश्वर एण्ड ब्रूडस का भागीदार, नगीनदास  
मूलचन्द, जयकिशनदास मूलचन्द, भगवानदास  
मूलचन्द, जमनादास मूलचन्द, अमबोजी रोड,  
सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री जयेशकुमार अमृतसिंह मकर, मत्रशे को-ओ-  
है-सोसायटी, चानदादे रोड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**लिखित अनुसूचित:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही बुर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जीमन जो मजुरा, नोंद नं. 475, बार्ड नं. 13, नवा  
मजुरा नं. 96 में स्थित है, जो यथाविधि मार्च, 1981 में  
रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

तारीख : 7-11-1981  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निम्न न पि आर न 1216/एवंवी -23-11/81-82--जत मर्फ़े, जी सी गग्नी,  
आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा  
269-घ के अन्त में सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु.अधि क

और जिसको सं एस न 63/पैदी जमिन है, तथा जो  
उम्मा, सूरत मार्स्थत है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सूरत म., रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, 3-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्फ़े यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सूचिता के लिए,

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री हीरालाल मूलचन्द करसन, 21, विजयवाडी,  
चौर बाजार, वास्तु-400002।

(अन्तरक)

(2) प्रयुक्त त्रिभवन अशोकभाई महला, शाहपर,  
सूरत, सचीव शैलशभाई जरविन्द भाई शाह,  
महालक्ष्मी अपार्टमेंट, नातपुरा, सूरत, आनन्द  
अपार्टमेंट को-ओ-है-सोसायटा, सूरत।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध 5- कोइ भी प्राथेष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में व्यापार तारीख स  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना जी तामील स 3-पादन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्याप्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र से ग्रकाशन की तारीख स  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्याप्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकते हैं।

**स्पष्टोकरण** :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

ग्रन्तुमुच्चो

मिलकत जो एस न 63/1 (ठी. जीनर उम्मा, सूरत,  
में स्थित है। यथाविधि तर्फ़ 3-3-81 में रात रजिस्ट्रार  
के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है।

जो सी गग्नी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

तारीख 7-11-1981  
मोहर

प्रैरूप आई० टी० एन० एस०---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निदेश नं. पि. आर. नं. 1217/एक्वी. 23-।।/8।-82—अतः मँझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 163 पैकी जमिन है, तथा जो बौच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, बौच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-3-1981 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) पौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (1) श्री मोहमद मुसा अबूस, कोसा पारा, बौच, (2) मोहमद आदम मुसा, डुंगरी, बौच।  
(अन्तरक)  
(2) लक्ष्मी ओरगनाथजर, बुधादेव मार्केट, सूरत।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रक्रम्भ में कोई भी ग्राहकेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख पे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से निम्न व्यक्ति द्वारा;  
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से ढुई किमो आय को बाबत, उक्त अधिनियम के प्रशीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्म करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीष्मीय

मिलकत जो आर. एस. नं. 163, यथाविधि तारीख 19-3-1981 में बौच रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गयी है।

(ख) ऐसी किसी आय या किनार धन या अन्य ग्रासितयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का ।।) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किस जाना बाहिए था, (छाने में सुविधा के लिए।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-।।, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 6-11-1981  
मोहर :

प्रूप आई०टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निदेश नं. पि. आर. नं. 1218/एक्वी./23-11/81-82—अतः मझे, जी. सी. ग.,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 ना 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), दी धारा 269-घ के  
अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिस उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से प्रधिक है

और जिनकी सं. आर. एस. नं. 163 पैकी जमिन है, तथा  
जो बूचे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बूचे  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 19-3-1981

को भूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाभूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी तिपो पाय या किसी बन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम या इन-  
हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) लक्ष्मी आरगनाथ्यर, बृद्धादेव मार्केट, बूचे।  
(अन्तरक)

(2) लक्ष्मी को-ओ-सोसायटी लिमिटेड, पांच बत्ती,  
बृद्धादेव मार्केट, बूचे।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जागे करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस ग्रन्ती के राजपत्र में इसान की तारीख से  
15 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
देवना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोंत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस ग्रन्ती के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
है, वहीं पर्याप्त होगा, जो उप ग्रन्ती में दिय  
गया है।

### अनुसूची

मिलकत जो आर. एस. नं. 163, यथाविधि तारीख  
19-3-1981 में बूचे रजिस्ट्रार के कार्यालय से रजिस्ट्री की  
गयी है।

जी. सी. ग.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

तारीख : 6-11-1981  
मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निवेश न पी आर 1219/एक्वी-23-11/81-82--  
अत मुझे, जो सो गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं एस न 110 पैकी जमिन है तथा जो आली  
ब्राच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्राच  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, 23-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथोपर्वत सप्तित का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरङ्ग (अन्तरको) और अतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिंगित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।-

(1) सीमा भाई धनजी भाई, गेषपत भाई, धनजी भाई,  
मनगुभाई, धनजीभाई, ब्राच।

(अन्तरक)

(2) सनजय आगेनैसर के भागीदारों, (1) भरसराय रती-  
लाल रतीलाल ब्रवाला, (2) नगीदास मणेकलाल  
चुनाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सप्तित के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, आर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भागतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा ब्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए,

अन्सूची

जमिन जा जाली एस न 110 (पैकी) 101-न ग्राच  
रजिस्ट्रार कार्ट। र-राजस्ट्रो ०।

जा सो गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर अद्यता (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1।, अहमदाबाद

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्:—

तारीख 6-11-1981  
मोहर .

प्रस्तुत आई.टी.एन.एम.—

(1) 1. श्री चन्द्र भाई मधु भाई पटेल।

2 भगवान भाई मधु भाई पटेल, साधेश्वर,  
बूचे।

(अन्तरक)

(2) सजय ओरगनेसर का भागीदारों (1) फरसराम  
रत्नलाल भामवाला, (2) नजीभाई मणेकलाल  
चुनावाला, (3) राजन वलदेंभाई शाह, बड़ोचे।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम 1961, 1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरका।

कार्यालय, सहायक उपकर आयकर नियमिति

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6-11-1981

निर्देश नं. पि. आर. 1220/पकवी-23-11/81-82—  
अतः मूर्ख, जी. सी. गर्ग,

आयत 31(प्री) नं., 1961। (३६ - १) उक्त अवधि  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सन्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थान संपत्ति जिसका उपयत बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. भ अर्ज के ३

और जिसकी मूल्य एस. नं. 69 (प्री) जिभित है तथा जो बालाव,  
बूचे में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पर्ण रूप  
से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दाच  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 13-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, एम्पे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक व दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में मद्देन्द्रिय के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था उक्त जात कर्त्त्व था, प्रकट से मृद्गम-  
के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त अवधि अवधि अवधि सम्बन्ध में नोट नी आक्षेप —

(क) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
नो हासील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
दि भौमा हासी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इम सूचना के गणप अवधि अवधि अवधि सम्बन्ध में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारेहमनाभागी के  
अवधि अवधि अवधि अवधि अवधि अवधि

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो बोलाव एस. नं. 69 (प्री), यथाविधि बूचे  
रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज-11, अहमदाबाद

तारीख : 6-11-1981

मोहर :

प्रस्तुत आहू.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की  
धारा २६९-घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-१।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, ५-११-१९८१

निर्देश नं. पि. आर. १२२१/एक्टी/२३-११/८१-८२—  
अतः मंडे, जी. पी. गग्नी,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
२६९-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
२५,०००/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. १०५/२ और २-बी है तथा  
जो सी. एस. नं. ३४१०/३४१२, दामको, ब्रौच में स्थित  
है (और इसमें उपाधिय उन्नती में और पृष्ठ रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय ब्रौच में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, दिनांक  
७-३-१९८१

के पूर्वोक्त संघित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गहरी है और मंडे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त अंगठी का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंगठक (आरद्दा), और अंतरिक्ष  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ  
के, जिन्हें भारतार्थ आयकर अधिनियम, १९०२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(१) श्री नानगेश पन्नालाल शाह, ब्रौच।

(अन्तरक)

(२) सकरी लैप के भागीदारों :—

१. भरसराय रत्नालाल वायवाला (एच. यु. एफ.)
२. नवीनीन भाई सी मोदी (एच. यु. एफ.)
३. उषा राजन शाह
४. सुतीबेन दीनेशचन्द्रा, ब्रौच।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहें भी आश्वेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बावर में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय २०-के परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रसूची

मिलकत जो आर. एस. नं. १०५/२-ए और १०५/२-  
बी, सी. एस. नं. ३४१० और ३४१२ यथाविधि ब्रौच  
रजिस्ट्रीर के कार्यालय में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गग्नी

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-१।, अहमदाबाद

बह: अब, उक्त अधिनियम, की धारा २६९-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (१)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया शर्त:—

तारोत्र : ६-११-१९८१  
माहूर :

प्रकृष्ट बाहौद. टी. प्ल. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनाक 6-11-1981

निदैश नं. पि. आर. 1222/एकवी/23-11/81-82--  
अतः मूर्ख, जी. सी. गर्म,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसी सं. एस.नं. 280-2-1 और 2-2, प्लाट नं. 1-6  
है तथा जो वापी में स्थित है (और इससे उपाबृध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, मार्च, 1981

के पूर्वावृत्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वावृत्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कार्य करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
जीर/जा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः :—

7-356GI/81

1. (1) चम्पाबेन ग्लामहसेयीन खोजा,

वापी - ना - पारडी।

(2) शाहवधीन ग्लामहसेयीन खोजा।

(3) मोहमदअली ग्लामहसेयीन खोजा, वापी, ना  
पारडी।

(अन्तरक)

2. (1) सहदेशबीबी कधीर हसेयीन।

(2) सकीर अबदलरेहमान।

(3) यसूफ मोहमद इरसरैयिल मोहमद, वापी, ना  
पारडी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावृत्त संपत्ति के उचित लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावृत्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
निखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो वापी एम. नं. 280-2-1 और 2-2, प्लाट नं.  
1-6 यथाविधि मार्च, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्म.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 6-11-1981

मोहर :

प्रलेप आई० टी० ५८० एन०-----

आयोजक विभाग, 1961 (1961 का 43) द्वारा की  
उन्नीस (18) के अधीन संचाल

भारत विद्यालय

कार्यालय, सहायक आयोजक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. 1223/एक्वी/23-11/81-82--  
अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,  
आयोजक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की द्वारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-  
रु० में अधिक \*

और जिसकी सं. आर. एस नं. 163 पैकी जमिन है तथा  
जो डॉगरी, बांच में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के  
कार्यालय, बांच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, मार्च, 1981.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अनारित की गई है और भूमि यह विष्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, से विभालिखित रोड पर उक्त अन्तरण लिखित तो  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या या किसी घन या अन्य प्रस्तियों  
से, जिनमें भारतीय आयोजक अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या लिखाने में  
विभाग - दिन,

अ. अब उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ग के अनुमरण में,  
में, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ब की उपाधारा (1) के  
अधीन लिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भहमद आदम मुसा, गाना तालाब, बांच।  
(अन्तरक)

(2) श्री बुधीया भाई सोमा भाई, लेकक्षमी ओगनेसर,  
बुधादेव माकीट, बांच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
अजन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
मूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास 'लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
विद्या गया है।

अनुसूची

जमिन जी आर. एस. नं. 163 यथाविधि मार्च, 1981  
में बांच रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयोजक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोड-11, अहमदाबाद

तारीख : 6-11-1981  
माहेः :

प्रस्तुत प्राइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधीनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निवेश नं. पी. आर. नं. 1210/एक्सी. /23-11/81-82  
82—अतः मझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधीनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधीनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन उक्त अधीनियम के अन्तर्गत सहायता करने का  
कारण है कि लग्जरी लाइन, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी संख. नं. 405-406 है तथा जो वर्सेरा,  
विलीमेंग में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), राजराजीनांगी अधिकारी के कार्यालय,  
गान्देवी में राजस्ट्रीकरण अधीनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, 27-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्रात की गई है और मुझे यह विद्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्राती  
(अन्तर्रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नांकित उद्देश्य गत अन्तरण लाभ में वास्तविक  
रूप से का बत नहीं। मैं यहां हूँ।

(1) कुलमूकतयार :—रामश अमपाराम आलीपोरिया,  
अमपाराम रामजी आलीपोरियी, सोमनाथ रोड,  
बिल्लीमोरा।

(अन्तरक)

(2) प्रमुह माहनलाल मणीलाल मिस्त्री, मनमूरी बाण  
भाई माहनलाल नाथीक, महादेव नगर, बिल्ली-  
मोरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मूल्यमें काइ भी आक्षयः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधीनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधीनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों  
वाले, जिन्हें भारतीय आय-कर अधीनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधीनियम, या  
धन-कर अधीनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तर्राती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, हिपाने में सुविधा  
के लिए;

जी. सी. गर्ग,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (प्रियोगण)  
अर्जन रॉज़-11, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधीनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधीनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 6-11-1981  
मोहर :

प्रकृष्ट आई० ई० एन० एस०--

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1443 अर्जन रोज 23-1/81-  
82—अतः मूर्ख, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पालात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थान संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 6, एफ. पी. 31, टी. पी.  
एस. 7 है तथा जो पैकी ठीकीपुर, अहमदाबाद में स्थित है  
(और इससे उपादव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च,  
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फ़न्दह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाला गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
दबक अन्तरण निम्नित में वर्णित रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण ने हुए किसी प्राप्त की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन नहीं देने के अन्तरक के दायित्व में कमो नहीं या उनसे बचने में सुविधा के लिए;  
ग्रीर/ग्रा

(ब) पेंटो किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
प्रन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित अधिनियमों अर्थात् :—

(1) श्री रामप्रसाद टेक्सटाइल्स इन्डस्ट्रीज प्रा., लिमिटेड  
12, डी. एस. जैवल मार्ग, दादर, बोम्बे-  
12।

(अन्तरक)

(2) महेश नीटोंग्स प्रा. लिमिटेड, 12, डी. एस.  
सी. जैवल मार्ग, दादर, बोम्बे-12।

(अन्तरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिनियमों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रत्यधि  
बाद में समाप्त होती हो, के बीनर पूर्वोक्त अधिनियमों  
में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
दिवान किसी अन्य अधिकारी, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्टोक्सण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 4688.5 वर्ग याड़ है।  
सर्वे नं. 6 पैकी टी.पी.एस. 7, एफ. पी. 31 पैकी जो  
मीडीपुर अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन  
अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं. 13750/51 मार्च  
1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-11-1981  
मोहर :

प्रलेप घाई० टी० एन० एस०--- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यापा

269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निवेदन नं. पी. आर. नं. 1442 अर्जन रोज़ 23-1/81-  
82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की व्यापा  
269-व(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एफ. नं. 146/2 और 148 एफ.  
पी. 23, हिस्सा है तथा जो 26 टी. पी. एस 19 शेखपुर -  
खानपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्तसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16), के अधीन, दिनांक 7-3-1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्स्त की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों)  
और अन्तरिक्षीय (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए  
तथा पाया जाया जाये प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण  
निम्निति में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन भर देने के प्रमाणक के  
शायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाव अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की व्यापा 269-व(1) के  
अनुष्ठान में, मैं, उक्त अधिनियम की व्यापा 269-व(1) की उपलब्धा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधित्यों, प्रधाति।—

(1) श्री बद्रीप्रसाद छग्नलाल पोडार, 9, राज भवन  
अपार्टमेंट, सरवार पट्टेल कालोनी, डा. अमीर की  
हास्पिटल के नजदीक, अहमदाबाद-380013।  
(अन्तरिक्षीय)

(2) श्रीमती कनकमल बी. शास्त्री की ओर से  
कन्स्ट्रैट्युटेड अटरनी कॉमारी शास्त्री एल. डी.,  
16-ए, सर्वोदय कालोनी, नारणपुरा, अहमदाबाद।  
(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तममध्यमी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जी भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के पीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास  
निम्निति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अन्तसूची

मकान, प्लाट नं. 16 ए, सर्वोदय कालोनी को. ओ.  
सोसायटी लिमिटेड, आर. एस. नं. 146/2 और 148 एफ  
नं. 23 हिस्सा और 26 हिस्सा टी. एस. 19 तथा जो  
शेखपुर - खानपुर अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण  
वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 2113/7-3-81  
में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-11-1981  
मोहर :

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सच्चा

भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

## અજો રાજી !, અહમદાબાદ

अहमदाबाद, दिनांक ७ नवम्बर १९८१

निर्देश न पी. आर. नं. 1441 अर्जन रज 23-1/81-  
82—अत. श्रम, जी. सी. गर्फ,  
प्रायकर.अधिनियम, 1961 (1901 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उथन जीवनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सकाम प्राप्तिकारों द्वारा, यह विद्युतास करने का  
कारण दृष्टि देखा जाता है। अतः भूल  
25,000/- रु. से अधिक है।  
और जिसको रु. एफ. पी. न 97/ए पैकी दी. पी. एम 4  
सब है तो यह 50टर नं 9, राजपर - हीरपर अहमदाबाद  
में स्थित है (और इसमें उपायद्वय बन्दूखी म- और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी लॉर्डिकारों के कार्यालय,  
अहमदाबाद मा रजिस्ट्रेक्टर अर्वाजिया, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, 7-3-1921

16) के अधिकार, १-३-१९४८ को प्रार्थना समर्पित की गई थी। इसका वाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरण न होने की वजह से यह प्रिश्वास करना चाहिए। १६) दृश्यभान प्रतिफल का वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ग्रासे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की थी नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हृदय किसी धार्य को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपर्युक्त बचते में सहित के लिए, और/या

(स) पंची किसी जात दा किसी जान या अन्य जानने का गिरहे भारतीय जात-कर वर्गीकरणम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर वर्गीकरणम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त इवारा - प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 209-व की उपायाग (1) के अद्वैत होने व शक्तियों व धर्थों ०-

- (1) मधुकान्ता रतनलाल डाकोर, “स्मृति”, पुनीत  
आश्रम के नजदीक, मनीनगर, अहमदाबाद।  
(अन्तरक)

(2) रतनदीप अपार्टमेंट एसोसीएशन की ओर से प्रमोटर  
श्री अंपालाल शीषपाल जरीवाला, “श्रीकृष्ण”  
वकीलवाढ़ी, मनीनगर, अहमदाबाद-४।  
(अन्तरिती)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोंकुत् समर्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहीहेया करसा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधोपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमानसी

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 809 वर्ग याड़ है। टी. पी. एस. 4, एफ. पी. नं. 97-ए पैकी मड़ा ल्लाट नं. 9, तथा जो राजपर - हीरपर अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकेशन विक्रीखत नं. 2290/7-3-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रँज-।, अभ्युदायोद

तारीख : 7-11-1981

मोहर :

प्रलेप आर्टी.टी.एन.एस.-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) से  
धारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
कायात्तिय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

मिर्देश नं. पी आर नं 1440 अर्जन रोज़ 23-1/81-  
82—अत मर्फ़े, जी सी गर्म,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 नं 43) (जिसे  
इसमें काफ़ धन्नान 'उत्तर प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-व(1) परीक्षण प्राप्ति द्वारा लो, 15 विक्रान्त नं. 1, न  
कारण इन स्थानों समर्ति, जिसमें उत्तिवाचार मूल्य 25,000  
रुपए से प्रतिलिपि है

और जिम्मनी में सर्व नं 394 ऐकी है तथा जो म-थलतज़,  
जिन्हा अहमदाबाद में स्थित हैं (अंतर्में इनमें इसाबद्द अनुसूची  
में और पूर्व में वर्णित हैं), रोज़-टोकों जधिकारी के  
कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रेक्शन अधिनियम, 1908  
(1908 नं 16) के अधीन, 3-3-1981  
को एकत्र सम्पत्ति के उत्तिवाचार मूल्य से जम के दस्यमात्र  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत जो गई है और गर्फ़े यह विश्वास  
करने का आरम्भ किया गया है तो उत्तर द्वारा।  
मूल्य उत्तर इसाबद्द अनुसूची में 15 विक्रान्त प्राप्ति का  
पन्द्रह प्रात्तिवाचन में प्रधिक है और अन्तरक (अन्तर्में) जो  
प्रतिवाचन (प्राप्तिवाचन) के बावजूद इन्हें को लिया गया पाय  
गया प्राप्ति विवरित उत्तर से उत्तर द्वारा विविध  
वाचनियम है तो उत्तर।

(क) अन्तरक नं 269-व(1) की आय की वाचन, इवां प्रधि-  
नियम के अनुसार है और उत्तरक के वाचित्व  
में सो करने द्वारा इसमें बहुत मुश्यमान लिया  
—र/प्रा;

(ख) ऐसो किसी आय द्वारा किसी घन या अन्य आस्तिया  
को जिसके गारतीय आयकर प्रधिनियम 1922  
(1922 नं 11) या उत्तर प्रधिनियम, या  
प्रायकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
प्रगतवाचार अनुसूची द्वारा प्रकार नई विवा-  
णा था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के अन्तिम दिनों के बाद;

बत्त: प्रव, उत्तर प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उत्तर प्रधिनियम की धारा 269-व(1) उपधारा (1) के  
के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

- 1 (1) श्रीमती जानाबद चंद्रभाऊ ए.ट., एट-  
टी-१, जिला अहमदाबाद।  
(2) श्री जंद्रेजी चंद्रभाऊ एट ए, एट थलतज़,  
जिला अहमदाबाद।  
(3) श्री चंद्रभाऊ गाँवदभाऊ एट ए, गाज थलतज़,  
जिला अहमदाबाद।

(अन्तरक)

- 2 श्री मुकुद अमृतगाल मायानी, दरजीका खाचा,  
गाथी गांव, थाडा गोलने सामर्ज, अहमदाबाद।  
(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करते रुपें मर्फ़ी र अर्जन के  
लिए वार्षिकाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष —

(क) इस गुच्छा के गारां (उत्तर) एवं रोज़-  
45 दिन की अपील या स्वार्वदी धाराओं (र  
सूचना की जामीन में 30 दिन की अनधि, जो अधि-  
वाचिय बाद में समाप्त नहीं हो, के द्वारा अपीक  
व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताक्षरी के द्वा-  
रा लिखित न किए जा रहे हैं।

साड़ी दरगा:—इतर्वे प्रयकर रोज़-पीए पांच रुपया, जो उत्तर प्रधि-  
नियम के नियम 20-के परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उत्तर प्रधाय दे दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन जिरका क्ल क्षेत्रफल 10712 कर्ग याड़ है। सर्व  
नं 294 तथा जो गाव थलतज़ जिन्हा अहमदाबाद में स्थित  
है तथा जिनका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रेटरी विक्री-  
खत नं 2117, 2116, 2115 से दिया गया है।

जी सी गर्म  
प्रधाय प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

तारीख 7-11-1981

मोहर

प्रकृष्ट आइंटीएम् एस् एस्

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निवेश नं. पी. आर. नं. 1439 अर्जन रेज 23-1/81-82—अत. मभे, जी. सी. गर्ग,

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेदात् करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है**

और जिसकी सं. एफ. पी. नं. 671, 672 पैकी टी. पी. एस. 3 है तथा जो छड़ावड, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाधान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्र-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-3-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विवेदात् करने का कारण है कि यथापर्याप्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घात प्रतिफल से, ऐसे दूर्घात प्रतिफल का अन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, नि, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाया (1) के अधीन निम्नलिखित अंतरणों अधिक:—

(1) मै. माधवी अंतरप्राइज की ओर से भागीदार श्री हर्षवदन हाऊसीग, 5, जय शेफाली से हाऊस सेंट्रलाइज रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) बाननाद को. ओ. हा. सो. लिमिटेड की ओर से प्रोमोटर, श्री वासुदेव शंकरभाई पटेल और अन्य 8, जय खोड़ीयार सोसायटी, नवा बांज, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों के द्वारा

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियों द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रैहस्ताकरी के पालने लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सम्बन्धित अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापारिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कूल क्षेत्रफल 2176.05 वर्ग मीटर है जिसका टी. पी. एस. नं. 3 एफ. पी. नं. 671, 672 पैकी जो छड़ावड, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीसत नं. 2161/5-3-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-11-1981

सोहर :

प्रलम्प भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

हिवर्देश नं. पी. आर. नं 1438 अर्जन रेंज 23-1/81-82—अतः मँके, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी स. सबै नं. 546 और 547 पैकी सब प्लाट नं. 10 पैकी हैं तथा जो टी. पी. अस. 28, अफ. पी. 680 पैकी सब प्लाट नं. 6ए, 6बी, 7 और 8 बाड़ज अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपायदृष्ट अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-3-1981

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तोरकी (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलित में वास्तविक रूप से कठित महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्युपर्याप्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—356GI/81

1. (1) विद्यापेज चीनभाई शेठ, कल्याण सोसायटी अलीसबाज, अहमदाबाद।
- (2) ललीताबेन कल्याणभाई लालभाई, कल्याण सोसायटी, अलीसबाज, अहमदाबाद।
- (3) प्रीयकान्त कल्याणभाई शेठ, कल्याण सोसायटी अलीसबाज, अहमदाबाद।
- (4) गीरीश चीनभाई शेठ, कल्याण सोसायटी अलीसबाज, अहमदाबाद।
- (5) रमेशभाई चीनभाई शेठ, कल्याण सोसायटी अलीसबाज, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. शीयम फो. ओ. हा. सोसायटी लिमिटेड की ओर से खरेमन—श्री नारनभाई जोहताराम दरीयापुर पटेल सोसायटी, उस्मानपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी वाक्येप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क.ल. भेत्रफल 243 27 वर्ग मीटर, 243 28, 243 27, 243 28 और 243 28 वर्ग मीटर है जिसका सबै नं. 546 और 547 पैकी सब प्लाट नं. 10 पैकी टी. पी. अस. 28, अफ. पी. नं. 680 पैकी सब प्लाट नं. 6ए, 6बी, 7 और 8 तथा जो बाड़ज अहमदाबाद में स्थित हैं तथा जिसका पूर्ण वरण अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीर्त नं. 2737-38, 2745-46 2741, 2739-40 और 2754/17-3-81 में दिया गया है।

तारीख : 7-11-1981

मोहर :

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 7 नवम्बर 1981

रेफ नं. पी. आर. नं. 1437 अर्जन रोज़ 23-1/81-82--  
अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टी. पी. एस. नं. 3 एफ. पी 749/1-1-  
2-3 और एफ. पी. है। तथा जो 750 ए. बी. सी. सब<sup>प्लाट</sup> नं. 6 छड़ावड अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावदाध  
अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हूँ तिक्सी बाद की बाबत, उक्त  
अधिनियम के बीच कट घंटे के अन्तरक के बायित्य  
में कभी कहुने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) एसी तिक्सी बाद या तिक्सी भूमि अस्तित्यों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिक:

- (1) 1. श्रीमती जयश्रीबेन वाडीलाल आर अन्य।  
2. संभाष फेमली ट्रस्ट, ट्रस्टी-सुभाषभाट वाडीलाल  
सेंट सवीर्यस कालेज गोड, नवरंगपुरा, अहम-  
दाबाद।
- 3. विमलाबेन वाडीलाल मंहेता "विपिन विला"  
एलीसब्रीज, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

- (2) नंदवदन एपार्टमेंट को. क. हा. सौसायटी लि.  
प्रोपराइटर—श्री रत्नलाल काकुर्जद आबलीवाली  
पोल, शाहपुर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाब भूमि समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के व्याय 20-ए में परिभाषित है,  
वही वर्त्त होगा जो उस व्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो छड़ावड, अहमदाबाद में स्थित है, जिसका टी.  
पी. एस. 3, एफ. पी. नं. 749/1-1-2-3 और एफ. पी.  
750, ए. बी. सी. पैकी जिसका कॉल अधिकारी 3115 वर्ग  
घार्ड है तथा जिसका पूर्ण धर्ण अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्री-  
खाता नं. 2093, 2088 और 2073/6-3-81 में दिया  
गया है।

दिनांक : 7-11-81  
ग्रील :

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़ 1, अहमदाबाद

प्रकृष्ट प्राइवेट एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

रफ नं. पी. आर. नं. 1436 अर्जन रंज 23-1/81-82—  
अतः मुझे, जी सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य सर्वे नं. 57-1 पैकी है। स्थावर बाड़ी सीमा  
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का  
16) के अधीन 24-3-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे है यद्यपि उसका  
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण दो लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक (लिखित में बास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है) :-

(क) अन्तरण से है किसी आदि की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आदि या किसी धन वा अन्य आविष्यों  
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27).  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १--

(1) इंगलैण्डमी

पटेल गिरधर दास ईश्वरदास की पुत्री 591, मोटा-  
वास, नशा बाड़ी, अहमदाबाद-13

(अन्तरक)

(2) श्री लाल भाई एपार्टमेंट्स फॉ. ओ. रा. सोसायटी  
लिमिटेड

चेयरमेन—श्री प्रमोदभाई कुबेरदास पटेल टंसोला  
चाल, दरियापुर अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
संपत्ति की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदूष  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्ति  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 807 वर्ग यार्ड है जिसका सर्वों  
नं. 517-1, एकर 0-32 गृहठा पैकी जो बाड़ी अहमदाबाद में  
स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्री-  
खाता नं. 2731/24-3-81 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 7-11-81  
माहेन :

प्रूप दाईं टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 अक्टूबर 1981

निवेश नं. 21 /आर. जे./81-82—अतः मुझे, विवेक  
बनजी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्रम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
2500/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 1-ए है तथा जो उक्सेन रोड़ में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-  
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दहरादून में, रीजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-5-  
1981-

को पूर्णीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फ़िल्टर  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) भी अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या घाय आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या ब्रिट-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण  
में, ऐसे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जति :—

1. श्री प्रवीन चन्द्र जैन पुश्त्र श्री प्रेम चन्द्र जैन निवासी  
2-ए मार्हिनी रोड़ दहरादून  
(अन्तरक)
2. श्रीमती शकुन्तला देवी, दिनेश कुमार गुप्ता पुन  
श्री दयानाथ गुप्ता निवासी 18 सुभाष रोड़ दहरादून  
(अन्तरिती)
3. श्री दया नाथ गुप्ता  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी आक्षण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अन्तरण सम्पत्ति त्रिव्यवहार 1-ए का अर्धभाग माहनी रोड़ दहरादून  
पर स्थित है तथा जो ऑरेंजन्ट सिनेमा अस्टले हाल के नाम से  
प्रसिद्ध है।

विवेक बनजी  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, कानपुर

तारीख : 24-10-81  
मोहर .

प्रलेप आई० ई० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 अक्टूबर 1981

निवेश नं. 7/रफ./81-82—अतः मुझे, विशेष  
वर्तमान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 21/38 है तथा जो फिरोजगंज में स्थित है  
(अर्थात् इसमें उपावृक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-6-81  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चांश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्ठे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती बकारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रकाश चन्द्र बन्तक पुत्र स्व. लक्ष्मी नारायण  
अग्रवाल निवासी : नम्बर मंडी (आगरा)

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार पुत्र श्री हरवश लाल नि. 7/23  
पुरानी मंडी छोपीटाला, आगरा व श्री गिरीश चंद्र  
पुत्र बोहरे इन्ह नाम निवासी :—मानपाड़ा (आगरा)  
(अन्तरिती)

(3) श्री अशोक कुमार, गिरीश चंद्र।  
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध व्यक्ति अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के  
पास सिसित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनुसूची

अचल संपत्ति नम्बर 21/38 फिरोजगंज आगरा में स्थित  
है।

विशेष बन्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख . 24-10-81  
मोहर :

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, कानपुर

कानपुर, 24 अक्टूबर 1981

निदेश न 24-निदेश/81-82—अतः मूर्ख, विवेक  
बनजी:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. 39/1 तथा जो भन्डारी बाग में स्थित है  
(और इससे उपावक्तव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय दहरादून में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8-6-81  
को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य संकेत के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास  
करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और उन्तरक (अतरङ्गी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(a) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की वाचत; उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर. एन. माथुर पुत्र स्व. जी. एन. माथुर  
27 रेस्ट कैम्प, दहरादून।  
(अन्तरक)
2. श्री दिलवार सिंह, मन्जीत सिंह पुत्रगण। श्री ग्रीतम  
सिंह नि: 59/3 त्यागी रोड, दहरादून।  
(अन्तरिती)
3. श्री दिलवार सिंह, मन्जीत सिंह।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षणेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
प्रिवित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनुसूची

अचल संपत्ति नम्बर 39/1 भण्डारी बाग दहरादून में स्थित  
है।

विवेक बनजी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, कानपुर

तारीख : 24-10-81  
माहर [ ]

प्रस्तुप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत संसद

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, मद्रास

मद्रास, दिसम्बर 4 नवम्बर 1981

निवेश सं. 16438—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 39, है, जो मौबूस रोड मद्रास-4 में स्थित  
है (और इससे उपाध्याय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सौत (डाक्मॉट  
सं. 580/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन मार्ग 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिक्षण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकल्प नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्री के. फूलचन्द सोकार।

(अन्तरक)

2. श्री पी. गोविंदन्नामी और एन. चोखलिंगम।

(अंतरिती)

मेरे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
मूल्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-39, मौबूस रोड, मद्रास-4 (डाक्मॉट  
सं. 580/81)

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़-।।, मद्रास

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्ता :--

तारीख : 4-11-1981

मोहर :

प्रृष्ठ आई० टी० एन० एस०-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
 269-ग (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रंज-1, मद्रास

स्प्रास-600006, दिनांक 5 नवम्बर 1981

निम्नों सं. 8/मार्च-81—यतः मुझे, आर. रविचन्द्रन,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 9, चितम्बरनगर इंस्ट स्ट्रीट है, जो टूटू-  
 कोरिन में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण  
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे.  
 एस. आर. टूटू-कोरिन (डाकमैट सं. 633/81) में भारतीय  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
 तारीख 4-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्ह ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
 रूप से कार्यत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हटौं किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में  
 कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
 अदि/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जारीतयों  
 के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ  
 धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

यतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण  
 में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. जि. आर. सुब्रद्धा।

(अन्तरंक)

2. डॉक्टर एस. दनराज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
 वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
 की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
 से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
 बद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**त्वरितीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित  
 है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या  
 गया है।

अनुसूची

(भूमि और निर्माण-9, चितम्बरनगर इंस्ट स्ट्रीट, टूटू-  
 कोरिन-डाकमैट सं. 633/81)।

आर. रविचन्द्रन  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रंज-1, मद्रास

तारीख : 5-11-81  
 मोहर :

प्रारूप वाइ.टी.एन.एस.-----

1. श्री लक्ष्मण।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री चंद्रा अम्माल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1981

निवेश सं. 11355—यतः मर्भे, राधा बालकृष्णन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. 27/718, 719 है, जो बिंग बाजार स्ट्रीट,  
कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,  
कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं. 1521/81) में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्ग 81  
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, \* निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण  
लिखित में व्यस्तविक रूप से कथित 'नहीं' किया गया है :—

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है (।)

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि और निर्माण - 22/718, 719, बिंग बाजार स्ट्रीट,  
कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं. 1521/81)

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आवित्यों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-11, मद्रास

असः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
9—356GI/81

तारीख : 5-11-81  
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.—\*\*\*\*\*

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1981

निवेश नं. 9331—यतः, मूर्ख, राधा बालकूञ्ज,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
69-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टी. एस. 2292 है, जो मालमबूचावठी  
तनजावूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तनजा-  
बूर (डाकमॉट सं. 795/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तराक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वार्तात्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्री शनमुहम और अदरम।

(अन्तरक)

2. श्री सुब्रह्मनियम् अय्यर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवैध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदब्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण - टी. एस. सं. 2292, मालमबूचावठी  
तनजावूर (डाकमॉट सं. 795/81)।

राधा बालकूञ्ज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-।।, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, जन्सरण  
में, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिसि:—

तारीख : 5-11-81

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. एम्. एव. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज., मद्रास

मद्रास, विंशंक 5 नवम्बर, 1981

निवेश सं. 11370—यतः मुझे, राधा बालकृष्णं,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं. सर्वं सं. 207, 206/1, 249/4बी है, जो  
बलुकुमार में स्थित है (और इससे उपावदाध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
किनतुकठव (डाकूमेंट सं. 268/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन भार्च 81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पावा गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी  
करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्त्र आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम,  
या द्वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथं अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, वथ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुब्लकरामी

(अन्तरक)

2. श्री फ्रानसिस, रजिना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घावेपा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में  
से किसी अवित्त नहीं।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वाद  
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अशोहस्त्राधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**लक्षणीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्तर्याम 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्तर्याम में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि-एस. सं. 207, 206/1, 249/4बी, किनतुकठव  
(डाकूमेंट सं. 268/81)।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-11, मद्रास

तारीख : 5-11-81

मोहर :

प्रस्तुति भाई, टी. एन., एस. —————

प्राप्तकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिवांक 5 नवम्बर 1981

निवेश सं. 11361—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष  
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. वीरकंरलम और वेठपट्टी है, जो कोयमबट्टूर  
में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
दर्धित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी को कार्यालय, कोयमबट्टूर  
(डाकूमेट सं. 1324/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1981  
के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
नहीं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) रुपों एवं अन्तरण के लिए तथा पाया  
जाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देते के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए:  
ओर/या

(ख) एसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगमाने अन्तरिती भारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना आहिए था, किमाने  
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ष के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ठोरेस्वामी और अंत्रकान्ती।

(अन्तरक)

2. श्री वामोदरस्वामी और अवर्ग।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरात्मी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताकारी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**द्वितीयरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-वीरकेरलम - एस. एफ. सं. 163, 162, 164  
वेठपट्टी - एस. एफ. सं. 312, 313, 314 (डाकूमेट सं.  
1324/81)।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-11, मद्रास

तारीख : 5-11-81  
माहर :

प्रस्तुति आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1981

निवैशं सं. 9329—यतः, मृझे, राधा बालकूण्ड,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.  
से अधिक है

और जिसकी सं. 30, है, जो रु. सक्रम, पांडिचेरी (डाकूमेंट  
सं. 576/81) में स्थित है (आर्य इसमें उपादान अनुसूची में  
पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
पाठ (डाकूमेंट सं. 576/81) में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 81

(अपारेंट कस्टीडरेशन) पर हस्तांतरित कर दी गई है जो  
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे। यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति वा उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एवं दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितबों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन (निम्नलिखित व्यक्तियों) अर्थात्:—

1. श्री मानसिंहूर कोरिया पाल मेरी जोसफ।

(अन्तरक)

2. श्री एस. डी. शर्मा।

(अंतरिती)

करे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्प्रकाशनी वार्ताक्रतियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के  
पाल लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण - 30, रु. सक्रम पांडिचेरी (डाकूमेंट सं.  
576/81)

राधा बालकूण्ड  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 5-11-81  
मोहर :

प्रूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री वी. चंद्रसेकरन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निवेश सं. 16372—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसमें उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. आर. एस. सं. 1487, 1486/2,  
1486/1, है, जो इन्चमरे, कोटिघरी में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास नार्थ (डाकमैट सं. 1033/  
81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन मार्च 1981  
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कर्मी करने था उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तया-  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अ. तूची

भूम आर. नमाण आर. एस. 1487, 1486/2,  
1486/1, इन्चमरे काटिघरी (डाकमैट सं. 1033/81)।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-11, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 9-11-1981  
मोहर :

प्रृष्ठ आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निवेश सं. 11360—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं. सं. सं. है, जो सं. 493, टोलुनगुपालयम में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर  
(डाकूमेंट सं. 1121/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है!—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ए  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्री के. धोविंठस्वामी।

(अन्तरक)

2. श्री एम. प्रकाश

(अन्तरिती)

को पृष्ठ सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घृञ्जन के  
लिए आर्गन्चाहियां करता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के घृञ्जन इ सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तदसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त नहीं हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ रखा गया उन अध्याय में दिया

अनुसूची

भूमि - सं. 493, टोलुनगुपालयम (डाकूमेंट सं. 1121/  
81)।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-11, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 9-11-1981  
गोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एल. एस.-----

1. श्री. शोविठेस्वामी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री एम. प्रवीन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 नवम्बर 1981

निदेश सं. 11360—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन संख्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 493 है, जो टेलुगुपालयम में स्थित है  
(और इसमें उपालब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकूमेंट  
सं. 1122/81) से राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन मार्च 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है इसकी किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

अनुसूची

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भरतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में स्विधा  
के लिए;

भूमि - सर्वे सं. 493, टेलुगुपालयम (डाकूमेंट सं.  
1122/81).

असः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

राधा बालकृष्ण  
संख्य प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-।।, मद्रास

तारीख : 9-11-1981  
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 नवम्बर 1981

जी. आई. आग. सं. आई-14/अर्जन—अतः मैरे, अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या नं. 469 है तथा जो शेषप्र चान्दगंज (निरालानगर) लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपादान अन्तर्भूत में और पृष्ठ से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैरे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदूषित अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ओर की वापसी, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ओर की धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आधिकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10-356GI/81

1. श्रीमती शान्ती कोहली।

(अन्तरक)

2. डा. इरफान अहमद करेशी।

(अन्तरिती)

3. श्रीमती शान्ती कोहली।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

### अनुसूची

फ्रा हान्ड प्लाट - भूमि संख्या नं. 469 पैमाली 1500 वर्ग मीटर (16000 वर्ग फिट) स्थित माहूला शेषप्र चांद गंज (निरालानगर) थाना महानगर शहर लखनऊ तथा वह सम्पर्ण मंपत्ति जो संलग्नी और फार्म 37-जो संख्या 1490/81 में वर्णित है जिनका पंजीकरण मब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 4-3-1981 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन ऑफिस, लखनऊ

तारीख : 10-11-1981  
माहेर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 10 नवम्बर 1981

जी. आई. आर. मं. एन-34/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह विसेन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नीचा बाजार मूल्य 25,000/- रु. में ओंधक है

और जिसकी में भवन ११ दुर्गाभवन है तथा जो मालवाड़ (एम. जी. रोड) लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल में एंगे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्णित में वास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हूँई किसी आय की बांबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री केशव चन्द्र कपूर।

(अन्तरक)

2. श्री नन्द कुमार भसीन।

(अन्तरिती)

3. श्री केशव चन्द्र कपूर

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपर्क है)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भवन नं. ९१ इस्कम्बन्ज बिल्डिंग "(दर्शा भवन)" का भाग यह जमीन के कुल क्षेत्रफल 2916 वर्गफॉट मिथि भालरोड (एम. जी. रोड) लखनऊ तथा वह मामूर्ण संपत्ति जो सेनडोड एंक फार्म ३७ जो मास्त्या 2063/81 में वर्णित है जिनका पंजी-करण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 23-3-81 को किया जा चुका है।

अमर सिंह विसेन  
स्थान प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 10-11-1981  
माहर।

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री अजहर हूसेन कर्मचारी।

(अन्तरक)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री नरेश गोयल  
श्रीमती रीता गोयल  
श्री कलभूषण गोयल  
श्रीमती कंचन गोयल।

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 नवम्बर 1981

जी. आई. आर. सं. एन-35/अर्जन—अतः मृभे, अमर  
सिंह बिस्मेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चत बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. बी-716 है तथा जो महानगर लखनऊ में  
स्थित है (और इसमें उपादान अनुमूली में और एण्टी रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्री-  
करण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
4-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित द्रुतवेश से उक्त अन्तरण निर्धारित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल). एम्बी किसी आय या किसी धन या अन्य अर्थस्थियों  
के, जिन्हे 'भारतीय' आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भ्र-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बजन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बजन के सम्बन्ध में क्रोड भी जाक्षणः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि द्वारा में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

लोज हांडड भूमि का ज्ञाट मंस्त्रा बी-716 क्षेत्रफल 14,400  
वर्गफुट स्थित महानगर हाउसिंग स्कीम महानगर लखनऊ तथा  
वह सम्पूर्ण संपत्ति जो मंलडीड और फार्म 37-जी मंस्त्रा 1483/  
81 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के  
कार्यालय में दिनांक 4-3-1981 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिस्मेन  
सकाम प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन थेट्र, लखनऊ

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूचण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 10-11-1981  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 नवम्बर 1981

जी. आई. आर म. के-104/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसनेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. 5-सी तथा जा रामकृष्ण मार्ग (फैजाबाद रोड की ओर) लखनऊ में स्थित है (अंग इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टर अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-3-1981

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तद्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घेश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, भै, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. ल. क. (रिटायर्ड) शशी भूषण मिश्रा  
(अन्तरक)
2. श्री किशन चन्द्र ठाकुरदास भम्भवानी।  
(अन्तरिती)
3. अन्तरक उपरांक्त  
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपर्क है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला भूमि का लाट नम्बर-5 सी स्थित राम कृष्ण मार्ग (फैजाबाद राड की ओर) शहर लखनऊ पश्चात्यां 4389 वर्ग-फिट तथा वह मध्यूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37-जी संख्या 2185/81 में वर्णित है जिसका पजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 30-3-1981 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसनेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख : 10-11-1981  
माहर १

प्रदूष शाहै. टी. एन. एस.-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, लखनऊ  
लखनऊ, दिनांक 10 नवम्बर 1981

जी. आशू. आर. सर्वा एम.-128/अर्जन—अतः मुझे,  
अमर सिंह बिसन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म. बी-1 है तथा जो महानगर एकमट्टेशन म्कीम  
महानगर लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के  
कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक 31-3-1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चांश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

बतः अथ, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों का स्वीकृत :—

1. (1) श्रीमती शृंशीला देवी  
(2) श्रीमती रमामी मिंह  
(3) श्री शैलेन्द्र पाल सिंह  
(4) श्रीमती कृसंभ सिंह  
(5) श्रीमती मंजूला सिंह  
(6) श्रीमती लतामिंह

(अन्तरक)

2. श्री डा. मनोदेवत पाठक  
श्रीमती दुर्गा पाठक  
कुमारी रेनु पाठक  
कुमारी शाशि पाठक  
द्वारा मूलताराम श्री डा. एम. मो. श्रीवास्तव।  
(अन्तरिती)
3. उपरावत अन्तरक  
(कह व्यक्ति, जिसके अधिभाग मा मंपांत है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्तेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :-**—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

लीज होल्ड प्लाट सं वी-1 पंमाइशी 10560 वर्ग फिट स्थित  
जे. रोड महानगर एकमट्टेशन म्कीम महानगर लखनऊ तथा वह  
मंपां अंपां अंपां जे.सेलडीड एवं फार्म 37 जे. संख्या 2159/81  
में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय  
में दिनांक 31-3-1981 को किया जा चका है।

अमर सिंह बिसेम  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, लखनऊ

तारीख : 10-11-1981  
माहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की  
धारा 269-व (1) अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 नवम्बर 1981

जी. आर्ह. आर. संख्या एम-129/अर्जन—अतः मभे, अमर सिंह विसेन,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन संप्रप्त प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 19 है तथा जो महानगर एक्सटेंशन स्कीम महानगर लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्तर्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य व्यास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविष्ठा के लिए।

उत्तर: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात :—

1. श्री रामकुमार निगम

(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र प्रताप भाटिया।

(अन्तरिती)

3. श्री रामकुमार निगम।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए तार्यवाहियां रखता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जाएं सकेंग।

संघटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ प्रयोग होगा; जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि के प्लाट संख्या 19 पर बना हुआ मकान मय 2100 वर्गफीट भूमि के लथा वह संपूर्ण संपत्ति जो सेलडीड एवं फार्म 37 जो संख्या 1962/81 में वर्णित है जिनका पंजीकरण संघिस्टार लखनऊ के कार्यालय दिनांक 24-3-1981 को किया जा चुका है। उक्त संपत्ति जो कि महानगर एक्सटेंशन स्कीम महानगर लखनऊ में स्थित है।

अमर सिंह विसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 10-11-1981

मालिक :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 नवम्बर 1981

जी. आर्ह. आर. मंस्या आर-163/अर्जन—अतः मझे,  
अमर सिंह विसेन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी म. 18 है तथा जो टी.जी.सी.एम. शंकर-  
नगर (निरालानगर) लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक 6-3-1981  
को पूर्वावृत्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करन का कारण है कि यथापूर्वावृत्ति संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अन्तरित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की आवत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने पा उसमें बचने में मात्रिका  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तित्वों  
को जिन्हें भारतीय आण-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में  
मात्रिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जगत नारायण सक्सेना।

(अन्तरक)

2. श्री राजेश चौधरी

(अन्तरिती)

3. श्री जगत नारायण सक्सेना।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावृत्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहर्ह भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की वधिधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर<sup>1</sup>  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
वधिधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वावृत्ति  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताभरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याद 20-के में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होंगा, जो उग्र अध्याद में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट नं. 18 का 2/3 भाग पैमाइशी 3200 वर्ग  
फिट स्थित टी.जी.सी.सी. शंकर नगर (निरालानगर)  
लखनऊ तथा वह संपर्ण संपत्ति जो सेलडाइ और फार्म 37-षी  
संख्या 1513/81 में नार्पित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार  
लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 6-3-1981 को किया जा चुका  
है।

अमर सिंह विसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 10-11-1981

माहेर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

1. श्री बैजनाथ कोजरोवाल।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कमलादेवी।

(अन्तरिती).

3. श्री बैजनाथ कोजरोवाल।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 नवम्बर 1981

निदेश सं. जी. आई.आर. मं. के-105/अर्जन—अतः  
मूर्ख, अमर मिह विमेन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लाट नं. 59 है तथा जो भेलूपुर हाउसिंग  
अकामो. जन. डे. व. स्कीम, जोन नं. 2 प्रोजेक्ट नं. 3 ग्र-  
धाम कालोनी वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावदध  
अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-3-1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा बाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय को बायस उक्त अधि-  
नियम द्वारा अन्तरक तथा अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्यास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सविष्ठा के लिए;

बता: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयिता करता हूँ।

लखनऊ गार्हित वार्षिक अन्तर्काल में कोई भी आशेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
द्वादश में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
द्वादश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
लाग निम्नलिखित द्वारा सकारौ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति  
है, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

भूमण्ड संख्या 59 (कार्यालय नं. बी-27/96-59 पैमाइशी  
5261 वर्ग फीट मिथत भेलूपुर हाउसिंग अकामोडेशन एण्ड  
जनरल डेवलपमेंट स्कीम जोन नं. 2 व 1949-50 की  
सेल डीड और फार्म 37-जी संख्या 1963/81 में वर्णित है  
जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक  
18-3-1981 को हो चुका है।

अमर सिंह विसने  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रँज, लखनऊ

तारीख : 12-11-81

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 12 नवम्बर 1981

निहोश सं. जी. आई.आर. मन्त्रा एम-220/अर्जन—  
अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है में प्रष्ठिक है

और जिसकी संख्या मकान है तथा जो मोहल्ला चक बलाल स्टेशन-रोड, गोलधर गोरखपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गोरखपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरे मानने के लिए वृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तुरिती (प्रस्तुरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्तियों को, जिसे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—  
1—3 56GI/81

१. श्रीमती कमलादेवी।

(अन्तरक)

२. श्री मुरेन्द्र नाथ एडवोकेट।

(अन्तरिती)

(३) श्रीमती कमलादेवी व किरायेदार लोग।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद किसी भूत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लघुकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक किता मकान पोस्ता एक मंजिला जिसमें केवल पांच कोठरियां हैं। जो आपस में मिले हुए हैं मय भूमि व भवन के पेयमार्झशी 111.48 वर्गमीटर स्थित मोहल्ला चक जलाल स्टेशन रोड (गोलधर) गोरखपुर तथा वह संपूर्ण सम्पत्ति जो सेल डीड और फार्म 37-सी संख्या 1771 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार गोरखपुर के कार्यालय में दिनांक 11-3-81 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, लखनऊ

तारीख : 12-11-1981  
माहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-111, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 21 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. 958/ए. सी. क्यू. आर.-111/81-82--  
यतः मैंके, आई. वी. एस. जूनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. 81ए और 81वी. है तथा जो सिकदार  
बागान स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें  
अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-3-1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्घोषण से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से है इसे किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिये;  
और/या

1. डा. निरमल कुमार बहुमतारी।

(अन्तरक)

2. श्रीमंत कुमार मुख्यी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध या अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अनुसूची

81ए एण्ड 81वी, सिकदार बागान स्ट्रीट, कलकत्ता ।  
12को-5 सीएच-11 वर्ग कीट जमीन पर मकान। (1/5 शेयर)

आई. वी. एस. जूनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-111, कलकत्ता-16

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

तारीख : 21-10-1981  
माहूर :

प्रस्तुति ग्राही टी० एन० एस०----

प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269वा(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-111, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 21 अक्टूबर 1981

निर्देश मं. 959/ए.सी. क्यू. आर.-111/81-82--  
मफ, आई. वी. एस. जुनेजा,  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा  
के अधीन सभी प्रधिकारी को, यह विश्वास नहने का कारण  
है के स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।

और जिसकी म. 81ए और 81 वी. है तथा जो सिकदार  
बागान स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाख्याध  
अन्सूची में और पृष्ठ से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-3-1981

को पूर्णीत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
नहने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
फ्रैट प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप में नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन हने के अन्तरक के बायित्व में  
हमीं करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-वा के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् :—

1. डा. निरमल कूमार बहुमतारी।

(अन्तरक)

(2) श्री आनन्द मोहन मुख्यार्थी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीत सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष्ट :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो नीं  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदाता  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रदोहस्ताश्री के पास  
निखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धी नाम :—‘इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त अधिनियम, ने अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही  
अवै होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।’

मंत्रसूची

81ए एण्ड 81बी, सिकदार बागान स्ट्रीट, कलकत्ता ।  
12के-5 सीएच-11 वर्ग फाट जमीन पर मकान। (1/5 शेयर)

आई. वी. एस. जुनेजा  
सक्षम प्रधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-111, कलकत्ता-16

तारीख : 21-10-1981

मोहर :

प्रसूप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रोज़-111, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 21 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. 960/ए.सी.क्यू.आर-111/81-82—यतः  
मुझे, आर्द्ध. वी. एस. जनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं. 81ए और 81 वी है तथा जो सिकदार  
बागान स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष  
अनुसूची में और पर्याप्त संख्या में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-3-1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
नहीं कि कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रदृश्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(1) डा. निरमल कुमार बृहस्पतारी।

(अन्तरक)

(2) श्री मानिक लाल मुख्यमंत्री।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिये  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृत्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
प्रत्येक जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से दूरी फिरोजाबाद तक उक्त अधिनियम के ग्रहण करने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
प्रौद्योगिकी

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ यन्त्रितों द्वारा प्रदृश्य नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

81ए एण्ड 81बी, सिकदार बागान स्ट्रीट, कलकत्ता ।  
12के-5 सीएच-11 वर्ग फीट जमीन पर मकान। (1/5 शेयर)

आर्द्ध वी. एस. जनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-111, कलकत्ता-16

प्रतः प्रत, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा 1981

तारीख : 21-10-1981

मोहर :

प्रूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) डा. निरमल कुमार वृद्धचार्गो।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्रीमती माधवी मुख्यी।

(अन्तरिती)

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-111, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 21 अक्टूबर 1981

निवेश सं. 961/ए.सी.क्यू. आर-111/81-82--  
 यत: मुझे, आई. टी. एन. जनजा,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 81ए और 81 बी. है तथा जो भिकदार  
 बागान स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष  
 अन्सूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
 अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-3-1981  
 की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
 रूप से कठित नहीं किया गया है :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
 और/या

अन्सूची

81ए एण्ड 81बी, सिकदार बागान स्ट्रीट, कलकत्ता 1  
 12के-5 सौएच-11 वर्ग फीट जमीन पर मकान। (1/5 शेयर)

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आई वी. एस. जनजा  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रंज-111, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 21-10-1981  
 माहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) डा. निरमल कुमार बृहस्पतारी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री काशी नाथ मुखर्जी।

(अन्तरिक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-111, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 21 अक्टूबर 1981

निर्देश सं. 962/ए.सी.व्य. आर-111/81-82--  
यतः मूर्ख, आई. वी. एस. जूनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 18ए और 81बी है तथा जो सिकदार  
बागान स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावहध  
अन्तर्सूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-3-1981  
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेह भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हृह किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अन्तर्सूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
तुषिता के लिए;

81ए एण्ड 81बी, सिकदार बागान स्ट्रीट, कलकत्ता ।  
12के-5 सीएच-11 वर्ग फीट जमीन पर मकान। (1/5 शेयर)

आई. वी. एस. जूनेजा  
समक्ष प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-111, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तु :--

तारीख: 21-10-1981

मोहर :

प्रकाप प्राईंटी प्र० एस०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा

269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़-11, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 29 अक्टूबर 1981

निदेश सं. ए. नी.-35/आर-।। कल/81-82—यतः  
मुझे, के. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित राजार  
मूल्य 25,000/- इ. से अधिक है

और जिसकी सं. पी/31 ब्लाक-सी है तथा जो बंगर एभेन्यू थाना-  
लॉकटाउन, 24-परगणा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन-  
सम्मी में और, पूर्णलिपि में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी  
के कार्यालय एम. आर. काशीपुर, दमदम में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
31-3-81.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि पश्चापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिसमें प्रारंभीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गुप्तिया  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् :—

1. श्री सुधामय चट्टर्जी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती डिनि-धर पत्नी अधीम धर।।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में होई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरांची अवित्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से  
किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध  
किसी अन्य अवित्त द्वारा अधीक्षिताकारी के पास सिखित  
में किए जा गए।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6क. 1छ. 20 वर्ग फट जमीन का 1/5 अंश और मकान के  
उत्तर-पश्चिम कोने पर पहली भंजिल का एक प्लैट (पी/31,  
ब्लाक "मी" बंगर एभेन्यू थाना-लॉकटाउन, 24-परगणा (प.व.)  
के 5 फ्लैटों में से)।

के.. सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज़-11, कलकत्ता-16

तारीख : 29-10-81

माहूर :

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिसंबर 3 नवम्बर 1981

निवेदित सं. प. सी. 60/रोज़-4/1981-82—यतः मुझे,  
के, सिन्हा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. 20/2 है तथा जो ओलाबीबी तला तेज़, हवड़ा  
में स्थित है (और इससे उपामदध अनुसूची में और, पूर्णरूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवड़ा में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 16-3-1981

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के फलहर प्रतिशत से अधिक है और  
प्रतिफल (प्रतिरक्त) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण त्रिभिन्न में वाहतिक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।—

(क) प्रन्तरण में दीई छिंती प्राप्त की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन हर देने के अन्तरक के वायितव  
में हमी करने या उसमें बनने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी व्याप कि किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
मुविषा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विनय भूषण बसू।

(अन्तरक)

2. श्री अगवीश चन्द्र दास।

(अन्तर्गती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक:

(क) इस मूच्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि थाद में  
समाप्त होनी दी, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में नितव्य किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधान 20 के गरिमांशित हैं;  
वही यर्थ दोगा, जो उन प्रकार में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन की माप 3क 15 छ. 20/2 ओलाबीबी तला तेज़,  
थाना-शिव पूर, जिला-हवड़ा पर स्थित दस्तावेज मंस्या---1981  
का 1496।

के. सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-4  
54, रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 3-11-1981  
मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

1. किसी भी सूचना बदली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स लंक पाइन्ट कोगापरांटिय हाउजिंग मॉसाइट

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, कलकत्ता  
कलकत्ता, 6 नवम्बर 1981

निवेश सं. ए.सी.-36/रंज-2/कल/1981-82—यतः  
मुझे, के. सिन्हा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सधारन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. पी-893, ब्लाक है तथा जो "ए" लेक टाउन  
कल. में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और, पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
आर. ए. कल. में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)  
और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हर किसी आश की बावजून, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिनयों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षातः :—  
12—356GI/81

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बावर में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारहस्ताधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पी-893, ब्लाक—"ए", लेक टाउन थाना-नेक टाउन, कल-  
कत्ता, खाली जमीन कामाप 4क. 7छ. 41 गर्ड फूट विश्व  
विवरण दस्तावेज संख्या 1954 दिनांक 11-3-1981 गे हैं।

के. सिन्हा  
संकाय प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज-11  
54, रफीजहमद किलवार्ड रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 6-11-1981  
माहूर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-11, कलकत्ता

कलकत्ता, 6 नवम्बर 1981

निर्देश सं. ए. सी.-37/आर.-11/कल/81-82—यतः  
मुझे, के. सिन्हा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. पी-775, ब्लाक है तथा जो 'पी' न्यू अलिपूर, कल. में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और,  
पूर्णरूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
डॉ. आर. अलिपूर, 24-परगना में राजस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2-3-1981  
की 'पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उपरे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (प्रत्यरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बादत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके  
वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए जो छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के  
अन्तररञ्जन ने, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की  
उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तयों, अर्थात् :—

1. श्री छाया बत्त गुप्त, मृत ननीबाला राय का निष्पादक।  
(अन्तरक)  
2. श्री पीयुष कान्ति सरकार और अन्य।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोचना :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवट जिसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रश्नोक्त शब्दों और पदोंका, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही  
प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं. पी-775, ब्लाक-पी.न्यू अलिपूर, थाना-न्यू-  
अलिपूर, कलकत्ता के पहली मंजिल का अंश क्षेत्र 2.91 क.  
विशद विवरण बस्तावेज संख्या 2185 दिनांक 2-3-81 में  
है।

के. सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-11  
54, रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 6-11-1981  
मोहर :

प्रलेप आहू. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्री विभुवन नारायण सिंह और दूसरा

(अन्तरक)

(2) श्री विलीप कुमार अग्रवाल और अरुप कुमार अग्रवाल

(अन्तरीती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निवृत्त सं. ए, सी./रेंज-4/कल./1981—यतः मुझे,  
के. सिन्हा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. 1/1/जे, आमंदा है तथा जो राजा लेन, कल-  
कत्ता स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और, पूर्णांक  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डी. आर.  
अलिपूर, 24 परगना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-3-81  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात  
प्रीतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूर्घात प्रीतिफल से ऐसे दूर्घात प्रीतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरीती  
(अन्तरीतियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रीति-  
फल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की ताप्रियल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं. 1/1/जे, ओमदा राजा लेन, थाना - बेलियाघटा,  
कलकत्ता-15 क्षेत्र 4क. - 5छ. - 40 वर्गफूट दो तल्ला इमारत  
समेत।/विशद विवरण दस्तावेज संख्या 3429 दिनांक  
30-3-81 में है।

के. सिन्हा  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
54, रफीअहमद किशवाह रोड,  
अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख : 6-11-1981  
मोहर :

प्रस्तुत आर्ड.टी.एन.एस. -----  
 आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की  
 धारा २६९-घ (१) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता  
 कलकत्ता, दिनांक ७ नवम्बर १९८१

निवेश सं. ए. सी.-३९/रेज-४/कल/१९८१-८२--यतः  
 मूल्य, के. सिन्हा,  
 आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 २६९-घ के अधीन सदम प्रांथिकारा वा यह विश्वास बोर्ने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 २५,०००/ रु. से अधिक है  
 और जिसकी सं. ५। है तथा जो गोरी बाड़ीलेन, मानिकतला,  
 कल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
 में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय आर. ए.  
 कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का  
 १६) के अधीन, तारीख ३१-३-८१  
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
 के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
 प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
 वार्तादिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (१) असोशिएटेड इलेक्ट्रोनिक्स मेकनिकल इंजीनियरिंग (प्रा. लि.)।  
 (अन्तरक)  
 (२) श्री सूबूत चौधरी।  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येयः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 ४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध  
 किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधौहस्ताकरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभ्राषित  
 है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२  
 (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

मानूसूची

जमीन का नाम - १०क ८छ. ५।, गोरी बाड़ीलेन, थाना-  
 मानिकतला कलकत्ता पर स्थित है।

के. सिन्हा  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
 ५४, रफीअहमद किलवाइं रोड़,  
 अर्जन रेज-।। कलकत्ता-१६

असः अर्जन अधिनियम की धारा २६९-ग के अन्तरण  
 में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (१)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

तारीख : ७-११-८१  
 माहूर :

प्रलूप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

(1) श्री सार्वजर एंग्रिकलचर डेअरी एण्डफिसारिस  
(प्रा.लि.)।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) महातीरथम्।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

निदेश सं. प. सी. 62/रेंज-4/कल/1981-82-एतः  
मुझे, के. सिन्हा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और इसकी संख्या 10-3-1981  
है तथा जो पाना - कसदा, जिला-24 पर-  
गणा स्थित है (और इससे उपावदध धनुसूची में और, पूण्ड्रलिप्त से  
धर्मित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलिपूर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 10-3-1981  
को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
हूद में कीचित नहीं किया गया है:--

को यह सूचना आदी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-** इसमें प्रदूक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हूद किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
सायित्व में कमी करने था उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

जमीन 4.20 सतक ओड - चाकगरिया, थाना - कसबा,  
जिला - 24 - परगणा दस्तावेज संख्या - 1981 का 2490।

के. सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
54, रफीअहमद किंदवाई रोड,  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 10-11-1981  
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा  
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर 1981

निदेश सं. ए. सी. 63/रेंज-4/काल/1981—पतः मुझे,  
के सिन्हा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके शब्दात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा  
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर संगत विस्ता उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं. है तथा जो थाना - सोनापुर, जिला - 24  
परगणा स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और, पूर्ण-  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में,  
राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 4-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से नम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है पौर मुझे यह विवास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत  
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरको) और अस्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तवित रूप से नियत रही रियां गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-  
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के धार्यत्व में कमी  
करने या उपरे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

मानुषी

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित वर्धितियों अर्थात् :—

- (1) श्री बिधान चन्द्र रे, बिधान रे एवं बितन चन्द्र राय  
(अन्तरक)  
(2) मैसर्स के, बी. राय गार्डेन को आपरेटिव हाउसिंग  
सोसाइटी लि.  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित  
में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय वे दिया गया है।

अमीन - 2-115 एकड़ पता - मीजा - बहस, थाना - सोनार-  
पुर जिला - 24 - परगण।

के. सिन्हा  
सक्तम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, 54, रफीअहमद किलवड़ रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 10-11-1981  
मोहर :

प्रूफ आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 नवम्बर 1981

निदेश सं. आर. ये. सी. नं. 41 और 42/81-81-  
कारीनाडा स्कांड—यह मुझे, एस गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. 6-1-42ए है, जो भूमीकृतरम रोड रोडब्रीज  
के पास, आमलापूरम में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची  
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, अमलापूरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1981  
(1908 का 16) के अधीन, मार्च 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती  
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री यडीदा सत्यनारायण मूर्ती पिता वैकन्ना, मोबर-  
लापेटा, आमलापूरम, पूर्व गोदावरी जिला  
(2) श्रीमती यडीदा सत्यनारायणम्मा पीति वैकटरा-  
मथ्या, मोबरलापेटा, आमलापूरम।

(अन्तरक)

(2) श्री हारीहरा भीतारामागढ़ प्रेमकुमार (एच. एस.  
प्रेमकुमार पिता हरीहर भीतारामागढ़, वेनस कोहर  
इंडस्ट्रीज, बल्लाभाई स्ट्रीट, काकीनाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

**स्पती:**--खुली जमीन और मडगी, घर नं. 6-1-42 ए  
दिस्तीर्ण भूमि 1-16 सेंटर्स मोरीबरम रोड, रोड ब्रीज के पास,  
जीनकीपेटा, आमलापूरम। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1225,  
1234 और 1235/1981 मार्च रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आम-  
लापूरम।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-11-1981  
माहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ग (1) के प्रतीन सूचना

(1) श्री कृष्ण चौदरी पिटा केशवराव,  
पटमाटा लंका, विजयवाडा-520014।

(अन्तरक)

(2) मेरसर्स विजयालक्ष्मी बाटलस प्रा. लि.  
लव्हीपेटा, विजयवाडा-520014।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 नवम्बर 1981

निदर्शन सं. आर. ये. सी. नं. 43/81-82-काकीनाडा स्कॉड  
—यतः मुझे, एस. गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एन. टी. एस. नं. 512 है, जो भूमि  
1 एकड़, 87 1/4 सेट्स मोगलराजपुरम में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 मार्च,  
1981

को 'पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा  
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति:—कृषि भूमि विस्तीर्ण 1.87 1/4 सेट्स एन.  
टी. एस. नं. 512, रोदेन्दु वाड़ नं. 10, ब्लाक नं. 21,  
मोगलराजपुरम गांव की हव। विजयवाडा नगर। रजिस्ट्रीकॉर्ट  
विलेल नं. 1820/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-11-1981

मोहर :

अब: मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्राप्त पाई० दी० एस० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 नवम्बर 1981

निवेदा सं. आर. यं. मी. नं. 44/81-82—यतः मुझ,  
एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 225/1, 255/2, 255/  
3 और 220/6 कंचीली मा स्थित है (और इसमें उपावद्ध अन-  
सूची में और पूर्णसूची में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, सोमपेटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, मार्च 1981

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति को उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, तथा दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररक (अन्तररकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रमाणक के  
निम्नलिखित में कमी करने या इससे बढ़ने पर सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिसके भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1927  
(1927 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
शनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाबंध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

मत अद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-प की उपकारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—356GT/81

(1) श्री एम. नारायण मूर्ती पिता चीनाराम कीणम्मा,

(2) श्री मोदीरी मोमन्द्यरागत पिता आबोनारायणा,  
सोमपेटा

(अन्तरक)

(2) श्री रनेशकुमार आगरवाल कोशोरीलाल आगरवाल  
का दल्लक गुड़, सोमपेटा और (2) मैसर्स एस. एन.  
आगरवाल ऑर्डर बर्स, सोप्ता, श्रीकाकुलम जिला

(अन्तरिली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए  
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैत के संबंध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या अन्तस्थिती व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
ममात्र होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी व्यक्ति द्वारा अप्रोत्स्थाकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

हप्तोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

लूली जमीन विस्तीर्ण । एकर., 82 1/2 सेंट्स, आर. एस.  
नं. 255/1, 255/2, 255/3 और 220/6 गोदामों के साथ  
कंचीली, सोमपेटा नालूक, श्रीकाकुलम जिला। रजिस्ट्रीकृत  
विलोक नं. 335/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सोमपेटा।

एस. गोविन्द राजन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 2-11-1981

मांहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत संरक्षक  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 20 अक्टूबर 1981

निवास मं. आर. पे. सी. नं. 170/81-82.—यतः मुझे,  
एस. गोविन्द गजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी मं. 14/55ए है, जो उपल, हैदराबाद-39 में  
स्थित है (और इसमें उपान्नदूध अनुसूची में और पर्याप्ति में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान  
प्रतिफल के निम्न अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ दूर किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और  
वायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सहायता  
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने भी  
सहायता के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षित:

(1) मैर्स्य श्रीनक्षमी आइल मीलस, सोलवेट एक्स्ट्रोक्शन  
प्लाट इन्डस्ट्रीजल एरीया प्लाट नं. 9, ब्लॉक नं. 3,  
उपल, हैदराबाद-92, बाह श्री एम. वॉकट सूर्य  
नक्षमी नरमीम्हाराद और अन्य नं 92 वेस्ट भारत-  
पल्ली, थर्ड लेन मिक्कन्दुराबाद

(अन्तरक)

(2) मैसम शल. व्हा. आर. श्रीहैल एण्ड कॉर्प्स प्रा. लि.  
रजिस्ट्री आफीम-2, तालामूथीयापान म्हार, महाराष्ट्र-  
600001 फैक्ट्री: प्लाट नं. 9 ब्लॉक नं. 3,  
इडम्हायल एरीया, उपल, हैदराबाद-39

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के गम्भन्ध में कोई भी व्याप्रेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुभ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

इमारत और गोदाम नं. 14/55ए जीस प्लाट पे बांधा गया  
उसका नं. बी, 9, ब्लॉक नं. 3, औद्योगिक विकास क्षेत्र,  
उपल, हैदराबाद-39 (22050 चौ. फॉट बनाया हुआ क्षेत्र)  
कुल क्षेत्र 4.789 एकड़म। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 963/81  
है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

म. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 20-10-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

निदेश सं. आर. ए सी.नं. 171/81-82—यतः म.स्कूल, एस. गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका इच्छित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मं. अफिस नं. 117 है, जो सागरवीथ, दामलगड़ा, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावध अनुसूची में और पूर्णांक में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से तेज़ दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहिं नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ अक्सर किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसका अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट होने किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) मैसर्स स्वास्तीक बीलडर्स,  
1-2-524/3, दामलगड़ा, हैदराबाद।  
(अन्तरक)
- (2) मैसर्स सुमन चिट फँड,  
5-4-32/2, सेंकड़ फ्लौर, जवाहरलाल नेहरू रोड, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वित्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस नं. 117, पहली मंजिल, सागरवीथ, दामलगड़ा, हैदराबाद। विस्तीर्ण 1112 चौ. फूट। रजिस्ट्रीकॉर्ट विलेल नं. 1056/81। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 23-10-81  
मोहर :

प्रस्तुत आई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 23 अक्टूबर 1981

निदेश सं. आर.यो.मी.नं. 172/81-82--यस: मुझे  
एस. गोविन्द नाजन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिर  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन भावप्राप्तिकारी वो यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थादर समीक्षा, जिसमें उन्निम्न बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी संभूमि है, जो बंडालगड़ा गांव, हैदराबाद में  
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णस्त्रप्ति में वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च,  
1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चव ग्रन्थि विश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण में हैँ किसी दंड को छानन्, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने वाले उससे वज्रन संविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:-

(1) श्रीमती अलै वरधीम पर्ति श्री के. एम. वरधेस  
5-9-347, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री नंदलाल शारदा पिता जयनारायण शारदा (2)  
मीता राम शारदा पिता जशनारायण शारदा (3) श्री  
कच्चरलाल शारदा पिता लेट रामकृष्ण शारदा (4)  
श्री नारायणदास आसवा पिता चूनीलाल आसवा (5)  
श्री श्रीनिवास आसवा पिता नारायणदास, केशरआफ  
मेम्स विष्णु आयल इंडस्ट्रीज, 5-2-936, उस्मान  
गंज, हैदराबाद (घर नं. 18-4-538/1, उम्मीदीर-  
गंज, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

क्वो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**:- इसमें प्रथक्ष सब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

भूमि संख्या नं. 240, 241, 242 और 244 विस्तीर्ण 8  
एकर, 7 गड़े, बंडाला गांव, हैदराबाद, चंद्रायन गंडा,  
महबूबनगर गोड़। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1110/81 है।  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन  
संस्था प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख: 23-10-81  
माहूर :

प्रस्तुप प्राइंटी ३० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 28 अक्टूबर 1981।

निदेश मं. आर.यॉ.सी. नं. 173/81-82—यतः मूल्य, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1-2-412/12 है, जो गगनमहल, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाधान अनुसूची में और पूर्णस्तुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1981

को जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रौढ़ और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर है जो अवधिकारी के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निभित में वास्तविक रूप से कथित रही किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए ताकि लिप्तते से सुविधा की लिए;

क्रम: बब्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री नरशी विश्वाम पिता लंट विश्वाम नातू (अन्तरक)  
 (2) श्री मनोहरगाल विश्वाम जिना वही।  
 67-ए किंगस् वै. सिकन्दराबाद।  
 2. श्री राजाराम पिता श्री इस्वरदाम, 5-9-42/6, न्यू एम. एल. ए. क्वार्ट्स लेन, वसीरबाग, हैदराबाद।  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी सरक पूर्वोक्त वस्त्रों के प्रज्ञन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के अन्वन्व में काई भी प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के अन्वन्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन वाली अवधि, जो भी अवधि द्वाद में समाप्त होती है, तो अतिर फूर्वाक्ति द्वारा किया जाना चाहिए;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जाएं सकते।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का भाग एस. नं. 1-2-412/12 न. ए-9) विस्तीर्ण 800 चौ. गज, गगनमहल, हैदराबाद। रजिस्ट्रीकर्ता विनेंस नं. 1301/81, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, हैदराबाद

तारीख : 28-10-1981  
मोहर :

प्रस्तुप बाईं. टी. एन. एस. —————

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 अक्टूबर 1981

निवेश मं. आर. यं. मी. नं. 174/81-82—यत. मुझे,  
एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की भारा 269-  
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. सं अधिक है।

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, और जो चीना, थोकटा,  
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इसमें उपादान अनमूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
मारडेपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1981

के पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से गहरे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित गं. वास्तविक  
रूप में कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से छुट्ट किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दिये के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का निए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तार्ती द्वारा प्रकल्प नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए भा छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. (1) श्री कं. बाल रंडडी पिता के, मृत्युम रंडडी  
(2) श्री कं. भला रंडडी पिता लंट वैकट रंडडी  
(3) श्री कं. भला रंडडी पिता के, मृत्युम रंडडी  
बांघनपल्ली, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. मंसर्द दी अमर ज्याति विकर मंकशन को-आपरेटिव  
हाउजीग सोमाइटी लि. (टी. ए. बी.) अफिस  
नं. 11-4-322/20/34, चीलकलगड़ा, सिकन्दरा-  
बाद। अधक्ष श्री पी. पाण्डुराव पिता लंट आर,  
पट्टया।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाचियां चलता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि 1 एकर सर्वं नं. 86, 87 और 92, चीना  
थोकटा, बांघनपल्ली, सिकन्दराबाद। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं.  
453/81। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मारडेपल्ली।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, हैदराबाद

**वार्ता:** अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अन्तरण  
वं, वं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 28-10-1981

सांहर :

प्रस्तुति भाई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 31 अक्टूबर 1981

आर. य. सी. नं. 175/81-82—यतः मर्फ़े, प्रम्‌  
गोविन्द गजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सकास प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म. 2-2-135/1, 136, 137 है जो महात्मा  
गांधी रोड, मिकन्डराबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध  
अनुसूची में पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, मिकन्डराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन मार्ग 198।

को पूर्णतः मंषणि के उचित बाजार मूल्य से कम के हाफ्टलाइ  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि ग्राहापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवहार में प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार में प्रतिफल का  
पन्थ है प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्ता-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हरौ किसी भाव की बावत, उक्त  
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य  
में कभी करने या उससे देने में सूचिता के लिए;  
बाई/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य आस्तर्या  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यवारा प्रकट महीं किया  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सूचिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री रावन्द्रकुमार राठी पिता लक्ष्मीनारायण राठी  
घर नं. 61, महात्मागांधी रोड, मिकन्डराबाद  
158 मी रालवे लाइन शोलापूर-413001।  
(अन्तरक)

2. मेरसर्व काबू पण्ड के 61 एम.जी. रोड, सिकन्दरा-  
बाद। बाई मनजींग पाटनर श्री शंकरलाल काबू पिता  
लंट मोहनलाल काबू, घर नं. 3-2-853, चौत्रक, आंदीगड़ा,  
आंदीगड़ा, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्ग में कोई भी वासेपूँ—

(क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी वाय व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापक-  
भावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

प्राचान घर एम नं. 2-2-135/1, 136, 137, महात्मा  
गांधी रोड, मिकन्डराबाद। विस्तीर्ण 778 चौ. गज। रजिस्ट्री-  
कूट विलोक नं. 147/81 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
मिकन्डराबाद।

एस. गोविन्द गजन  
मकान प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर लाइन (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

नामील 31-10-1981  
मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 31 अक्टूबर 1981

आर. ये. सी. नं. 176/81-82—गत: मुझे, एस.  
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और विवरीय नं. 2-2-136/1, 137/1, 138, 139 एस.  
जी. रोड, सिक्किमगावाद में स्थित है और इसमें उपावद्ध  
अन्यथा भी में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के  
कार्यालय, मिल्लिमगावाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1981

को दूर्वेक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमें  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथार्थवेक्ष सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य इस विवरीय नं. 2-2-136/1, 137/1, 138, 139 एस.  
विवरीय प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कार दर्ने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में मूलिधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
मन्दिरा के लिए;

गत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती भग्नीभाई राठी पिता रविन्द्र कमार राठी,  
घर नं. 61, महात्मागांधी रोड, सिक्किमगावाद  
(158 मी रैल्वेलाइन शोलापुर, 413001)।  
(अन्तरक)

2. मंसर्म काढ़ा एण्ड के 61 एम जी. रोड, सिक्किमगावाद।  
बाइ भनेजी गपाटनर श्री शंकरलाल काढ़ा पिता  
जट मोहनलाल काढ़ा, घर नं. 3-2-853, चीत्रू  
बील्डिंग, काढ़ीगुड़ा, हैदराबाद।  
(अन्तरित)

को यह सूचना आरो करके पूर्वीकृत संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी विवेद :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
व्यवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रदक्षिण शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्राषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पुराना घर एम. नं. 2-2-136/1, 136/1, 138 और  
139, महात्मागांधी रोड, सिक्किमगावाद, विस्तीर्ण 870 च.  
गज। रजिस्ट्रीकरण विलोम नं. 148/81 है। रजिस्ट्रीकरण

एम. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, हैदराबाद

तारीख : 31-10-1981  
मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदरगाबाद

हैदरगाबाद, दिनांक 2 नवम्बर 1981

आर. ये. मी. नं. 177/81-82—यतः मुझे, एम.  
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 6-3-1186 है, जो बेगमपेट हैदरगाबाद में  
स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुसन्धी में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीटर अधिकारी की कार्यालय, हैदरगाबाद में  
भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रमुख प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ह्राई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(न) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविस्तयों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन 'निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—'

14—356GI/81

1. मेसर्स धनदाक्षी हाउजीग का. आपस्टेलिक्स लि. टी.  
ए. बी. 109, शाप नं. 16, इंडोर स्टॉडियम,  
फ्लैटमध्यान, हैदरगाबाद बाह सेंट्रल डी. रामकृष्णा  
रेड्डी एस. डी. पूल्ला रेड्डी।

(अन्तरक)

2. मेसर्स इंडोर स्टॉडियम लि. नरसापूर रोड, बालानगर,  
हैदरगाबाद-37 बाह श्री वाह रामा शर्मा पिता लेट  
बाह. डी. शास्त्री घर नं. 36-ए. एम. आई. जी.  
एच. संजीवारंडडी नगर, हैदरगाबाद-38।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

### अनुसूची

भूमि एम. नं. 6-3-1186, बेगमपेट, हैदरगाबाद। विस्तीर्ण  
1,000 चौ. गज रजिस्ट्रेक्टर विलेख नं. 1266/81 रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी हैदरगाबाद।

एम. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदरगाबाद

तारीख : 2-11-81  
मोहर

प्रृष्ठ पाई ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1981

आर. ये. मी. नं. 178/81-82—यतः मुझे, एस.  
गोविन्द गजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. में अधिक है

और जिसकी सं. 3-4-1005/5/1 है, जो बरकतप्रा हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपायकूप्र अनुमती में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीकडपल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में की गयी नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी कमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

1. श्री पी. रघुगम रड्डी पिता श्री पी. रामचंद्रा-  
रड्डी, घर नं. 3-3-76, कृत्तीगडा, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती मुकालीया पिता पूनमचंद्र, घर नं. 3-4-16,  
डा. भूमना मार्ग, लिंगमपल्ली, हैदराबाद-27।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन एस. नं. 3-4-1005/5/1, बरकतप्रा  
नक्यालिटी हैदराबाद में स्थित है। विस्तीर्ण 265 चौ. गज।  
रजिस्ट्रीकूट विलेख नं. 207/81 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
चीकडपल्ली, हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 3-11-1981

मांहर :

शतः धब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुति आई.टी.एम.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

आर. ये. सी. नं. 45/81-82, काकीनाडा, मुल्य--  
यतः मझे, एस. गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 437) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है और

जिसकी में 4-4-123 है, जो चंद्रमोलीनगर, गुट्टूर में  
स्थित है (और इसमें उपावक्ष अनुमूली भी और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुट्टूर में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एन्हें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री यश्चरी मृत्यु पिता वैकटगड़ी  
(2) श्रीमती वाइ. मावीशम्मा पति मृत्यु  
(3) श्री वाइ. मत्यनरायणराव पिता मृत्यु  
(4) श्री वाइ. मलोकार्जुनराव पिता मृत्यु  
(5) श्री वाइ. पूरनचंद्रराव पिता मृत्यु  
(6) श्री वाइ. सनेस्वराराव पिता मृत्यु, काल-  
कालूरु गांव तालुका तंताली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चलवडी अन्नपुरनम्मा पर्ति चलवडी लक्ष्मी  
नारायण, बूडीपेटा, गुट्टूर।

(अन्तरिती)

क्वे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्त्रेष :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति-इमारत घर नं. 4-4-123, 5ग्री लाहौ, चंद्रमोली-  
नगर, बूडीपेटा, गुट्टूर। रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं. 2937/  
81 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुट्टूर।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

आर. ये. सी. नं. 46 और 47/81-82—यतः मूर्ख,  
एस गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जमीन है, जो कक्षग गट्टा गुट्टर में  
स्थित है (और इसमें उपाधिक अनमंची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुट्टर में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिये;  
और/या

(ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती के. अनन्पूर्णा पति नरसीम्हाराव पंतंलू, ब्रोडीपेटा, गुट्टूर।  
(2) श्रीमती डी. रुक्मीनम्मा पति वेंकट संब्बाराव, ब्रोडीपेटा, गुट्टूर।

(अन्तरक)

2. श्री एम. वेंकट नागम्हराराव पिता वेंकट नरसीम्हा-  
राव, पेंट्रोल बैंक, ब्रोडीपेटा, गुट्टूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रथम शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति-खुली जमीन मुनीसीपल पराना वार्ड नं. 17, नया  
बाड़ नं. 21, ब्लॉक नं. 4, कक्षगट्टा गुट्टूर। रजिस्ट्री-  
कृत विलेख नं. 3239 और 3240/81 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
कार्यालय, गुट्टूर।

एस. गोविन्द राजन  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रँज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1981  
मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निदेश मं. आर. ये. सी. नं. 48/81-82--यतः मुझे,  
एस. गोविन्द राजन, .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 33-2-147 है, जो सब्जीमार्केट के सामने  
काकीनाडा में स्थित है (और इसमें उपाबवध अनुसूची में और<sup>पूर्णरूप से वर्णित है</sup>), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्वोक्त सम्पत्ति अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निश्चित वास्तविक  
कर्ष से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन वर बनें के अन्तरक के  
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकल्प नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः यत; उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्त्ततः:---

(1) (1) श्री लक्ष्मनदास (2) हांगलाल (3) मर्लीधर  
(4) लकराज और (5) असुवमल सभी ताराचंद  
(स्वर्गवासी) के पूत्र हैं। मार्केट म्होट काकीनाडा।  
(अन्तरक)

(2) श्री उवासी मंगम्या पर्ति वंकला, प्रेसीडेंट, दी  
काकीनाडा मर्केट असोसीयशन, काकीनाडा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**सम्बोधकरणः**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ती-दों मंजील की इमारत, घर नं. 33-2-147, वाड़े  
नं. 17, सब्जीमंडी, काकीनाडा के सामने। रजीस्ट्रीकृत विलेख  
नं. 1882/81 है। रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकीनाडा।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1981  
मोहर :

प्रसूप ग्राइंडी• एम• एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निवास सं. आर. ये. सी. नं. 49/81-82--यतः मुझे,  
एम. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में प्रधिक है,  
और जिसकी सं. खंडी जमीन है, जो काकीनाडा में स्थित है  
(और इससे उपावदध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
मार्च 1981

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान  
प्रतिफल का फल्गुन प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिति (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से लुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बेते के अन्तरक के  
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27).  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री कौ. सूर्य प्रकाशशर्म पिता नरसीम्हा आवधानी  
को उक्त पश्चचीम गोदावरी ज़ीला।

(अन्तरक)

(2) श्री अनन्तसंटी सत्यनारायण मूर्ती पिता नरसीम्हा-  
स्वामी मंडाविलीवारी स्ट्रीट, काकीनाडा।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**संपादकीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अन्सूची

सम्पत्ती-खुली जमीन 812 घौ. गज. पोलीटेक्निक, सूर्यपेट,  
काकीनाडा के पास रजीस्ट्रीकूट विलेख नं. 1880/81 है।  
रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकीनाडा।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1981

मोहर :

प्रूफ आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1981

निवेंड्र सं. आर. मे. मी. नं. 50/81-82—यतः मुझे,  
एस. गोविन्दा राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. राइस एन्ड दाल मील है, जो केर्नीचेडदरसी  
तालुक स्थित है (और इससे उपावर्द्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में  
बर्णित है), रजिस्ट्रर्स अधिकारी के कार्यालय, दरसी में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, 15-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सहिता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सहिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा ---

(1) (1) श्री के. रामचंद्रया पिता पीचया (2) श्री के.  
वंकट रंगाराव पिता रामचंद्रया (3) श्री के.  
वंकटेस्वरूप पिता पीचया (4) श्री के. नागम्बर राव  
पिता कांटेस्वरराव (5) श्री के. सत्यनारायण पिता  
वंकटस्वरलू।  
सभी कर्नीचड़, वारसी तालुक, जीला ओंगल में  
रहते हैं।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री के. रामलू पिता पूनम्या (2) श्री के.  
गरुनाथगव पिता रामलू (3) श्री के. मोहनराव  
पिता रामलू (4) श्री के. चीनारामलू पिता पूनम्या  
(5) श्री के. कांटेरत्नम्मा पति चीना रामलू (6)  
श्री के. सत्यनारायण पिता चीनारामलू सभी  
कुरीचड़-दरसी तालुक, ओंगल जीला में रहते हैं।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

संपत्ती-चावल और दाल की मील, कुरीचड़, वारसी तालुक,  
जीला ओंगल। विस्तीर्ण 059 सैलम रजीस्ट्रीकूट विलोम नं.  
166/81 रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी दारसी।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1981  
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, 7 नवम्बर 1981

निर्देश सं आर.ए.मी.नं. 51/81-82 काकीनाडा  
 स्काउ—यतः मर्फ़े, एस गोविन्द गजन,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मं. खुली जमीन है, जो काकीनाडा में स्थित है  
 (और इसमें उपादृश्य अनुसूची में आई पूर्णरूप में वर्णित है),  
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
 19 मार्च, 1981

को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि दृश्यपूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
 फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
 है से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिता के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आवृत्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री के. सर्वप्रकाश पिता नरसीम्हा अपवधानी कोडर, पश्चीम गोदावरी जील।  
 (अन्तरक)
2. श्री अल्लुरी कीणा राजू पिता वंकट नरसीम्हा राजू, दत्तलावारी स्ट्रीट, गांधीनगर, काकीनाडा।  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बृद्धि किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति खुली जमीन, 812 चौ. गज, सूर्य राष्ट्र पेटा, लड्डियों का पोलीटेक्निक, काकीनाडा के पास। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1886/81 है। रजिस्ट्रीकर्ता काकीनाडा।

एस. गोविन्द राजन  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-11-1981  
 माहूर :

प्रधान आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1981

निर्देश सं. आ. ए. सी. नं. 179/81-82—यतः  
मुझे, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 3-4-1005/5/1 है, जो बरकतपुरा,  
हैदराबाद में स्थित है (और इसे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण-  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
चौकडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन मार्ग, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के भी ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पी. वेनुगोपाल रेड्डी पिता पी. रामचन्द्रा  
रेड्डी 3-3-76, कुतबीगुडा, हैदराबाद-27।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती सुशीलादेवी सुतालीया पति श्री कन्हया लाल,  
घर नं. 3-4-16, डा. भूमना मार्ग, लिंगम-  
पल्ली, हैदराबाद-27।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सूली भूमि एस. नं. 3-4-1005/1, बरकतपुरा, हैदराबाद। विस्तीर्ण 265 चौ. गज। रजिस्ट्रीकूट विलेंस नं.  
208/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चौकडपल्ली, हैदराबाद

एस. गोविन्द राजन  
मन्त्री प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-11-1981  
मोहर :

प्रस्तुप आई. टौ. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 5 नवम्बर 1981

निदर्शन सं. आर. ए. सी. नं. 180/81-82—  
मुझे, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है और

और जिसकी सं. 1-2-410/1/3 है, जो गगनमहल रोड,  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपादवध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीकड़-  
पल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरित  
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक है गे कीभित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हैर किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती व्हृ. अम्बुजा देवी बी-8-63 स्टाफ क्वार्टर्स  
अमनसूक्त कॉलेज, हैदराबाद-1।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सी. लीला पति श्री के. एस. एल.  
नरसीम्हाबार 4-7-1106, इसामीयाबादार  
हैदराबाद-27।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

घर नं. 1-2-410/1/3, गगनमहल रोड, धोमलगड़ा,  
हैदराबाद। विस्तीर्ण 600 चौ. गज। रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं.  
161/81 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीकड़पल्ली।

एस. गोविन्द राजन  
मक्कम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-11-1981  
माहूर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1981

निवैश सं. आर. ए. सी. नं. 181/81-82—यतः  
मुझे, एस. गोविन्द राजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 12-1-331/55/1 है, जो असीफनगर,  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबृक्ष अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
खरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन मार्च, 1981

को पूर्ववक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ग्राही-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक  
रूप से कठित महर्दि किया गया है—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
विवित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
को लिए, और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अब्दुल जहीद बेग, घर नं. 78, पेनशनर्स लाइन्स,  
बीचनपल्ली, सिकंदराबाद।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती इशरथ करभाना पति श्री मोहम्मद समीउल्ला,  
घर नं. 12-1-331/55/1, दल्लियात्रय कालानी,  
असीफनगर, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्ववक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि गाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्ववक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

घर नं. 12-1-331/55/1, दल्लियात्रय कालानी, असीफनगर  
हैदराबाद। विस्तीर्ण 173.70 चौ. गज। रजिस्ट्रीकृत विलेख  
नं. 561/81 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरताबाद।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 5-11-1981  
मोहर :

प्रस्तुप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1981

निवेदा सं. आर. ए. सी. नं. 182/81-82—यतः  
मुझे, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि सबै नं. 176, 177 है, जो कुक्टपल्ली,  
हैदराबाद, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसंधी में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
रंगारेड्डी, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन मार्ष, 1981

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कार्यित नहीं किया गया है—

1. गोकुल को आपोर्टेटिव मिलक सप्लाइंग सोसाइटी  
लि., 6-17, कुक्टपल्ली, रंगारेड्डी जिला  
(शोप नं. 15, एम. ए. मार्केट, हैदराबाद)।  
(अन्तरक)

2. मैं. अदागूटा को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी  
लि., इंस्ट मार्केटपल्ली, सिकन्दराबाद।  
(अन्तरिती)

क्वो यह सूचना आरी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वहीं अर्थ है, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### मन्त्री

कृषि भूमि सबै नं. 176, 177, पार्ट 181, पार्ट 182,  
पार्ट 183, पार्ट कुल विस्तीर्ण 41 एकर, कुक्टपल्ली, रंगा-  
रेड्डी जिला। रजिस्ट्रीकृत विलेस नं. 1145/81 है।  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगारेड्डी जिला।

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

एस. गोविन्द राजन  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 5-11-1981  
मोहर :

प्रस्तुप आइं. टी. एन. एस.-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-ष (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर वायुत्तम (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, हैदराबाद  
 हैदराबाद, विनांक 5 नवम्बर 1981

निवेश सं. आर. ये. सी. नं. 183/81-82—यतः मुझ,  
 एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के  
 कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि सर्वे नं. 53/4 है, जो मोतीलाल नगर,  
 सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
 पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
 सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
 गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
 में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
 कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
 और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
 प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
 के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, भू. उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

(1) श्री ए. आनंद घर नं. 4-2-90/ए, ब्रासर्ट-ड-  
 कॉलनी, ओल्ड भोगुडा, सिकंदराबाद  
 (अन्तरक)

(2) श्रीमती श्री. देवमनी पति श्री श्री. पी. राव, प्लाट  
 नं. 6, विष्णुभवन नगर घर नं. 1-11-215/5,  
 बैंगमपेट, सिकंदराबाद-16  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
 की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

अनुसूची

भू. भाग नं. 14, सर्वे नं. 53/4, X 54 से 59, मोतीलाल  
 नगर, सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 566-66 औ. गज। रजीस्ट्री-  
 कूट विलेल नं. 195/81 है। रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
 सिकंदराबाद।

एस. गोविन्दर राजन,  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर वायुत्तम (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-11-1981  
 माहूर ३

प्रकृष्ट प्रार्थी टो० एन० एस०----

आय एवं व्यवित्रियम्, 1961 (1961 जा 43) को धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1981

निदेश सं. आर. ये. सी. नं. 184/81-82—यतः मुझे,  
एस. गोविन्द राजन,  
आयकर व्यवित्रियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात 'उक्त व्यवित्रियम्' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
प्रधिक है

और जिसकी सं. 1-2-56/34 है, जो दोमलगुडा, हैदराबाद  
स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष अनुसंधी भूमि और पूर्णरूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पछल  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिशत लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं लिया गया है :—

(क) अन्तरण से हड़ि किसी आय की बाबत उक्त व्यवित्रियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थि आदितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर व्यवित्रियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यवित्रियम, या धनकर व्यवित्रियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधै अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुलिधा के लिए।

अतः, यद्य, उक्त व्यवित्रियम की धारा 269-ग के अनुतरण में,  
में, उक्त व्यवित्रियम की धारा 269-ब की उपशारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित ठार्डियों, अर्थातः—

- (1) श्री ए. शशातलपा पिता ए. नागव्या (रोड्स एन्ड  
विल्डरिंग ऑफिस) नुभविड, कोणार्क जील।  
(अन्तरक)  
(2) (1) श्री विनोद कुमार पिता क्रिष्णादास (2) श्री  
पीताम्बरदास कृष्णदास (3) माया लक्ष्मदास घर नं.  
15-1-447, पीलखना हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यवधि द्वारा ये  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थान पर संपत्ति में दिनबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोस्तात्मी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**संपर्कीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
व्यवित्रियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
निया गया है।

मृगसूची

भूमि एम. नं. 1-2-56/34, दोमलगुडा, हैदराबाद ।  
विस्तीर्ण 560 चौ. गज। रजिस्ट्रीकूट विलैखन नं. 1044/81  
है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-11-1981

माहर

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1981

निवेश सं. आर. ये. सी. नं. 185/81-82—यतः मुझे,  
एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी वो यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. ते अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, जो तीरमलगीरी, सिकंदराबाद स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पर्यालूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद,  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरीती (अंतीरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिनियों को, जिन्हे भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मेजर एम. छ्वी. राजाग्रह पिता भानुमती घरन्यू  
नल्लाकुट्टा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मैसेस् रवि को-ओपरेट्ह हाउजींग सोसाइटी लि.  
रजीस्टर नं. टी. ए. बी. 22, बाकाराम रोड,  
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव भी समाप्त होती हूँ, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सर्वे नं. 69/2। विस्तीर्ण 1 एकर 29 गांठे।  
जो तीरमलगीरी, सिकंदराबाद कंटोरमेंट में स्थित है। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1316/81 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोड, हैदराबाद

तारीख : 5-11-1981

मोहर :

प्रकाशन नं. ३०८० एवं ४०८०—

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1981

निदेश सं. आर. ये. सी. नं. 186/81-82—यतः मुझे,  
एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषेश इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.  
से प्रधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, जो तीरुमलगीरी, सिकंदराबाद स्थित है (और इससे उपबन्ध आनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद, में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, मार्च 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह दिश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत  
से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती  
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी खन या अन्य आस्तियों  
को, जिहृ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती बुदारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आविहृत था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः यत, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) मेजर एम. ल्ही. राजाराव पिता भानुमूर्ती घर नं.  
नल्लाकुटा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मैसर रवि को-आपरेटिङ्ह हाऊजींग सोसाइटी लि.  
रजिस्टर नं. टी. ए. बी. 22, बाकाराम रोड,  
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके प्रारंभिक सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तालम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रारंभिक  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि सर्वे नं. 69/2 विस्तीर्ण 1 एकड़ 29 गृंठे-  
जो तीरुमलगीरी, सिकंदराबाद कटोमेंट स्थित है। रजिस्ट्रीकूट विलेख नं. 1346/81 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-11-1981  
मुद्रित :

प्रूफ आई० टी० एन० एस० —

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत त्रिकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1981

निदेश सं. आर. ये. सी. नं. 187/81-82—यतः मुझे,  
एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. संख्या नं. 109, 110, 111 और 112 है जो  
गुडीमलकापुर, हैदराबाद स्थित है (और इससे उपायद्वय अनु-  
सूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, खैरावाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगान्वय अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तः:—

16-356GI/81

(1) (1) श्री राजेंद्र कुमार तरमाकदास पिता तरमाक-  
दास किशन दास (2) श्री अरविंद कुमार तरमाकदास  
पिता-वही-घर नं. 4-3-328, आर. के. इस्टेट,  
बैंक स्ट्रीट, सुलतान बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स आशोक विहार को-आपरेटर्स्टी हाउस बिल्डिंग  
सोसाईटी, टी. ए. बी. 53, श्री पी. बेनुगोपालम,  
सेक्टरी, केर आफ एन. एम. डी. सी. लि.  
पाइनीयर हाउस, सोमाजीगुडा, हैदराबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यशालायां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हित-  
दूष द्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विदा गया है।

### बन्दूस्ती

कृषि भूमि विस्तीर्ण 14,000 चौ. गज (2,8925 एकड़)  
संख्या नं. 109, 110-111 और 112 का पार्ट नं. 3, एस. ए.  
डी. । डब्लू. वार्ड नं. 20, ब्लाक के, तालागडा, गुडीमलका-  
पुर हैदराबाद पश्चीम तालुक। रजिस्ट्रीकृत विलेस नं. 623/  
81 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खैरावाद।

एस. गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 5-11-1981

मोहर :

प्रस्तुति आहू. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1981

निदेश सं. आर.ये.सी.न. 188/81-82—यतः मुझे,  
एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. भूमि सर्वे नं. 227/पार्ट, अम्बरपेट,  
कालन, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावृथ अनुसूची  
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, हैदराबाद पूर्व में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नांकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिया गया था।

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नांकित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बी. लक्ष्मीनरसमहा पती बी. जंगया (2)  
श्री बी. कृष्णा (3) श्री बी. मूरती (4) श्री बी.  
प्रक्षणी सभी बी. जंगया के पुत्र हैं।  
अम्बरपेट कालन, हयातनगर तालुक, रंगारेड्डी  
जिला।

(अन्तरक)  
(2) श्री एम. मोहनरेड्डी (2) श्री डी. मोहनरेड्डी  
(3) श्री ए. नरसीम्हारेड्डी (4) श्री ए. कृष्णा  
रेड्डी (5) श्री एस. राजा रेड्डी (6) श्री बी.  
विस्वनाथम घर नं. 1-11/बी 5 अम्बरपेट कालन,  
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

क्योंकि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि द्वारा मैं समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृक्ष  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास  
लिया जाता होगा।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### नमूदूर्वा

भूमि, सर्वे नं. 227/ पार्ट 9 एकर, अम्बरपेट कालन,  
हैदराबाद। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1786/81 है। रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी हैदराबाद पूर्व।

एस. गोविन्द राजने  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़, हैदराबाद

तारीख : 10-11-1981

मोहर :

प्रूप आई. टी. एन. एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1981

निवेश सं. आर. ये. सी. नं. 189/81-82—यतः मुझे,  
एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (और जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है।

और जिसकी भूमि सर्वे नं. 227, 228 है, जो अंबरपेट कालन,  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपानवध अनुसूची में और पूर्ण-  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय हैदराबाद  
पूर्व में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है ॥—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के विविध  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
1पीर/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के, अनुसरण  
में, भूमि सर्वे नं. 227, 228 पार्ट 225/3। विस्तीर्ण 9  
एक, 14 गुंठे, आम्बरपेट, कालन, हैदराबाद। रजिस्ट्रीकर्ता  
विलेश नं. 1809/81 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद  
पूर्व।

(1) श्रीमती बी. लक्ष्मीनरसम्हा पती बी. जंगया (2)  
श्री बी. कृष्ण (3) श्री बी. मुरली (4) श्री बी.  
चक्रपाणी रामी बी. जंगया के पुत्र हैं।  
अम्बरपेट कालन, हयातनगर तालुक, रागारड़ी  
जिला।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री एम. मोहनरेड्डी (2) श्री डी महेनरेड्डी  
(3) श्री ए. नरसीम्हारेड्डी (4) श्री ए. कृष्ण  
रेड्डी (5) श्री एस. राजा रेड्डी (6) श्री बी.  
बीस्वनाथम घर नं. 1-11/बी 5 अम्बरपेट कालन,  
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

ली यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

**प्रधान:**— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित है, वही  
प्रयृष्ट होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस. गोविन्द राजन  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-11-1981  
मोहर :

प्रस्तुप आइ.डी.एन.एस.-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रोज़, अमृतसर  
 अमृतसर, दिनांक 24 अक्टूबर 1981

निर्देश नं. ए. एस.आर./81-82/252—यतः मूर्ख,  
 आनंद सिंह, आइ.आर.एस.  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो गांव नंगली, अमृतसर  
 में स्थित है (और इससे उपावर्द्ध अनुसूची में और पूर्ण  
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
 अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981  
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक  
 रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के  
 दायित्व में कली करने या उससे बचने में सुविधा  
 है जिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
 सुविधा है जिए;

क्षम्भ बद, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण  
 है, भू. उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. कमारी बीरा पूर्णी फौजा सिंह, बासी गांव नंगली,  
 तहसील व जिला अमृतसर।  
 (अन्तरक)
2. श्री सूशील महेरा पुत्र श्री लक्ष्मी राम महेरा, बासी  
 14-जल रोड, अमृतसर।  
 (अन्तरिती)
- \*3. जैशा कि उपर में 2 में कोई किरायेदार हो।  
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- \*4. और काइ।  
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हिस्बद्ध है)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यालयितां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्ब-  
 द्ध विक्षिप्त अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
 नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,  
 वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया  
 है।

### मनुसूची

भूमि जो 8 कनाल 2 मरला है जो गांव नंगली, तहसील  
 और जिला अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 10565  
 तिथि 3-3-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आइ.आर.एस.  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रोज़, 3 अंशप्री टलेर रोड, अमृतसर

तारीख : 24-10-1981  
 मोहर:

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 नवम्बर 1981

निवेद्य नं. ए. एम. आर./81-82/253—यतः मृक्षे,  
आनंद सिंह, आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक शैड है तथा जो इस्लामाबाद, अमृतसर  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप भे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरित इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

1. श्री दीवान चंद कपूर पुत्र मूलस राज, वारी 113,  
कपूर रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. मैसरज आर. के. बूलन इण्डस्ट्री इस्लामाबाद,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

\*3. जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेवार है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

\*4. और कोई।  
(दह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानका है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण:-**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक शैड जो 204 वर्ग गज जो इस्लामाबाद, अमृतसर में है  
जैसा कि सेल डीड नं. 3924/1 तिथि 30-3-81 रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.टी.एन.  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज़, 3 चंपापुरी टलेर रोड, अमृतसर

तारीख : 2-11-1981  
मुहर :

## प्रारूप आई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 अक्टूबर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/254—यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आई. आर. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लाट है तथा जो लार्स रोड, अमृतसर  
में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए एक्सेंट अधिकारी को गई है और मुझे, यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पाइছ है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से वाचित नहीं किया गया है ॥—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर वर्ते के अन्तरक के  
शायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तगों  
को, जिन्हैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 296-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

1. श्री इन्द्र सिंह पुत्र गुरदियाल सिंह, वासी 160-  
पंचमील पार्क न्यू दिल्ली द्वारा श्री भनमोहन सिंह  
मुख्तार-ए-आम्, वासी 18 लार्स रोड, अमृतसर।  
(अन्तरक)

2. रमिन्द्र सिंह पुत्र मनिन्द्र सिंह, वासी घौक लछमन,  
अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबूद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बूद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

## अमृतसूची

एक भूमि का प्लाट नं. 15 लासरा नं. 1287/935 और  
397 और 943 जो 180.21 व. मी. हैं जो दूनी चंद रोड  
लार्स रोड, अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 2862/1  
तिथि 27-3-81 रजिस्ट्रीकरी अधिकारी अमृतसर में दर्ज  
है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, 3 चंद्रपुरी टेलर रोड, अमृतसर

तारीख : 24-10-1981

मोहर:

प्ररूप पाई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

### 269-प (1) के प्रधीन सूचना

मार्ट भरकार

### सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 अक्टूबर 1981

निवैशं नं. ए. आर. एस./81-82/255--यतः मूझे,  
आनंद सिंह, आई. आर. एस.

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-वाँ के प्रधीन सभ्य अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए मध्यिक है

और जिसकी सं. एक भूमि का टुकड़ा है तथा जो गांव मंगली, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बुश्यमान प्रतिफल ले लिए अस्तरित की गई है और भुग्त यद्य विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिक्षय से अधिक है और मग्नतरक (मग्नतरकों) और मग्नतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अत्यरिक्त गतिरोध के लिए तथ याया यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर धम्नतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से तुझे किसी आय की बाबत, उसके प्रविनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिष्ट में कभी लगने या उससे बचने में सहिता के लिए। शोएं/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती हाए प्रकट मही किया गया या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रति ग्रन्थ उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- वीरों पुत्री फौजि सिंह पुत्री पत्नी महिन्द्र सिंह,  
वासी नंगली, तहसील अमृतसर।  
(अन्तरक)
  - श्रीमती सविता महेरा पत्नी सूशील कुमार महेरा,  
14 जैल रोड, अमृतसर, श्रीमती मोहनी पत्नी  
कुलवन्त राय जैन बकील, अमृतसर, श्रीमती रीट  
चड़ा, पत्नी इन्द्र चड़ा, 8 अपल रोड, होस्ट  
सीज, कलकत्ता।  
(अन्तरिती)
  - जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
  - और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उस सम्पर्क के प्रयोग के संबंध में कोई भी आवेदनः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्क में हित-भूम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वास्थ्यकरण**:- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त प्रविनियम के प्रधानाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधानाय में विद्या गया है।

અનુષ્ઠાની

भूमि 8 कनाल 2 मरले (4050 व. ग.) जो गांव नंगली, तहसील अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 11112 तिथि 16-3-81 रजिस्टरीकरी अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.  
संक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आमुख (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज़, 3 चंद्रपुरी टेलर रोड, अमृतसर

तारीख : 24-10-1981  
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी एन् एस् —

### आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

निदेश नं. 1. ए. एस. आर./81-82/256—यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आई. आर. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है  
और जिसकी में एक प्लाट है तथा जो जेल रोड, अमृतसर  
में स्थित है (और इससे उपाबृक्ष अनसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख मार्च, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यद्यु विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह  
प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये कथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाकत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन मा अन्य आस्तियों  
को जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाव॑  
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या या किया  
जाना आदि वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलब्धा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

1. श्री लूक्ष्मी राम पूत्र जय चन्द, सूशील महेरा, नरिन्द्र  
महेरा पूत्र डाक्टर लूक्ष्मी राम महेरा, जेल रोड,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री चूनी लाल पूत्र राम सरन दास अजे पूत्र चूनी  
लाल, बासी कटड़ा दूली, गली चाहेवाली,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

3. जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन  
के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संशोधनीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अंय होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो 271-66 वर्ग भी. है जो जेल रोड  
अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड 3691/1 तिथि 11-3-81  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में स्थित है।  
रएके रणनि

आनंद सिंह, आई. आर. एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रँज, 3 अंडपरी टेलर रोड, अमृतसर

तारीख : 19-10-1981  
माहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.टी. --- --- -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 अक्टूबर 1981

निवेंद्र नं. ए. प्स. आर./81-82/257--यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. एक मकान नं. 13बी/13 है तथा जो शिवाजी  
नगर पठानकोट, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाद्धृत  
अनुभूति में और पृष्ठ रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत वर्धिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्त  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उसमें वज्रने में संश्लिष्ट  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
संविधा के लिए;

अमृसंघी

एक मकान नं. 13-बी/13 जो शिवाजी नगर, पठानकोट  
में है जिसका सेल डीड नं. 3466 लिथ 3-3-81 रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी पठानकोट में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, 3 चंद्रपर्णी टोलर रोड, अमृतसर

यतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुमति  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपायारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

17-356G1/81

1. श्रीमती विमला गप्ता विभवा प्रिथ्वी राज, वासी  
मकान नं. 13-बी/13, शिवाजी नगर, पठान-  
कोट।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम सागर पूर्ण दत्त, वासी मकान नं. 13-  
बी/13, शिवाजी नगर, पठानकोट।

(अन्तरिक्त)

3. जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

तारीखः 6-10-1981

माहरः

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 21 अक्टूबर 1981

निवेश नं. ए. एस. आर./81-82/258—यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक दुकान है तथा जो बटाला में स्थित है  
(और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त,  
1981

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्परित का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल के  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिनिधि  
का निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय की धारा, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधान (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकारी:—

1. श्री वरिष्ठ सिंह पुत्र सुन्दर सिंह, वासी महला  
सेलो, सामने डाकघराना कालका।  
(अन्तरक)

2. श्री कमल मनजीत सिंह पुत्र गुरबचन सिंह और  
मनजिंदर पाल सिंह पुत्र इकबाल सिंह, वासी  
डोगरां महला बटाला मालिक सुरिन्द्रा मरीन टूलज  
सिम्बल, जी.टी.रोड, बटाला।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो।  
मैमरज नावलपांडी मरीनरी मेकरज।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में मिलबृद्ध है)

वह यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्तिप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 335 (18' X 45') जो सिम्बल बटाला में है  
जैसा कि सेल डीड नं. 4107 जिथि 27-8-81 रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी बटाला में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, 3 चंद्रपरी टेलर रोड, अमृतसर

तारीख : 21-10-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-प(1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).

अर्जन रेज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 अक्टूबर 1981

निवैशं नं. ए. एस. आर./81-82/259—यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आई० आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास हरने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं. कॉक्टरी बिल्डिंग है तथा जो बटाला रोड़,  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावहन्त्र अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, मार्च 1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वाढ़त उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक  
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा की 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री किशन लाल महरा पुत्र राम दिता मल महरा,  
वासी मकबूल रोड़, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री सरदारी लाल पुत्र श्री जगीरी मल खना 10%,  
श्री संजे कूमार पुत्र श्री चमन लाल 10%, लारैस  
रोड़, अमृतसर मार्फत भैसरज यूनिवर्सिल प्रोसेसरज  
बटाला रोड़, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो  
तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. और कोई  
(वह व्यक्ति, जिसके दारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाक में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

एक फैक्टरी बिल्डिंग नं. 518, 520 मिन खसरा नं.  
1907/224 जो बटाला रोड़, अमृतसर में है जैसा कि सेल  
डीड नं. 1080 तिथि 11-3-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई० आर.एस.  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, 3 अंडागूरी टलेर रोड़, अमृतसर

तारीख : 26-10-1981  
मोहर :

प्रसूप आहू. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आद्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 अक्टूबर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/260—यतः मुझे,  
आनन्द सिंह, आहू.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी में फैक्टरी बिल्डिंग है तथा जो बटाला रोड,  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, मार्च, 1981  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; आरु/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुरिन्द्र कुमार, महिन्द्र कुमार, नरिन्द्र कुमार  
और अशोक कुमार पुत्र द्वारका दास, वासी लारैस रोड,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री विपन कुमार पुत्र चमन लाल और श्री अनुप  
कुमार पुत्र चमन लाल 20%, वासी लारैस रोड,  
अमृतसर मार्फत यूनिवर्सिटी प्रोसेसर बटाला रोड,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

\*3. जैसा कि ऊपर सं. 2 में कोहू किरायेदार है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

\*4. और कोहू।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानकारी है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहू आधोपेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
गही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक फैक्टरी बिल्डिंग नं. 518, 520 मिन खसरा  
नं. 1907/224 जो बटाला रोड, अमृतसर में है जैसा कि  
सेल डीड नं. 10802 तिथि 11-3-81 रजिस्ट्रीकरी अधिकारी  
अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आहू.आर.एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आद्यक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोड, 3 चंद्रपरी टेलर रोड, अमृतसर  
तारीख : 26-10-1981  
मांदूर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 49) की  
भारा 269-व (1) के अभीम सूचना

भारत सरकार

कार्यस्थ, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमरसिंह

अमृतसर, दिनांक 26 अक्टूबर 1981

प्रियंका नं. ए. एस. आर./81-82/261—यतः मुझे,  
आमन्त्र सिंह, आई.आर.एस.  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिने इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के प्रवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं. एक रिहायशी मकान है तथा जो गली दलालं,  
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वरित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कायालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, मार्च, 1981 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्थक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उम्रत भ्रष्टाचार्यम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातु :--

1. श्री जय गोपाल पूर्ण राम शारण वारा, वासी कटड़ा  
भाई मंत सिंह, अमृतसर।  
(अन्तरक)
  2. श्री सुरिन्द्र कुमार पूर्ण जगल किशोर, वासी चौक  
फूलोवाला, अमृतसर।  
(अन्तरिती)
  3. जैसा कि ऊपर से 2 में कोई किरायेवार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
  4. और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूछा गया सम्प्रीति को अर्जन के लिए कार्यवाचिक फरता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड़ भी आधेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तक 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पद्धति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिन्नियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

৩৪৮

एक मकान नं. 1097/10 और 662/10-4 खाना सुमारी  
जो कट्ठा भाई संत सिंह, गली बलालों वाली, अमृतसर में है  
जैसा कि सेल डीड नं. 3657/1 तिथि 9-3-81 रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.

### सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज, 3 चंद्रपरी टेलर रोड, अमृतसर

तारीख : 26-10-1981

सामूहिक :

प्रस्तुप वाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/262—यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. एक मकान है तथा जो गली दलालों कटड़ा  
भाई संत सिंह, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपादान  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1981

क) पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंचाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के भीषण ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उच्चरेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीधत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग. के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जोगिन्द्र नाथ पुत्र बलबीर प्रसाद, 4 बंदर,  
सीता, सीमरती शिवायी पार्क रोड, 4 दादर  
बंदर।

(अन्तरक)

2. श्री गवर्धन दास हरीश अन्द पुत्र किशन देव, वासी  
कटड़ा भाई संत सिंह, गली दलालों, अमृतसर।

(अन्तरिती)

\*3. जैसा कि उक्त सं. 2 में कोई किरायेवार हो।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

\*4. और कोई।

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक मकान नं. 297 और 850 जो कटड़ा भाई संत सिंह  
गली दलालों अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 3620/1  
तिथि 5-3-81 रजिस्ट्रीकरी अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.  
लक्ष्म प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, 3 चंद्रपुरी टलेर रोड, अमृतसर

तारीख : 19-10-1981

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 अक्टूबर 1981

निम्नोंना नं. ए. एस. आर./81-82/263—यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आई.टी.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. साली भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गार्डन  
कालोनी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायदृष्ट  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1981  
को खूबीकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में है इसकी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकल्प नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्री रविन्द्र कुमार पंडि श्री द्वारका दाम, वासी  
लूधियाना अब लारैस रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मीना कुमारी पत्नी श्री पूर्ण चन्द, वासी  
कट्ठा लजाना, अमृतसर।

(अन्तरिती)

\*3. जैसा कि उक्त नं. 2 में कोई किरायेदार है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

\*4. और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

करे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**नामांकन**

1/3 भाग प्लाट नं. 19 जो न्यू गार्डन कालोनी, अमृतसर  
में है जो कि 292.3 वर्ग गज है जैसा कि सेल डीड नं.  
2195/4-5-81 रजिस्ट्रीकरणी अधिकारी अमृतसर में दिया  
है।

आनंद मिंह, आई.टी.आर.एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, 3 चंद्रप्री टलेर रोड, अमृतसर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:—

तारीख : 19-10-1981  
साहूर :

प्रकल्प प्राइंट डी० इन० इन०--

प्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 268-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 नवम्बर 1981

निर्देश नं. ए. एस. आर./81-82/264—यतः मूर्ख, आनंद सिंह, आइ० आर.एस.

प्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), की धारा 268-ए के प्रधीन संतान प्राविकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है और जिसकी मं. एक मकान है तथा जो विजय नगर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूम्य से कम के दृष्टिभूम्य प्रति तल के लिए अनुरित की जाई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि पवार्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्टिभूम्य से अधिक है और भवतरक (अन्तर्कर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नग गया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रवतरण निवित पै वास्तुविह क्षम में कठित नहीं किया जाता है:—

(क) अन्तरण से दूर्दि किसी पाय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी पाय या किसी घन या घन्य प्रासितियों को, त्रिन्हें भारतीय आयकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या घन-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रविनियम की भारा 268-ए के अनुमति में, उक्त प्रविनियम की भारा 268-ए की अनुमति (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

1. श्रीमती राज रानी एत्ती श्री केवल कुण्ड वासी विजय नगर, बटाला रोड, अमृतसर।  
(अन्तर्क)
2. श्रीमती रामा रानी एत्ती श्री रमेश कमार वासी बाजार और कूचा टोकरियां अमृतसर।  
(अन्तर्तीरी)
3. जेमा कि उक्त मं. 2 में कोई किरायेदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग सं मंपत्ति है)
4. और कोई  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मंपत्ति में हितबद्ध है)

वो यह सूचना आरी बरते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के लिए कार्रवाहियों करता है।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा प्रदोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पेशलिकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रविनियम, के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही वर्त्य होगा जो उस प्रव्याय में विद्या यद्य है।

अनुसूची

भाग मकान का जो गली नं. 4, विजय नगर, बटाला रोड, अमृतसर में है जैसा कि सेलडीड नं. 11776/31-3-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आइ० आर.एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, 3 चंद्रपुरी टोलर रोड, अमृतसर

तारीख : 3-11-1981  
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रॉज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 नवम्बर 1981

निवेद्य नं. ए.एस.आर./81-82/265—यतः मर्खे,  
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक मकान है तथा जो विजय नगर अमृतसर  
में स्थित है (और इससे उपावदध अनुसन्धी में और पूर्णरूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम जो इसमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्खे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से, ऐसे इसमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में क्रियान्वयन किया गया है—

(क) अन्तरण से हृहर्ष किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

18—356GI/81

1. श्री केवल कृष्ण पुत्र बद्रधा मर्खे नामी निजय नगर,  
बद्राला रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री रमेश कमार पुत्र गोपन लाल वामी बाजार और  
कुचा टांकरियां अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उक्त सं. 2 में कोई किरायेदार हैं।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

4. और कोई  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरमध्ये व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अमृतसूची

१भाग मकान का जो गली नं. 4, विजय नगर, बद्राला रोड,  
अमृतसर में है जैसा कि मेन डीड नं. 2021/30-4-81  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रॉज़, 3 अंडप्ररी टेलर रोड, अमृतसर

तारीख : 3-11-1981  
माहर :

प्रस्तुप आइ. टी. एन्. एस. ---

1. श्री अमर दास मंहेरा पुत्र इंशार वास मंहेरा वासी वाजार काठियां अमृतसर।  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ(1) के अधीन गृह्णन

2. श्री मनाहर लाल पुत्र श्री लछमन वास वासी वाजार लछमनसर, शान गली, मकान नं 1136 अमृतसर।  
(अन्तरीक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 अक्टूबर 1981।

निवेदन ए. एस. आर /81-82/266—यत भूमि,  
आनंद सिंह, आई आर.एग  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर गंपटिल ज़िले का उचित वाजार मूल्य २५,०००/-  
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं। एक दृकान है तथा जो वाजार काठियां वाले  
अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबूध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख मार्च 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य सं। कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम्बे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरीक्षी  
(अन्तरीक्षीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से अधिसन हरी किया गया है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रदूत शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हरी किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने मा उसमें वज्रने में सविधा के लिए,  
और/या

अमृतसर

एक दृकान तीन मजिला जो एक 56 वर्ग मी के भूमि के प्लाट  
पर बनी है जो वाजार काठियां वाला अमृतसर में है जैसा कि सेल  
डीड नं. 3889/1 तिथि 30-3-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
अमृतसर में दर्ज है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगान्वय अन्तरीक्षी द्वारा प्रकट जानी किया गया  
था या किया जाना चाहिए था विषयाने में मान्यता  
के लिए।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज, 3 चढ़परी टालर रोड, अमृतसर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

तारीख 24-10-1981  
मोहर :

प्रलेप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 अक्टूबर 1981

निवेश नं. प. एस. आर./81-82/267—यतः सभे,  
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं। एक द कान है तथा जो बाजार काठियां बालों अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण न हुई। किसां प्राय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधीक्षित हूँ—

1. श्री विजय कुमार मेहरा, रजिन्द्र कुमार मेहरा पुत्र  
श्री अमर दास मेहरा बासी बाजार काठियां बाला,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गाधा राती पत्नी श्री मनोहर लाल अग्रवाल  
बासी बाजार लछमनसर मकान नं. 1136 घान गली  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

मैंसर्ज लछमन दास मनोहर लाल।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. आंप कार्ह  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यालयांकित करता हूँ।

उमा भवानी ने अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस अधिनियम के प्रधानाय 20 के यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधानाय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक दुकान तीन मंजिला जो एक 56 वर्ग मी. के भौमि के प्लाट पर बनी है जो बाजार काठियां बाला अमृतसर में है जैसा कि सेल डील नं. 3888/1 तिथि 30-3-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, 3 चंदपुरी टलेर रोड, अमृतसर

तारीख : 24-10-1981  
मोहर :

प्रसूप प्राई० टी० एस० एस०—  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1981

निम्नोंनं. प्र. एस. आर./81-82/268—यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आई० आर० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो गांव नंगली अमृतसर में  
स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
मार्च 1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए सम्मति की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चहूं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) ने बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया ग्रन्थालय से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; [पौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

1. श्री बलवंत सिंह पूर्व केसर सिंह वासी गांव नंगली,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री प्रभाशेर सिंह पूर्व मोहन सिंह वासी बसंत एवन्स,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

4. और कोई—  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
बढ़ी अत्र होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 3 कनाल जो गांव नंगली तहसील अमृतसर में है जैसा  
कि सेलडी नं. 10593 तिथि 5-3-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 3 चंद्रप्री टेलर रोड, अमृतसर

तारीख : 6-11-1981

मोहर :

## SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 16th November 1981

No. F. 6/81-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has appointed Shri T. R. Bakhshi, Offg. Court Master (Non-Shorthand knowing) as Offg. Section Officer in the Registry of the Supreme Court of India from November 14, 1981, until further orders.

S. GHOSH,  
Assistant Registrar (Admn.)  
Supreme Court of India

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 5th November 1981

No. A. 32013/3/30-Admn. I.—In continuation of the Union Public Service Commission's Notification of even number dated 23rd June, 1981, the President is pleased to appoint the following officers included in the Select List of CSS officers for the year 1980, for appointment to Grade I thereof, to officiate as Under Secretaries, on a short-term basis for a further period of 3 months w.e.f. 29-9-1981, in the office of the Union Public Service Commission in terms of the Ministry of Home Affairs, Deptt. of Personnel & ARs. OM No. F. 4/11/81-CS (I) dated 25-4-81:—

S. No.	Name	S. No. in the Select List
S/Shri		
1. J.S. Sawhney		9
2. M.P. Jain		84
3. A. Gopalakrishnan		85
4. N.K. Soni		86
5. G.P. Saxena		94

Y. R. GANDHI  
Under Secy. (Admn)  
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DIRECTORATE GENERAL,  
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110022, the 16th November 1981

No. O.II-1577/81-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Birochan Das as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 20-10-1981 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1607/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Ashok Kumar as General Duty Officer Grade-II (Deputy Supdt. of Police/Coy Commander) in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from forenoon of 31st October, 1981 subject to his being medically fit.

No. O.II-1586/81-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) Archana Choudhury as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 6-10-1981 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. SURI,  
Assistant Director (Estt.)

DIRECTORATE OF COORDINATION  
(POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 18th November 1981

No. A.12012/1/81-Admn.—S/Shri H. S. Khera and Sher Singh, Senior Technical Assistants of Directorate of Coordination (Police Wireless) have been promoted to the post of Extra Assistant Director in Directorate of Coordination (Police

Wireless) in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of 23rd, Oct., 1981, until further order.

C. P. JOSHI,  
Director,  
Police Telecommunications

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 1 October 1981

No. E-16014(2)/1/79-PERS.—On expiry of his term of deputation in the CISF on the afternoon of 31st August, 1981 on which date he also attained the age of superannuation, Shri Daljit Singh relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, BHEL, Hardwar.

No. E-32015(2)/2/81-PERS.—The President is pleased to appoint Shri Daljit Singh as Commandant, CISF Unit, BHEL, Hardwar, on re-employment basis with effect from the forenoon of 1st September, 1981.

SURENDRA NATH,  
Director General

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 13th November 1981

No. 11/2/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. M. S. Kumar, an Officer belonging to the Bihar Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Bihar Patna, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of the 12th December, 1980, until further orders.

2. The headquarters of Shri Kumar will be at Darbhanga.

No. 11/2/80-AD. 1.—The President is pleased to appoint, the undermentioned Officers belonging to the Bihar Civil Service, as Deputy Directors of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Bihar, Patna by transfer on deputation with effect from the date as mentioned against each until further orders:—

S. No.	Name of the Officer	Date of appointment	Prescribed headquarters
1.	Shri Mohan Lal	16th February, 1981.	Purnia
2.	Shri A.K. Shrivastava	6th October, 1980	Chhapra

2. This issues in Partial modifications of this office Notifications of even number dated 3-12-1980 and 12-3-1981 respectively

P. PADMANABAHA  
Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE  
DEPARTMENT OF REVENUE  
OFFICE OF THE CUSTOMS, EXCISE AND GOLD  
CONTROL APPELLATE TRIBUNAL

New Delhi, the 26th October 1981

F. No. 6/CEGAT/81(1).—Shri H. V. Pardasani, lately working as Section Officer, in the Ministry of Finance, Department of Revenue, New Delhi, assumed charge as Assistant Registrar, Appellate Tribunal for Customs, Central Excise and Gold Control matters in the forenoon of 1st October, 1981.

R. N. SEHGAL,  
Registrar

## DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

The 16th November 1981

No. AN-II/2606/81-I.—The undermentioned Accounts Officers were transferred to the Pension Establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation:—

Sl. No.	Name with Roster No.	Grade	Date from which transferred to pension Establishment	Organisation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	S/Shri			
1.	V. Sundaresan, P/S	Pt. Accounts Officer	21-1-81 (Voluntary retirement)	Controller of Defence Account (Navy) Bombay.
2.	M.M. Popli, P/520	Do.	31-1-81	Joint Controller of Defence Accounts (Funds) Meerut.
3.	A.K. Nandi, P/398	Do.	31-1-81	Controller of Defence Accounts, Patna.
4.	G.S. Rossa, P/313	Do.	31-1-81	Do.
5.	T.K. Subramanian, P/269	Do.	31-1-81	Controller of Defence Accounts (ORs) South, Madras.
6.	M.G. Sathe O/117	Offg. Accounts Officer.	31-1-81	Controller of Defence Accounts Southern Command Poona.
7.	Satya Narain Bose, O/NYA	Do.	31-1-81	Controller of Accounts (Factories) Calcutta.
8.	Manindra Nath Bose, P/	Pt. Accounts Officer	31-1-81	Do.
9.	M.G. Mankeekar, O/NYA S/Shri	Offg. Accounts Officer	28-2-81	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.
10.	Prithvi Raj Chopra, P/257	Pt. Accounts Officer	28-2-81	Joint Controller of Defence Accounts (Funds) Meerut.
11.	B.L. Baveja, P/189	Do.	28-2-81	Controller General of Defence Accounts, New Delhi.
12.	G.P. Chowdhary, P/202	Do.	28-2-81	Controller of Defence Accounts, Patna.
13.	R. Vemban, P/83	Do.	28-2-81	Controller of Defence Accounts (ORs) South, Madras.
14.	V.N. Gangadharan Nair, P/294	Do.	28-2-81	Controller of Accounts Factories Calcutta.
15.	Amulya Nath Chakraborty, P/96	Do.	28-2-81	Do.
16.	T.G. Srinivasan, O/NYA	Offg. Accounts Officer	28-2-81	Do.
17.	Satyendra Kumar Mitra, O/	Do.	28-2-81	Do.
18.	Nanda Lal Gogia, P/587	Pt. Accounts Officer	28-2-81	Do.
19.	Kundan Lal Sharma, O/NYA	Offg. Accounts Officer	28-2-81	Do.
20.	S. Ramu O/75	Offg. Accounts Officer	31-3-81	Controller of Defence Accounts (ORs) South, Madras.
21.	S. Srinivasan, P/58	Pt. Accounts Officer	31-3-81	Do.
22.	V. Achuthanarayanan, P/427	Do.	31-3-81	Do.
23.	R. Radhakrishnan, O/259	Offg. Accounts Officer	31-3-81	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
24.	K. Chakravarthi, P/151	Pt. Accounts Officer	31-3-81	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
25.	D.R. Sharma,	Do	31-3-81	Controller of Defence Accounts, (Air Force) Dehradun.
26.	G.N. Bhatia, P/344	Do.	31-3-81	Do.
27.	Padam Lal Khatri, P/177	Do.	31-3-81	Controller of Defence Accounts, Patna.
28.	Chittaran Bhattacharjee, P/147	Do.	31-3-81	Do.
29.	Joginder Singh Talwar, P/322	Do.	31-3-81	Do.
30.	Susital Banerjee, P/191	Do.	31-3-81	Controller of Accounts (Factories), Calcutta.

1	2	3	4	5
31.	P. Mahadevan, P/297	Pt. Accounts Officer	31-3-81	Controller of Defence Accounts Navy ) Bombay.
32.	P.K. Bhattacharjee, O/NYA	Offg. Accounts Officer	31-12-80	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad
33.	J.B. Saxena, O/127	Do.	31-1-81	Do.
34.	V.K. Mohan Rao, P/81	Pt. Accounts Officer	31-1-81	Do.
35.	A.K. Sarkar, O/NYA	Offg. Accounts Officer	31-1-81	Do.
36.	P.C. Asthana, P/54	Pt. Accounts Officer	28-2-81	Do.
37.	Rajendra Pal, O/382	Offg. Accounts Officer	28-2-81	Do.
38.	Ram Prakash, O/279	Do.	31-3-81	Do.
39.	D.R. Gorwara, O/276	Do.	31-3-81	Do.
40.	J.N. Mathur, P/431	Pt. Accounts Officer	31-3-81	Do.
41.	O.P. Narang, P/161	Do.	31-3-81	Do.
42.	N.L. Gupta,	Offg. Accounts Officer	31-1-81	Do.
43.	B.D. Nania, O/345	Do.	28-2-81	Do.
44.	K.N. Agarwal, O/83	Do.	28-2-81	Do.
45.	S.D. Sharma P/475	Pt. Accounts Officer	31-3-81	Do.
46.	K.P. Atobal, O/NYA	Offg. Accounts Officer	31-3-81	Do.
47.	S.D. Grover, O/138	Do.	31-3-81	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut,
48.	B.M. Sangar, O/9	Do.	31-3-81	Do.
49.	D.D. Handa, P/349	Pt. Accounts Officer	31-3-81	Do.
50.	M.L. Verma, O/15	Offg. Accounts Officer	31-3-81	Do.
51.	S.V. Phadka, P/148	Pt. Accounts Officer	30-4-81	Do.
52.	S.N. Dandona, P/199	Do.	30-4-81	Do.
53.	S/Shri S. Venkataraman, P/59	Pt. Accounts Officer	30-4-81	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.
54.	B.V. Borgaonkar, P/464	Do.	30-4-81	Do.
55.	N. Ramakrishnan, P/159	Do.	30-4-81	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
56.	P.A. Paranjpee, O/NYA	Offg. Accounts Officer	30-4-81	Do.
57.	J.S. Agte, O/276	Do.	30-4-81	Do.
58.	G. Kalyanasundaram, O/31	Do.	30-4-81	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South Madras
59.	P.V. Prabhakaran Nair, O/NYA	Do.	30-4-81	Do.
60.	S. Malayappan, P/82	Pt. Accounts Officer	30-4-81	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.
61.	M. Ganesan	Do.	30-4-80	Controller of Accounts (Factories) Calcutta.
62.	B.M. Sharma, O/NYA	Offg. Accounts Officer	30-4-81	Joint Controller of Defence Acco unts (Funds) Meerut.
63.	S.P. Nayar, P/45	Pt. Accounts Officer	30-4-81	Do.
64.	N. W. Agashe, O/NYA	Offg. Accounts Officer	30-4-81	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
65.	M.L. Mukherjee P/510	Pt. Accounts Officer	30-4-81	Controller of Defence Accounts, Patna.

1	2	3	4	5
	S/Shri			
66.	P.B Pal. P/193	Pt. Accounts Officer	30-4-81	Controller of Defence Accounts, Patna.
67.	Satyendra Nath Mukherjee	Do.	30-4-81	Controller of Accounts (Factories) Calcutta.
68.	Mrityunjoy Mukherjee, O/NYA	Offg. Accounts Officer	31-5-81	Do.
69.	S.B. Kulkarni, P/103	Pt. Accounts Officer	31-5-81	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
70.	K. Venkataraman, P/206	Do.	31-5-81	Do.
71.	S. Arunachalam, P/420	Do	31-5-81	Do.
72.	J. N. Bedi		31-5-81.	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North Meerut
73.	R.K. Kapur, O/95	Offg. Accounts Officer	31-5-81	Do.
74.	R.K. Ramanathan, P/196	Pt. Accounts Officer	31-5-81	Controller of Defence Accounts (other Ranks) South, Madras.
75.	Bansa Gopal Chatterjee, P/169	Do.	31-5-81	Controller of Accounts (Factories), Calcutta.
76.	S. Ramakrishnan, P/61	Do.	31-5-81	Controller of Defence Accounts (other Ranks) South, Madras.
77.	J. N. Roy, O/NYA	Offg. Accounts Officer	31-5-81	Controller of Defence Accounts, (Pensions) Allahabad.
78.	S. Rama Rao P/201	Pt. Accounts officer	30-4-81	Do.
	S/Shri			
79.	J.R. Bali, P/364	Do.	30-4-81	Do.
80.	D.V. Rama Sastry, P/186	Do.	31-5-81	Do.
81.	T.S. Swaminathan, P/211	Do.	30-6-81	Do.
82.	Resham Singh, P/502	Do.	30-5-81	Do.
83.	Hira Lal Bajpai, P/38	Do.	30-6-81	Do.
84.	N.C. Phadke, P/361	Do.	30-6-81	Controller of Defence Accounts, (Officers) Poona.
85.	M.J. Unkule,	Do.	30-6-81	Controller of Accounts (Factories) Calcutta.
86.	J.N.V. Narasimha Rao, P/550	Do.	30-6-81	Controller of Defence Accounts, (Air Force) Dehradun.
87.	Gobinda Lal Mukherjee, P/285	Do.	30-6-81	Controller of Accounts (Factories) Calcutta.
88.	V. Gopalakrishna Murthy, P/46	Do.	30-6-81	Controller of Defence Accounts, (Other Ranks) South Madras.
89.	Ajit Ram Mehra, P/530	Do.	30-6-81	Controller of Defence Accounts, (Other Ranks) South, Madras.
90.	S. Rangarajan, P/91	Do.	30-6-81	Do.
91.	N.V. Ardhanari, P/319	Do.	30-6-81	Do.
92.	K.B. Nayar P/178	Do.	30-6-81	Controller of Defence Accounts, (Navy) Bombay.
	S/Shri			Do.
93.	S.G. Krishnamachari, P/110	Do.	30-6-81	
94.	A.C. Dutta, O/NYA	Offg. Accounts Officer	31-1-81	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
95.	J.S. Kochhar, O/NYA	Do.	31-1-81	Do.
96.	Balwant Singh Ahuja, P/48	Pt. Accounts Officer	31-1-81	Do.
97.	Sohan Lal Kapur, P/359	Do.	31-1-81	Do.
98.	K.L. Kalra, O/NYA	Offg. Accounts Officer	28-2-81	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.

1	2	3	4	5
99.	Ram Rang Batra, P/314	Pt. Accounts Officer	31-3-81	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut,
100.	Sham Lal Bhalla, P/243	Do.	30-6-81	Do.
101.	N.M. Manajan, P/354	Do.	30-6-81	Do.
102.	S.S. Sharma, P/354-A	Do.	30-6-81	Do.

The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of the undermentioned Accounts Officers.

Sl. No.	Name with Roster No.	Grade	Date of death	Struck off strength of the Deptt.	Organisation
1	2	3	4	5	6
S/Shri					
1.	J.R. Mudgil, O/392	Offg. Accounts Officer	27-11-80	28-11-81 (FN)	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut
2.	C.R. Sadagopan. O/NYA	Do.	15-1-81	16-1-81 (FN)	Controller of Defence Accounts Southern Command Poona.
3.	K.L. Sharma, O/327	Do.	27-7-81	28-7-81 (FN)	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.

A. K. GHOSH,  
Dy. Controller General of Defence Accounts  
(Proj)

MINISTRY OF DEFENCE  
ORDNANCE FACTORY BOARD  
Calcutta-700069, the 13th November 1981

No. 11/81/A/M.—The President is pleased to accept the resignation of the undermentioned Assistant Medical Officers. Accordingly, their names are struck off strength from the Ordnance Factories Organisation from the date mentioned against each:—

Sl. No.	Name and Designation	Name of the Factory where posted	Date	Remarks
1.	Dr. R.Z. Bedmutha, A.M.O.	Ammunition Factory, Kirkee	1-3-80 (FN)	Resigned
2.	Dr. Ranendra Sarkar, A.M.O.	Gun & Shell Factory, Cossipore	30-6-81 (FN)	Do.

No. 12/81/A/M.—The president is pleased to appoint the following Assistant Medical Officers in Ordnance Factories with effect from the dates indicated against each until further orders:—

Sl. No	Name & Post	Posted at	Date
1.	Dr. Gopal Bharath, A.M.O.	Gun Carriage Factory, Jabalpur	13-7-81 (FN)
2.	Dr. M. Shankarappa, A.M.O.	Ordnance Factory, Katni	29-7-81 (FN)
3.	Dr. Amrit Lal Singh, A.M.O.	Ordnance Factory, Muradnagar	30-7-81 (FN)
4.	Dr. Arun Kumar Jain, A.M.O.	Ordnance Factory, Muradnagar	01-8-81 (FN)
5.	Dr. Rajiv Shrivastava, A.M.O.	Clothing Factory, Shahjahanpur	31-8-81 (FN)
6.	Dr. Manajir Hasnain, A.M.O.	Vehicle Factory, Jabalpur	01-9-81 (FN)

19—356GI/81

No. 13/81/A/M.—The President is pleased to make further amendments to the Draft Gazette Notification No. 4/80/A/M dated 12-6-80 as follows:—

(i) *Delete*—Name of Dr. (Mrs) A. S. Jaikumar, AMO with all connected entries.

(ii) Under Column 4 showing date of acceptance of resignation in respect of Dr. S. S. Dawood Saheb, AMO—  
*For : 19-11-79*  
*Read : 11-12-79 (FN)*

(iii) *Renumber* Sl. Nos. appropriately consequent on deletion as at (i) above.

R. G. DEOLALIKAR,  
Addl. DGOF/Member (Personnel)

MINISTRY OF COMMERCE  
(DEPARTMENT OF TEXTILES)  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR  
HANDLOOMS

New Delhi, the 28th October 1981

No. A-12025(i)/5/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 7th September, 1981 and until further orders Shri Bharat Lal as

Assistant Director Grade-I (Weaving) in the Weavers Service Centre, Panipat.

P. SHANKAR,  
Additional Development Commissioner for Handloom

**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS**  
(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi-1, the 5th November 1981

No. A-31013/10/80-A6.—The President is pleased to appoint Shri P. K. Basu, officiating Deputy Director of Inspection (Textiles Branch) (Grade II of Indian Inspection Service Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals substantively in the permanent post of Deputy Director of Inspection (Textiles) with effect from 1-1-1975.

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

The 12th November 1981

No. A-1/1(924).—The President has been pleased to appoint Shri P. V. R. Murty, Assistant Director of Supplies (Grade I) (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') to officiate as Deputy Director of Supplies (Grade II of Indian Supply Service, Group 'A') on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 4-11-81 and until further orders.

2. Shri Murty relinquished charge of the post of Assistant Director of Supplies (Grade I) and assumed charge of the post of Deputy Director of Supplies in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 4-11-1981.

(AMN. SECTION A-6)

The 16th November, 1981

No. A-31013/7/78-A6.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies & Disposals substantively in the permanent posts of Director of Inspection (Grade I of Indian Inspection Service Group 'A') with effect from the date indicated against the name of each officer:—

S. No.	Name	Post held	Post in which confirmed	Date of confirma- tion	Remarks
1	2	3	4	5	6
<b>S/Shri</b>					
1.	Goverdhan N. Gidwani	Director of Inspection	Director of Inspection (Gr. I of Indian Inspection Service Group 'A')	1-8-76	Vice Sh. K. C. Dutta Gupta permanent Director of Inspection retired 31-12-73.
2.	A.K. Guha	Do. (Retd.)	Do.	1-8-76	Vice Sh. P. L. Kathuria Pt. Director of Inspn. retd. on 31-8-74
3.	P.C. Mustafi	Do. (Retd.)	Do.	1-8-76	Vice Sh. L. M. Ray, Pt. Dir. of Inspn. (Retd.) on 30-9-74
4.	Ghansham N. Gidwani	Do. (Retd.)	Do.	19-11-76	Vice Sh. D. T. Gursahani, Pt. Dir. of Inspn. retd. on 15-11-74.
5.	M.T. Kanse	Director of Inspection	Do.	19-11-76	Vice Sh. A. Mitra Pt. Dir. of Inspection confirmed in in the Gr. of DDG (I) w.e.f. 11-11-76

S. L. KAPOOR,  
Deputy Director (Administration)

**ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA  
(KHAN VIBHAG)  
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA**  
Calcutta-700016, the 6th November 1981

No. 7219B/A.19012(2-BS)/80/19B.—Shri B. Satyanarayana, Senior Technical Assistant (Geophys.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 17-7-81 until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY,  
Director General

Calcutta-700016, the 12th November 1981

No. 7322B A/32013(SO)/80-19A.—Shri C. R. Bhattacharjee, Stores Superintendent (Tech.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Stores Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 22-10-1981 until further orders.

J. SWAMI NATH,  
Director General  
Geological Survey of India

**NATIONAL ARCHIVES OF INDIA**

New Delhi-110001, the 12th November 1981

No. F. 11-9/80 (A.1) Estt.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the Director of Archives, Government of India, hereby makes the following appointments on regular temporary basis until further orders :

S. No.	Name and present Designation	Appointment	Date from (F.N.)
1.	Sh. Syed Nisbat Ali Jafry Asstt. Archivist Gr. I (Oriental Records)	Archivist (Oriental Records) (Class II Gazetted) (Oriental Records)	17-10-81
2.	Sh. Pramod Mehra Asstt. Archivist Gr. I (General) (General)	Archivist (General) (Class II Gazetted)	22-10-81

B. S. KALRA  
Administrative Officer  
National Archives of India  
for Director of Archives

## DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 10th November 1981

No. 2/13/61-S II.—The Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri K. P. Menon, Accountant, All India Radio, Calicut to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Tiruchirapalli with effect from 23-10-81.

The 12th November 1981

No. 3/8/64-S II.—The Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri E. V. S. Murthy, Accountant, Doordarshan Kendra Hyderabad to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Vijayawada with effect from 4-11-81.

S. V. SESHADRI,  
Deputy Director Administration  
for Director General.

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 16th November 1981

No. A.12025/3/81-CGHS.I.—Consequent on his appointment to the post of Senior Physician in Ayurveda under Central Govt. Health Scheme, Lodi Road Ayurvedic Hospital, New Delhi, Dr. R. J. Agnihotri assumed charge of the said post with effect from the forenoon of 17-8-1981.

T. S. RAO,  
Deputy Director Adminn. (CGHS. I)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 9th November 1981

No. A-19023/9/79-A.III.—On his attaining the age of superannuation, Shri H. N. Bhatnagar, Marketing Officer of this Directorate at Bombay, retired from Govt. Service in the afternoon of 30-9-1981.

No. A-1925/50/81-A.III.—On the recommendation of the U.P.S.C., Shri Shivshankar Nandanwar has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group I) in this Directorate w.e.f. 12-10-1981 (F.N.) until further orders.

The 10th November 1981

No. A-19025/47/81-A.III.—On the recommendation of the U.P.S.C., Shri T. Ambedkar has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group II) in this Directorate w.e.f. 5-10-1981 (F.N.) until further orders.

B. L. MANIWAR.  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser

## BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

Bombay-400 085, the 16th November 1981

No. PA/85(9)/79-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Kandasamy Manoharan as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in Civil Engineering

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT  
Anushakti-323303, the 9th November 1981

No. RAPP/Recit.3(2)/81/S/64 dated 26-10-1981—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is please to appoint the following Non-Gazetted Technical Staff presently serving in the Rajasthan Atomic Power Project, in a temporary capacity with effect from the date shown against each until further orders.

Sl No.	Name	Designation	Post to which appointed	Date of which assumed charge.
1.	Shri S. M. Sikka	Foreman	SO/SB	1-8-1981
2.	Shri B.M. Malav	SA 'C'	SO/SB	1-8-1981
3.	Shri V.K. Gupta	AA 'C'	SO/SB	3-8-1981
4.	Shri Surjeet Singh	Foreman	SO/SB	1-8-1981

M. L. MALOO)  
Assistant Personnel Officer (R)  
for Chief Project Engineer

Division of this Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of November 2, 1981 until further orders.

A. SANTHAKUMARA MENON,  
Dy. Establishment Officer

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

## POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 6th November 1981

No. PPED/3(283)/76-Est.I/14947.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri B. M. Ganatra, a permanent Accountant and officiating Assistant Accounts Officer in this Division as Accounts Officer-II in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of October 3, 1981 to the afternoon of November 2, 1981 vice Shri C. R. Valia, Accounts Officer-II proceeded on leave.

No. PPED/3(283). 76-Est.I/14948.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri D. L. Gavankar, a permanent Upper Division Clerk in this Division and officiating Accountant as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of October 3, 1981 to the afternoon of November 2, 1981 vice Shri B. M. Ganatra, Assistant Accounts Officer promoted as Accounts Officer-II.

R. V. BAJPAI,  
General Administrative Officer

## DIRECTORATE OF PURCHASE &amp; STORES

Bombay-400 001, the 10th November 1981

No. DPS/21/(2)/78-Est/21949.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Shankar Gopal Jamsandekar, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 from June 1, 1981 (F/N) to September 17, 1981 (F/N) and in a regular capacity with effect from September 17, 1981 (F/N) in the same Directorate until further orders.

No. DPS/23/3/79-Est/21957.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri John Vareed, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer (Ad-hoc) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from May 4, 1981 (F/N) to June 15, 1981 (A/N) vice Smt. Aley Mathews, Assistant Stores Officer granted leave.

K. P. JOSEPH,  
Administrative Officer

## ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-16, the 10th November 1981

No. AMD/2(321)/81-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy is pleased to accept the resignation of Shri V. Vijaykumar, Scientific Officer, Grade SB. Shri Vijaykumar relinquished charge of the post with effect from the afternoon of October 12, 1981.

The 13th November 1981

No. AMD-2/3118/80-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy is pleased to accept the resignation of Shri R. K. Agarwal, Scientific Officer/SB. Shri R. K. Agarwal relinquished charge of the post with effect from afternoon of November 6, 1981.

M. S. RAO,  
Sr. Administrative & Accounts Officer

## HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 10th November 1981

Ref. No. 05012/R5/OP/6146.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Shiv Charan Herma Birua, a temporary Upper Division Clerk in Heavy Water Project (Talcher) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same office, in a temporary capacity, on adhoc basis w.e.f. June 19, 1981 (FN) until further orders.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY,  
Administrative Officer

## REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603102, the 31st October 1981

No. A.32013/13/81/11958.—The Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri G. T. Haribal, a perma-

nent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) of this Centre as temporary Scientific Officer/Engineer Grade SB in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from August 11, 1981.

S. PADMANABHAN,  
Administrative Officer

## MINISTRY OF TOURISM &amp; CIVIL AVIATION

## INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 16th November 1981

No. I(I)/07193.—The President is pleased to appoint Smt. N. Jayanthi as Meteorologist Grade II in the India Meteorological Department in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30th September, 1981 and until further orders.

S. K. DAS,  
Additional Director General of Meteorology

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 22nd October 1981

No. A-35018/6/79-EI.—In continuation of this Office Notification of even number dated 26-2-81 the President is pleased to sanction continuation of deputation of Sh. K. K. Nagar an officer of Intelligence Bureau, to the post of Assistant Director, Civil Aviation Security (Pay Scale Rs. 1200—1800 plus Rs. 300/- special pay per month) in the Civil Aviation Security Organisation of the Civil Aviation Department for a further period of one year with effect from 20-7-81.

S. GUPTA,  
Dy. Director of Administration  
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 31st October 1981

No. A32013/8/80-ES.—The President is pleased to appoint the following officers to the grade of Dy. Director/Controller of Aerodromes on a regular basis with effect from the date mentioned against each and until further orders :—

Sl. No.	Name	Station of posting	Date of promotion
1.	Shri S. Bhat,	Dy. Director Palam	12-2-81
2.	Shri R.N. Bhatnagar	Dy. Director Madras	30-5-81
3.	Shri K.N. Behl.	Dy. Director Bombay	2-4-81 (AN)
4.	Shri K.C. Duggal.	Dy. Director Plg. (Hqd)	2-5-81
5.	Shri I.M. Tuli	Dy. Director Hyderabad Airport.	20-5-81

S. GUPTA  
Dy. Director of Admin

New Delhi, the 13th November 1981

No. A.32013/6/80-ES.—The President is pleased to appoint Shri Satindra Singh to officiate as Deputy Director of Air Safety (Engg.)/Regional Controller of Air Safety (Engg.) on regular basis and until further orders with effect from 16-9-1981 in the office of the Regional Director, Delhi Region, Safdarjung Airport, New Delhi.

No. A.32013/1/81-ES.—The President is pleased to appoint Shri M. L. Nagar to officiate as Assistant Director of Air Safety (Engg.)/Senior Air Safety Officer (Engg.) on regular basis and until further orders with effect from 16-9-1981 in the office of the Director General of Civil Aviation, R. K. Puram, New Delhi.

J. C. GARG  
Asst. Dir. of Admn.

## OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 9th November 1981

No. 1/124/81-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Asa Singh, Supervisor, New Delhi as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch, with effect from the forenoon of the 1-9-1981 and until further orders.

H. L. MALHOTRA  
Dy. Director (Admn.)  
for Director General

**COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND  
CUSTOMS**

Guntur-4, the 3rd October 1981

No. 11/81 (Estt.)—The following Group-B (Gazetted) Officers have retired from service on attaining the age of superannuation on the dates noted against each:—

Sl. No. & Name of the Officer	Place where retired.	Date of retirement (in the (After-noon)
<b>S/Shri</b>		
1. S. Rahiman Shariff, Supdt. of C.E.	Ongole Range .	31-5-81
2. M. Ezaz Hussain, Supdt. of C.E.	Vizag-I Divn.	30-6-81
3. Y. V. Krishna Rao, Supdt. of C.E.	Kakinada-II Range.	30-6-81
4. N. Kameswara Rao, Supdt. of C.E	Bobbili Range.	30-6-81
5. V. A. Suryanarayana Murty, Supdt. of C.E.	Rajahmundry Division	30-6-81
6. J. Lingamurthy, Supdt. of Central Excise.	Kakinada-I Range	31-7-81
7. S. Raghavendra Rao, Asst. Chief Accounts Officer.	Hqrs. Office, Guntur.	31-7-81
8. M.M.A.K. Hydari, Supdt. of Central Excise.	Machilipatnam Range.	31-8-81

No. 12/81 (Estt.)—The following officers in the grade of Office Superintendents/Inspector of Central Excise (S.G.) who have appointed as Admn. Officers/Examiners of Accounts and Superintendents of Central Excise, Group-B (Gazetted) Officers respectively have assumed charge on the dated noted against each:—

Sl. No. & Name of the Officer.	Place of posting	Date of assumption of charge.
<b>S/Shri</b>		
1. D. Subramanyam, Supdt. of C.E.	Kadiam Range.	29-8-81
2. M. Venkateswararao, Supdt. of C.E.	Bhimavaram Range.	29-8-81
3. M. Devadas, Supdt. of C.E.	Machilipatnam Range.	31-8-81
4. Md. Tippukhan, Examiner of Accounts.	Hqrs. Office, Guntur	A. N. 29-8-81
5. Ch. V. Krishnamurthy, Admn. officer.	Guntur Divn.	29-8-81 A.N.

No. 13/81-(Lstt.)—Shri P. Bhiksheswara Rao, Superintendent of Central Excise, Group-B (Gazetted) Kadiam Range, expired on 7-8-81.

D. KRISHNAMURTI  
Collector

**COLLECTORATE OF INSPECTION & AUDIT  
CUSTOMS & CENTRAL EXCISE**

New Delhi, the 12th November 1981

No. 16/81.—Shri A. K. Deb Roy, lately posted as Assistant Collector, Collectorate of Central Excise and Customs,

West Bengal, Calcutta on transfer to the East Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise, at Calcutta vide Department of Revenue Order No. 81/1981 (D. No. A-22012/18/81-Ad.(I)) dated 13-5-81, assumed charge of the post of Assistant Director, Group 'A' on 3-10-1981 (afternoon).

S. B. SARKAR  
Director of Inspection.

**MINISTRY OF RAILWAYS**

**(RAILWAY BOARD)**

New Delhi, the 10th November 1981

No. 80/EB-I/1500/8.—It is hereby notified for general information that Khandwa-Akola-Purna metre gauge section has been transferred from the jurisdiction of Bhusaval Division of Central Railway to the Hyderabad (M.G.) Division of South Central Railway with effect from 1/4/1981. The jurisdiction of Hyderabad (M.G.) Division will now extend upto Khandwa with corresponding reduction in the jurisdiction of Bhusaval Division.

The adjustment has been made in the interest of improving the operational efficiency/management control and giving a more satisfactory service to rail-users in the area.

No. 79/EB-I/1500/8.—It is hereby notified for general information that Nandyal (exclusive)—Donakonda (exclusive) metre gauge section has been transferred from the jurisdiction of Vijayawada Division of South Central Railway to the Guntakal Division of that Railway with effect from 1/10/1981. The jurisdiction of Guntakal Division will now extend upto Donakonda (exclusive) with corresponding reduction in the jurisdiction of Vijayawada Division.

The adjustment has been made in the interest of Railway's day-to-day administration for improving the operational efficiency in the area.

HIMAT SINGH  
Secy of Railway Board &  
*ex officio* Joint Secretary

**OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES**

**MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY  
AFFAIRS**

**(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
(COMPANY LAW BOARD)**

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Immuno Chemical Laboratory Limited  
West Bengal, the  
1981*

No. 11942/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Immuno Chemical Laboratory Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYAN  
Asstt. Registrar of Companies,  
West Bengal

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. Rahuman Chit Fund Private Limited*

Madras-600 006, the 7th November 1981

No. 5577/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Rahuman Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. R. S. Sundaram Chit Fund Private Limited*

Madras-600 006, the 7th November 1981

No. 5694/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. R. S. Sundaram Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. Marketing and Engineering Consultants Pvt. Ltd.*

Madras-600 006, the 7th November 1981

No. 5591/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Marketing and Engineering Consultants Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. Vishram Electricals & Equipment Company Pvt. Ltd.*

Madras-600 006, the 7th November 1981

No. 5978/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Vishram Electricals & Equipment Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. T B N. Bus Private Limited*

Madras-600 006, the 7th November 1981

No. 4404/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. T.B.N. Bus Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. Southern Steel and Alloy Casting Limited*

Madras-600 006, the 7th November 1981

No. 5311/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Southern Steel and Alloy Casting Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. Broadway Benefit Chits Private Limited*

Madras-600 006, the 7th November 1981

No. 5286/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Broadway Benefit Chits Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. Sri Ranganathan Motor Service Private Limited*

Madras-600 006, the 7th November 1981

No. 4119/560(5)81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Shri Ranganathan Motor Service Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. Soundara Raja Bus Transports Private Limited*

Madras-600 006, the 7th November 1981

No. 6003/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Soundara Raja Bus Transports Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. Sri Selva Vinayagar Murugan Textiles Private Limited*

Madras-600 006, the 7th November 1981

No. 3443/560(5)81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sri Selva Vinayagar Murugan Textiles Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. Ramkumar Movies Private Limited*

Madras-600 006, the 7th November 1981

No. 5535/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Ramkumar Movies Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. Miran & Company Private Limited*

Madras-600 006, the 7th November 1981

No. 5109/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Miran & Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. Om Sakthi Printers Private Limited*

Madras-600 006, the 7th November 1981

No. 5169/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Om Sakthi Printers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. East Coast Engineering Company Private Limited*

Madras-600 006, the 7th November 1981

No. 5325/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. East Coast Engineering Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. V.C.T. Funds Tiruchy Private Limited*

Madras-600 006, the 7th November 1981

No. 5520/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. V.C.T. Funds Tiruchy Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. Sharon Private Limited*

Madras-600 006, the 7th November 1981

No. 5476/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sharon Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. Sakuntala Roadways Private Limited*

Madras-600 006, the 12th November 1981

No. 4091/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that the name of M/s. Sakuntala Roadways Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. Musiri Pulivalam Transports Private Limited*

Madras-600 006, the 12th November 1981

No. 3750/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Musiri Pulivalam Transports Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. Vijayalakshmi Foundries Private Limited*

Madras-600 006, the 12th November 1981

No. 4401/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Vijayalakshmi Foundries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. Mani Muralee Transports Private Limited*

Madras-600 006, the 12th November 1981

No. 4468/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Mani Muralee Transports Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. Thenmozhi Chit Fund Private Limited*

Madras-600 006, the 12th November 1981

No. 4664/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Thenmozhi Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. U.T.S. Bus Service Private Limited*

Madras-600 006, the 12th November 1981

No. 4775/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. U.T.S. Bus Service Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. Pandian Fertilisers & Oil Mills Private Limited*

Madras-600 006, the 12th November 1981

No. 4860/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Pandian Fertilisers & Oil Mills Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. Chandra Prasad Transport & Agency Private Limited*

Madras-600 006, the 12th November 1981

No. 4104/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Chandra Prasad Transport & Agency Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 of  
M/s. Navasakthi Commercial Traders Private Limited*

Madras-600 006, the 12th November 1981

No. 4768/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Navasakthi Commercial Traders Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S./- ILLEGIBLE  
Asstt. Registrar of Companies  
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Motilal Sons Private Limited*

Ahmedabad, the 13th November 1981

No. 421/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Motilal Sons Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Gujarat Fibre Glass Manufacturing Company Pvt. Ltd.*

Ahmedabad, the 13th November 1981

No. 2716/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of the three months from the day hereof the name of the Gujarat Fibre Glass Manufacturing Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. Y. RANI  
Asstt. Registrar of Companies,  
Gujarat

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shrimati Swaraj Patni, Quarter No. 2,  
Maharani College, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Tikam Das, 413-A,  
Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR  
Jaipur, the 2nd November 1981

Ref. No. IAC/Acq/1083.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-27 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 13-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot No. A-27, Moti Doongari Extension Scheme, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his registration No. 586 dated 13-3-81.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

M. L. CHAUHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 2-11-81  
Seal :

**FORM ITNB**

- (1) Shri Shambhu Dayal S/o Bihari Lal Gupta,  
5 Kaa 6, Jawahar Nagar, Jaipur.  
(Transferor)
- (2) Shrimati Lalita Devi W/o Krishna Kishore Khanna,  
Sethi Colony, Jaipur.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 2nd November 1981

Ref. No. IAC/Acq/1077.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 2A situated at Jaipur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 2-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Shop No. 2A, situated at Arjun Lal Sethi Colony, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide his registration No. 1054 dated 2-5-81.

M. L. CHAUHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
20—356GI/81

Date : 2-11-81  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 2nd November 1981

Ref. No. IAS/Acq/1074.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 5 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 25-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Dilip Singh Nathawat S/o Shri Mandata Singh L/H Arjun Singh S/o Shri Mandata Singh, Devi Sadan, C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Padam Singh S/o Shri Amolak Singh Verma, resident of Civil Line, Kota.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land measuring 550 sq. yd. at Plot No. 5, C-Scheme, Chomu House, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide his No. 709 dated 25-3-81.

M. L. CHAUHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-11-81

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 2nd November 1981

Ref. No. IAC/Acq/1076.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-4 situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 31-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Vinod Kumar S/o Triloki Nath Khurana, House No. 149, Punjab Housing Board Colony, Bhaktawala, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shrimati Krishna Khurana W/o Vishveshwar Nath Khurana, 367, Raja Park, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Shop & basement land area situated at Plot No. A-4, Jayanti Market, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his registration No. 761 dated 31-3-81.

M. L. CHAUHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-11-81

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd November 1981

Ref. No. IAC/Acq./1075.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-4 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 31-9-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Vinod Kumar Khurana S/o Sh. Triloki Nath Khurana, House No. 149, Punjab Housing Board Colony, Bhaktawala, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Mukul Khurana minor son of Vishweshwar Nath through Smt. Krishna Khurana guardian, House No. 367, Raja Park, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Ground floor & first floor of Shop No. A-4, situated at Jayanti Market, M.I. Road, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his No. 762 dated 31-3-81.

M. L. CHAUHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

NOW, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-11-81  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) General Himmat Singh, 17 Civil Lines,  
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Virendra Singh, Plot No. 3,  
Bungalow No. 17, Civil Lines,  
Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd November 1981

Ref. No. IAC/Acq./1084.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 20-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 3, Bungalow No. 17, Civil Lines, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his registration No. 929 dated 20-4-81.

M. L. CHAUHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-11-81

Seal :

**FORM ITNS**

- (1) Shrimati Chanda Devi Bhandari W/o Shri Sumer Mal Bhandari, Matharu House, Opposite Manoj Cinema, Kota (Raj.).  
 (Transferor)
- (2) Shri Shanti Kumar Sethi & Smt. Kamini Sethi, Sethi Bhawan, Hanumanji Ka Rasta, Jaipur.  
 (Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 2nd November 1981

Ref. No. IAC/Acq/1085.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3-A situated at Jaipur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot No. 3(A) measuring 750 sq. yds. situated at Bhawani Singh Marg, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his registration No. 1711 dated 8-7-81.

M. L. CHAUHAN,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Jaipur

Date : 2-11-81  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS —————****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001**

Bangalore-560001, the 24th October 1981

Notice No. 367/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITH KUMAR RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CS. No. 162/36 situated at Ward No. 3, Deshpande nagar, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli under document number 2719 on 16-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Gurusiddesh Virupaxappa Karindi.  
2. Shri Umesh Virupaxappa Karindi.  
R/o. Byahatti plot, Deshpandenagar,  
Hubli.

Transferor (s)

(2) Shri V. S. Kuradekar.  
C/o M/s. Shree Gururaghavendra  
Jewellery Mart, R. K. Galli,  
Hubli.

Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

[Registered Document No. 2719 Dated 16-3-81]

Open site measuring 442-8/9 sq. yards bearing C.S. No. 162/36 situated at ward No. 3, Deshpandenagar, Hubli.

V. N. LALITH KUMAR RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 24-10-81.

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001**

Bangalore-560001, the 24th October 1981

C.R. No. 62/29869/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Premises bearing No. 10 situated at St. John's Road, Civil Station, Bangalore and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Document No. 4258/80-81 on 3-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri I. A. Patel,  
S/o Dr. A. M. Patel,  
Residing at No. 3-6-326,  
Basheer Bag,  
Hyderabad-A.P.

(Transferor)

(2) M/s. Rajarajeswari & Co.,  
by partners  
1. Sri A. J. Padmanabhan  
2. Sri A. J. Loganathan  
both sons of late Sri A. C. Janakiram  
Modaliar No. 38, St. John's Road,  
Bangalore-42.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

[Registered Document No. 4258/80-81 Dated 3-3-1981]

All that property in the premises bearing No. 10, consisting of an old building, compound wall and vacant sides, situated at St. John's Road, Civil Station, Bangalore-42. Bounded by—

East by—Thoppa Modaliar Garden  
West by—Laxmi Theatre  
North by—Passage to Thoppa Modaliar—charities  
South by—Annaswamy Mudaliar Road.

V. N. LALITH KUMAR RAO,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 24-10-81.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 23rd October 1981

Ref. No. AC-59/ACQ.R-IV/Cat/81-82.—Whereas, I. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 95 situated at Sambhu Halder Lane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 10-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Gourchand Rakshit  
s/o Late Amarendranath Rakshit  
of 95, Sambhu Halder Lane,  
P.S.M.P. Ghora, Dist.-Howrah.

(Transferor)

(2) Smt. Gita Rani Rakshit,  
w/o Sri Gour Chand Rakshit,  
of 95, Sambhu Halder Lane,  
P.S. M.P. Ghora, Dist.-Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land—3 Cottah 2 sq. ft., 95, Sambhu Halder Lane, P.S. M.P. Ghora, Dist.-Howrah. Deed No. 1306.

**K. SINHA.**

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range IV  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor)  
Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
21—356GI/81

Date : 23-10-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
VRINDAVAN, GANGANAGAR, UNIT-IV,  
BHUBANESWAR

Bhubaneswar, the 4th November 1981

Ref. No. 6/ACQ/R/BBS/81-82.—Whereas, I, P. K. MISHRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1155 situated at Cinduria, Nayagarh  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Bhubaneswar on 11-3-1981

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Shri Gopinath Routaray, S/o Jagabandhu Routaray  
At Dhabalai, P.O. Lenkudipada, P.S. Nayagarh,  
Dt. Puri.  
(Transferor)

(2) Smt. Sushilabala Mishra,  
W/o Shri Baikunthanath Mishra,  
At Jagannathpur, P.O. Chahali,  
P.S. Nayagarh, Dt. Puri.  
(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

**THE SCHEDULE**

Mouza Cinduria, P.O. No. 476, Khata No. 812, Plot No.  
1201, Area A 0.15 Hal plot No. 1955, Area A 0.20, land  
with building at Nayagarh.

P. K. MISHRA,  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date : 4-11-81  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,  
VRINDAVAN, GANGANAGAR, UNIT-VI,  
BHUBANESWAR

Bhubaneswar, the 14th October 1981

Ref. No. 4/81-82/IAC(A/R), BBS.—Whereas I, P. K. MISHRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 2323, situated at Plot No. 5E, Kalpana Area, Bhubaneswar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhubaneswar on 3-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and, I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Harekrushna Mohanty,  
s/o late Guru Charan Mohanty,  
Vill. Daruthenga, P.S. Chandaka,  
Distt. Puri.

(Transferee)

(2) Smt. Binodini Dhalbishi, w/o Keshab Chandra Dhalbishi, Vill. Garh Talmul, P.O. Talmul, Distt. Dhenkanal.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 5E, Drawing No. 821 behind Kalpana Cinema land with building.

P. K. MISHRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date : 14-10-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 30th October 1981

Ref. No. P.R. No. 1208 Acq. 23-II/81-82.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 128/1/2 (Part), situated at Nabhoi Village, Gandhinagar District (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar in 31-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Bai Jivkorben Jordas, Nava Koba Taluka, Gandhinagar.

(Transferor)

(2) 1. Shri Anand S. Sarabhai, The Retreat, Shahibag, Ahmedabad-380004.  
2. Smt Ashu Sarabhai, The Retreat, Shahibag, Ahmedabad-380004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open land bearing S. No. 128/1/2 (Part), situated at village Nabhoi in Gandhinagar District and as fully described in sale-deed bearing Regn. No. 500 registered in the office of Sub-Registrar, Gandhinagar, on 31-3-1981.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-10-1981

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Ottandas Shamandas Khubchandani,  
Sumer Club Road,  
Jamnagar.  
(Transferor)
- (2) 1. Shri Purushottam Damjibhai Sudaria,  
Ranjit Nagar, Block No. F/3, Flat No. 465,  
Jamnagar.  
2. Arjanbhai Jivabhai Kanani,  
12, Hatkeshwar Society,  
Jamnagar.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd November 1981

Ref. No. P. R. No. 1431 Acq. 23-1/81-82.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 14 paiki, Plot No 61 & 76, H. No. 814, situated at Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jamnagar on 3-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated near Gulabnagar at R.S. No. 14, paiki Plots No. 61 & 76, Ward No. 12, H. No. 814. Land area adm. 11550 sq. ft. i.e. 1071.85 sq. mts. constructed area 372 sq mts. as fully described in sale deed registered with Registering Authority at Jamnagar vide Regn. No. 648 dated 3-3-1981.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 3-11-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380009, the 4th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1432 Acq. 23-I/81-82.—Whereas I. G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 137 situated at Limda Lane, Opp. Congress House, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jamnagar on 26-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Chandrakant Amrutlal Doshi, Karta & Manager of Shri Chandrakant Amrutlal Doshi and P.A. holder of Smt. Chandravatiben Chandrakant, and Himansu Chandrakant, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Smt. Pravinaben Hematalal Bhayani; 'Bhayani Mention', Gurudwar Road, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open plot of land situated at Limda Lane, Jamnagar, bearing Main Part G. Sheet No. 11, S. No. 137 paiki land adm. 4340 sq. ft. i.e. 403.19 sq. mts. and as fully described as per sale deed No. 1015 registered in the office of the Sub-Registrar, Jamnagar on 26-3-1981.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 4-11-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009  
Ahmedabad-380009, the 4th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1435 Acq. 23-I/81-82.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 108/1, Plot No. 12, situated at Jamnagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jamnagar on 16-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Narottam Ladhu Shah, through his Power of Attorney Holder, Shri Anirutlal Velji Dodhia, Hunner Shala, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Natha Vajashi, Shri Ramsi Meraman, Village Chur, Tal. Talyanpur, Dist. Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land admeasuring 747.85 sq. mts. (Approx.) situated Near Airodrome Road, Rev. S. No. 108/1 paiki Plot No. 12 and as fully described as per sale-deed No. 816 registered in the office of the Sub-Registrar, Jamnagar on 16-3-1981.

G. C. GARG  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 4-11-1981  
Seal :

**FORM I.T.N.S.—**

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 4th November 1981

Ref. No. P.R. No. 1433 Acq. 23-1/81-82.—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 471-472 paiki Plot No. 17, 18, 23, 27 to 31, situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 25-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Partners of M/s. Bhupatrai Shivram  
1. Shri Bhupatrai Shivram Vyas  
2. Shri Maganlal P. Joshi  
3. Shri Jayant B. Vyas  
4. Shri Bhupatrai Maganlal Joshi,  
39, Prahlad Plot, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Aradhana Coop. Housing Society Ltd.  
President: Shri Bhalabhai K. Chavda,  
3, Nava Thorala, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land admeasuring 6011.7 sq. yds. situated at Rajkot S. No. 471, 472 paiki Plot No. 17, 18, 23, 27-28-29-30 & 31 and as fully described in sale-deed registered vide No. 2049 registered in the office of the Sub-Registrar, Rajkot on 25-3-1981.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 4-11-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,**

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009  
Ahmedabad-380009, the 4th November 1981

Ref. No: P.R. No. 1434 Acq. 23-I/81-82.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section

269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 108/1 paiki Plot No. 8, situated at Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 16-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—356GI/81

(1) Shri Nathalal Meghji Shah, through his Power of Attorney Holder, Shri Amratlal Vedji Dodhia, Hunnar Shala, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Ram Dadu  
Shri Arjan Dadu,  
Village Chur, Tal. Kalyanpur,  
Dist. Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land admeasuring 702.32 sq. mts. Rev. S. No. 108/1 paiki Plot No. 8 and as fully described as per sale-deed No. 815 registered in the office of the Sub-Registrar, Jamnagar on 16-3-1981.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 4-11-1981

Seal :

**FORM ITNS**(1) Shri Vuli Abhram Bagas;  
Bholav, Broach.

(Transferees)

(2) Shri Dahyabhai Shankerbhai Patel;  
52, Kunj Society, Alkapuri, Baroda.

(Transferors)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDILOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 6th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1209.Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 70 situated at Bholav, Broach (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Broach on 25-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

The land at S. No. 70, Bholav, Broach duly registered on 25-3-1981.

G. C. GARG,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 6-11-1981.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**(1) Shri Vali Abhram Bagas;  
Bholav, Broach.

(Transferees)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1210.Acq.23-II/81-82.—Whereas, I,  
G. C. GARG,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

S. No. 70 situated at Bholav, Broach  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Broach on 25-3-181  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(2) Shri Bhaskarbhai Shankerbhai Patel;  
52, Kunj Society, Alkapuri, Baroda.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

The land at S. No. 70, Bholav, Broach duly registered on  
25-3-1981.

G. C. GARG,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Dated : 6-11-1981.  
Seal :

## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1211.Acq.23-II/81-82.—Whereas, I,

G. C. GARG,

Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 49, Hissa No. 4, situated at Village Nandeval, Broach

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on 27-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ismail Umarji Mohmad;  
Village—Umraj Taluka : Broach.  
(Transferees)(2) M/s. Asiana Enterprises;  
1. Shri Gulam Mohmad Abdul Rehman Amroliwala;  
Noora Dosa Bldg., Baranpuri Bhagal, Surat.  
2. Shri Ismail Ibrahim Fruitwala;  
Dabhoiav, Broach.  
3. Munirabibi Abdul Majid;  
Turava Mahollo, Surat.  
4. Julekhabibi Gulam Mohmad;  
Gusvad, Broach.

Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property at Nandeval, Broach S. No. 49, House No. 4, duly registered on 27-3-1981.

G. C. GARG,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.Dated : 6-11-1981.  
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Maganbhai Turabhai Solanki;  
Zadeswar, Taluka; Broach.

(Transferors)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II

Ahmedabad-380 009, the 6th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1212.Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 26 situated at Bholav, Broach (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on 18-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The property at S. No. 26, Bholav, duly registered on 18-3-1981.

G. C. GARG,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 6-11-1981.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Manibhai Dahyabhai Naik;  
Vijalpur, Navsari.

(Transferors)

(2) 1. Shri Mansukhbhai Manibhai Patel;  
2. Shri Naginbhai Gulabbhai Patel;  
Lunsi-kui, Navsari.

(Transferees)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II

Ahmedabad-380 009, the 7th November 1981

Ref. No. P. H. No. 1213-Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 144/4, 166, & 166/4, 183/1, 190/2/1 & 190/2/3, 190/H-3; 197/1, 197/2 & 197/3, 166/1 situated at Vijalpur, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Navsari on 13-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The property at S. No. 144/4, 166 & 166/4, 183/4, 190/2/1 and 190/2/2, 190/2/3, 190/4-3, 197/1, 197/2+197/3 and 166/1 at Vijalpur, Navsari duly registered on 13-3-1981.

G. C. GARG,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 7-11-1981.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II**

Ahmedabad-380 009, the 7th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1214Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 163 situated at Dungari, Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Mahmud Adam Musa Agarbattiwala; Broach. (Transferor)
- (2) Shri Budhiyabhai Samabhai; Laxmi Organisor, Nr. Budhadev Market, Sevashram, Broach. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property at R. S. No. 163, Dungari, duly registered at Broach.

G. C. GARG,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 7-11-1981.

Seal :

**FORM ITNS—**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**  
**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II**

Ahmedabad-380 009, the 7th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1215.Acq.23-II/81-82.—Whereas, I,  
**G. C. GARG**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of  
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
 moveable property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 25,000/- and bearing No.  
 Nondh No. 875 Wd. No. 13, New Majura S. No. 96 situated  
 at Surat  
 (and more fully described in the Schedule annexed  
 hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
 Surat on March, 1981  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceed, the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the parties  
 has not been truly stated in the said instrument of transfer  
 with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Vasantlal Jekisandas Rana being P. A. Holders;  
 9, Sangna Coop. Society, Runder and partners;  
 M/s. Ishvarlal & Bros.  
 Nagindas Mulchand;  
 Jekisandas Mulchand;  
 Bhagvandas Mulchand;  
 Jamnadas Mulchand;  
 Ambaji Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Jayeshkumar Amritsingh Thakor;  
 Mathuresh Coop. Hsg. Society,  
 Chandod Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing\* to the undersigned :—

(a) by any or the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days  
 from the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
 property, within 45 days from the date of publication  
 of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA, of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in  
 that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The land at Majura, Nondh No. 475, Wd. No. 13, New  
 Majura No. 96, duly registered in March, 1981 at Surat.

G. C. GARG,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
 ing persons, namely :—

Dated : 7-11-1981.  
 Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II**

Ahmedabad-380 009, the 7th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1216.Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 63/A Paiki land situated at Umra, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 3rd March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Hiralal Mulchand Karsan; 21, Vijayvadi, Chor Bazar, Bombay-400 002.

(Transferor)

(2) President : Triveniben Ashokbhai Mehta; Shahpor, Surat. Secretary : Shaileshbhai Arvindbhai Shar; Mahalaxmi Apartment, Nanpura, Surat. Anand Apartment Coop. Hsg. Society, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

The property at S. No. 63/1 (Paiki) land situated at Umra, Surat duly registered on 3-3-81 at Surat.

G. C. GARG,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 7-11-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—356GI/81

## FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II

Ahmedabad-380 009, the 6th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1217.Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 163 paiki land situated at Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on 19-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Mohammad Musa Abhram;  
Chhor-pura, Broach.  
2. Mohammad Adam Musa;  
Dungari, Broach.

- (2) Laxmi Organiser;  
Budhadev Market, Surat.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 163, duly registered on 19-3-1981 at Broach.

G. C. GARG,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 6-11-1981.  
Seal :

**FORM I.T.N.S.—**

- (1) Laxmi Organiser;  
Budhdev Market, Broach.  
(Transferor)
- (2) Laxminagar Coop. Housing Society Ltd.  
Panch Batti, Budhdev Market, Broach.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-JI**

Ahmedabad-380 009, the 6th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1218.Acq.13-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R. S. No. 163 paiki land situated at Broach (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on 19-3-1981 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property at R. S. No. 163, duly registered on 19-3-1981 at Broach.

G. C. GARG,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 6-11-1981.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II

Ahmedabad-380 009, the 6th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1219.Acq.23-II/81-82.—Whereas, I,  
G. C. GARG,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

S. No. 110 paiki land situated at Ali Broach  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering officer at  
Broach on 23-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (1) Somabhai Dhanjibhai;  
Ganpatbhai Dhanjibhai;  
Mangubhai Dhanjibhai;  
Broach.

(Transferor)

- (2) Partner of Sanjay Organiser;  
1. Farasram Ratilal Bhamwala;  
2. Farasram Ratilal Bhamwala;  
3. Rajen Baldevbhai Shah;  
Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, whichever  
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
**(27 of 1957);**

**THE SCHEDULE**

Land at Ali S. No. 110 (paiki) duly registered at Broach.

G. C. GARG,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Dated : 6-11-1981.  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) 1. Shri Chandubhai Mathurbhai Patel;  
2. Shri Bh/agwiM bahnahmb/ mhrfsm/  
Zadeswar, Broach.

(Transferor)

- (2) Partners of Sanjay Organiser;  
1. Farasram Patilal Bhamwala;  
2. Nagibhai Maneklal Chunawala;  
3. Rajen Baldevbhai Shah;  
Broach.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1220-Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on 13-3-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDEULE

Property at Bholav, S. No. 69 (Paiki), duly registered at Broach.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 6th November, 1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1221-Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 105/2-A & 2-B, C. S. No. 3410 & 3412 situated at Kasak, Broach

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on 7-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Thangesh Panalal Shah;  
Broach.

(Transferor)

(2) Partners of Sky Lime;  
1. Farasram Ratilal Bhamawala (HUF).  
2. Navinbhai C. Modi (HUF).  
3. Usha Rajen Shah;  
4. Surtiben Dineshchandra,  
Broach.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property at R. S. No. 105/2A and 105/2B, C. S. No. 3410 & 3412 duly registered at Broach.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated : 6th November, 1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th November 1981

Ref. No. P.R. No. 122-Acq-23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 280-2-1 + 2-2, Plot No. 1 to 6 situated at Vapi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908<sup>1</sup> (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Pardi on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Champaben Gulamhusein Khoja;  
Vapi, Taluka : Pardi.  
2. Shahbuddin Gulamhusein Khoja;  
3. Mohamadali Gulamhussein Khoja;  
Vapi, Taluka : Pardi.

(Transferor)

- (2) 1. Zahedabibi Kudir Husein;  
2. Zakir Abdul Rehman;  
3. Yusuf Mohmad Izrail Mohmad;  
Vapi, Tal. Pardi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Vapi S. No. 280-2-1 + 2-2, Plot No. 1 to 6 duly registered in the month of March, 1981.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated : 6th November 1981  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Mahmad Adam Musa;  
Gata Talav, Broach.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Budhiabhai Somabhai;  
Laxmi Organiser;  
Budhdev Market, Broac,h.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 6th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1223-Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R. S. No. 163 paik land situated at Dungari, Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

The land at R. S. No. 163, duly registered at Broach in the month of March, 1981.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 6th November 1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 6th November 1981.

Ref. No. P. R. No. 1224-Acq-23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 405-406 situated at Desara, Billimora (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandevi on 27-3-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) P. A. Holder of :  
Ramesh Ambaram Aliporia;  
Shri Ambaram Ramji Aliporia;  
Somnath Road, Billimora.  
(Transferor)

(2) President : Mohanlal Manilal Mistry;  
Mantri : Bhanubhai Maganlal Naik;  
Aliporia Park Housing Society,  
Mahadevnagar, Billimora.  
(Transeree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land at Desra, Sur. No. 405-406 duly registered on 27-3-1981.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated : 6th November 1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

- (1) Ramprasad Textiles Industries Pvt. Ltd.,  
12, Dr. M. C. Javel Marg, Dadar, Bombay-12.  
(Transferor)
- (2) Mehta Nettings Pvt. Ltd.,  
12, Dr. M. C. Javel Marg, Dadar,  
Bombay-12.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE I  
2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009  
Ahmedabad-380 009, the 7th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1443-Acq.23-I/81-82.—Whereas, I,

J. C. GARG,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 6, F. P. 31, TPS. 7 paiki situated at Mithipur, Ahmedabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

Land with plinth admesuring 4688.5 sq. yds. bearing S. No. 6, paiki—TPS. 7, F. P. 31 paiki, situated at Mithipur, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 13750/51/March, 1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated : 7th November 1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1442-Acq.23-I/81-82.—Whereas,

G. C. GARG,  
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 146/2 & 148—F. P. 23, part & 26, part, TPS. 19 situated at Shaikhpur-Khanpur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Badriprasad Chhaganlal Poddar, 9, Raj Bhawan Apartment, Sardar Patel Colony, Near Dr. Amin's Hospital, Ahmedabad-380 013. (Transferor)
- (2) Mrs. Kanakambal B. Shastri; through : Her Constituted Attorney Kumari L. D. Shastri, 16-A, Sarvodaya Colony, Naranpura, Ahmedabad-380013. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

\*(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b). facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Building—Plot No. 16A of Suryodaya Colony Coop. Housing Society Ltd., R. S. No. 146/2 & 148 being F. P. No. 23, part & 26 part of PS. 19, situated at Sheikhpur Khanpur, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 2113/7-3-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated : 7th November 1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act for the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 7th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1441-Acq.23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

F. P. No. 97/A paiki, TPS. 4, Sub-Plot No. 9, situated at Rajpur-Hirpur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Madhukanta Ratanlal Thakore,  
"Smruti", Near Punit Ashram, Maninagar,  
Ahmedabad-8.

(Transferor)

(2) Ratnadeep Apartments Association  
(Proposed) through promoter :  
Shri Ambalal Shivilal Jariwalla,  
"Srikunj", Wakilwadi, Maninagar, Ahmedabad-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Building standing on land 809 sq. yds. bearing T.P. S. 4, F. P. No. 97-A paiki, Sub-plot No. 9, situated at Rajpur-Hirpur, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 2290/7-3-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 7th November 1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 7th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1440-Acq 23-I/81-82.—Whereas, J. G. C. GARG, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 394 paiki situated at Village Thaltej, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Returning Officer at Ahmedabad on 3-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 7. Smt. Shantaben Chandubhai Patel;  
Village Thaltej, Dist. Ahmedabad;
- 2. Shri Harshadbhai Chandubhai Patel;  
Village : Thaltej, Dist. Ahmedabad.
- 3. Shri Chandubhai Govindbhai Patel,  
Village : Thaltej, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Mukund Amrutlal Sayani;  
Darjino Khancho, Gandhi Road, Opp. Pada Pole,  
Ahmedabad.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land admeasuring 10712 sq. yds. bearing S. No. 294, situated at village Thaltej, Dist. Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 2117, 2116, 2115 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated : 7th November 1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASIIRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1439-Acq.23-I/81-82. Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F.P. No. 671, 672 paiki TPS. 3 situated at Chhadawad, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Madhvi Enterprise; through : Partner : Shri Harshawadan Hathisingh, 5, Jai Shefali Raw Houses, Setalight Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Vanu nad Coop. Housing Society Ltd., through Promoter : Shri Vasudev Shankarhai Patel & others; 8, Jay Khodiar Society, New Wadaj, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land with plinth adm. 2176.05 sq. mts. bearing TPS. No. 3, F. P. No. 671, 672 paiki, situated at Chhadawad, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide Registration No. 2165/5-3-1981, i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated : 7th November 1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE I**  
**2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,**  
**AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 7th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1438-Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 546 & 547 paiki Sub-Plot No. 10 paiki TPS. 28 FP. 680 paiki Sub-Plot No. 6A 6B, 7 & 8, situated at Wadaj, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Vidhyaben Chinubhai Sheth of Kalyan Society, Ellisbridge, A'bad.  
 2. Lalitaben Kalyanbhai Lalbhai of Kalyan Society, Ellisbridge, A'bad.  
 3. Priyakant Kalyanbhai Sheth of Kalyan Society, Ellisbridge, A'bad.  
 4. Girish Chinubhai Sheth of Kalyan Society, Ellisbridge, A'bad.  
 5. Rameshbhai Chinubhai Sheth of Kalyan Society, Ellisbridge, A'bad.

(Transferor)

- (2) Shivam Coop. Housing Society Ltd., Through : Chairman Shri Naranbhai Joitaram; Dariapur Patel Society, Usmanpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land admeasuring 243.27 sq. mts. 243.27 sq. mts. 243.28 sq. mts., 243.28 sq. mts. & 243.28 sq. mts. bearing S. No. 546 & 547 paiki Sub-plot No. 10 paiki TPS. 28, F. P. No. 680, paiki Sub-plot No. 6A, 6B 7 & 8 situated at Wadaj, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 2737-38, 2745-46, 2741, 2739-40, & 2754/17-3-1981, i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated : 7th November 1981  
 Seal

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1437-Acq.23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TPS. No. 3, F.P. 749 1-1-2-3 & F.P. 750 ABC, Sub-plot No. 6 situated at Chhadavad, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Jayshriben Vadilal & another of Ahmedabad.  
2. Suhas Family Trust—Trustee : Suhasbhai Vadilal, St. Xavier's College Road, Navrangpura, Ahmedabad.  
3. Vimlaben Vadilal Mehta, "Vipin Vila", Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Proposed Nandanvan Apartment Coop. Housing Society Ltd.  
Promoted : Shri Ratilal Kakuchand, Ambliwali Polc, Shahpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with plinth construction bearing TPS. 3, F. P. No. 749/1-1-2-3, & F. P. 750, ABC paiki, admeasuring 3115 sq. yds., 3691 sq. yds. & 3278.79 sq. mts. situated at Chhadavad, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 2093, 2088 & 2073/6-3-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated : 7th November 1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 7th November 1981

Ref. No. P. R. No. 1436-Acq.23-I/81-82.—Whereas, I,

G. C. GARG,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 57-1 paiki situated at Wadajsim, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 24-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Hira Laxmi daughter of Patel Girdhardas Ishrverdas; 591, Motowas, Nawa Wadaj, Ahmedabad-13.  
(Transferor)
- (2) Lalbhai Apartments Coop. Housing Society Ltd., Promoter & Chairman : Shri Pramodhai Kuberdas Patel; Hansola Pole, Dariapur, Ahmedabad-1.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

Land admeasuring 807 sy. yds. bearing S. No. 57-1, Acre 0-32 Guntha paiki situated at Wadaj, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale-deed No. 2731/24-3-1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated : 7th November 1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

- (1) Shri Pravin Chandrn Jain S/o Shri Prem Chandra Jain, R/o 2-A, Mohini Road Dehradun.  
(Transferor)
- (2) Shrimati Shankuntla Devi, Dinesh Kumar Gupta S/o Shri Dayanath Gupta, R/o 18, Subhash Road, Dehradun.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 24th October 1981

Ref. No. 21/Reg/81-82.—Whereas, I, BIBEK BANERJI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated as AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehra Dun on 25-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Immovable property No. 1-A, Mohini Road, Dehradun known as Oriental Cinema Astle Hall.

BIBEK BANERJI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 24-10-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 24th October 1981

Ref. No. 7/Reg/81-82.—Whereas, I, BIBEK BANERJI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 5-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Prakash Chandra Adopted Son of Shri Laxmi Narain Agarwal R/o Namak Mandi, Agra, (Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar S/o Shri Harbans Lal, R/o, 7/24, Purani Mandi, Chhipi Tolaa, Agra & Shri Girish Chandra S/o Shri Vohare Indra Pal R/o, Manpara, Agra. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Immovable property situated at 21/38, Freeganj, Agra.

BIBEK BANERJI.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-10-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 24th October 1981

Ref. No. 24/Rcg/81-82.—Whereas, I, BIBEK BANERJI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dehradun on 8-6-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. N. Mathur S/o late Shri G. N. Mathur  
R/o Rest Camp Dehradun.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Dilbara Singh, Manjit Singh S/o  
Shri Pritam Singh, R/o,  
59/3, Tyagi Road, Dehradun.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Immovable property situated at 39/1, Bhandari Bagh, Dehradun.

BIBEK BANERJI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 24-10-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II  
621 MOUNT ROAD, MADRAS-6**

Madras-6, the 4th November 1981

Ref. No. F. 16438.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 39 situated at Mowbrays Road, Madras-4 (Doc. 580/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras South on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) K. Poolchand Sowcar  
19, Diwan Surappa Lane, Chickpet,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) P. Govindaswamy  
N. Chockalingam,  
7, Brahadambal St.,  
Madras-34

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**Land and building at 39, Mowbrays Road, Madras-4.  
(Doc. 580/81)RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-11-1981

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
KANNAMMAI BUILDING II ND FLOOR,  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1981

Ref. No. 8/March/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, Chidambaranagar East, situated at Street, Tuticorin-3 Ward No. 21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J. S. R. Tuticorin on 4-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri G. R. Subbiah,  
S/o Shri S. Raman Chettiar,  
No. 9-A, Sudalai Koil Lane,  
TUTICORIN.

(Transferor)

(2) Dr. S. Dhanaraj,  
No. 106 S.P.G. Koil Street  
TUTICORIN.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

(Land and Building at Door No. 9, Chidambara Nagar, East Street, Tuticorin—Document No. 633/81).

R. RAVICHANDRAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 5-11-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) K. R. Lakshmanan  
30, Race Course Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) N. Chandra Ammal  
122, Dharmaraja Koil St.,  
Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
621 MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 5th November 1981

Ref. No. 11355.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 22/718, 719 situated at Bib Bazar St., Coimbatore (Doc. 1521/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land and building at No. 22/718, 719, Big Bazar St., Coimbatore.

(Doc. 1521/81)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-11-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE-II  
621 MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 5th November 1981

Ref. No. F. 9331.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 2292 situated at Malambuchavady, Tanjore (Doc. 795/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tanjore in March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shanmugham Marimuthu Kaliyamurthy  
2292, Vandikara St., Nagapattinam  
Road No. 1, Tanjore.

(Transferor)

(2) R. Subramania Iyer,  
9, Fund Office Agraharam,  
Malambuchavady, Tanjore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and building at TS. No. 2292, Malambuchavady Tanjore.

(Doc. 795/81)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 5-11-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
621 MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 5th November 1981

Ref. No. F.11370.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at S. No. 207, 206/1, 249/4B, Vashukuparai (Doc. 268/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Kinathukadavu in March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) ~~Subbalekshmi~~  
14, M. N. G. St., Coimbatore.  
(Transferor)  
(2) L. Francis Ragina  
P. Sudarsan, 98, Main Road, Mettur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 207, 206/1, 249/4B, Kinathukadavu.  
(Doc. 268/81)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 5-11-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
26—356GI/81

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
621 MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 5th November 1981

Ref No. F 11361.—Whereas, I,  
RADHA BALAKRISHNAN,  
being the Competent Authority,  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs 25 000/- and bearing  
No. situated at S. F. No. 163, 162, 164, Veerakeralam and SF. No. 312, 313, 314, Vedapatti  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Coimbatore in March 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

(1) N. Doraiswamy & Chandrakanthi  
2/66, B.F.F. St., Pappanackenpudur  
Coimbatore.

(Transferor)

(2) K. Dhamodarawamy K. Rangasamy,  
K. Ramaswamy, K. Lakshmanaswamy  
56, Ponnurangam Road, (West)  
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publication  
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Veerakeralam and Vedapatti.  
(Doc. 1324/81)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 5-11-1981  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Monsieur Correa Paul Marie Joseph  
40, Rue Labourdonnais,  
Pondicherry-605 001.

(Transferor)

(2) S. D. Sharma  
Sri Aurobindo Ashram  
Pondicherry-605 002.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE-II  
621 MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 5th November 1981

Ref. No. 9239.—Whereas, I,  
**RADHA BALAKRISHNAN**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 30 situated at Rue Suffren, Pondicherry (Doc. 576/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pandy, in March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land and building at 30, Rue Suffren, Pondicherry.  
(Doc. 576/81)

**RADHA BALAKRISHNAN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 9th November 1981

Ref. No. F.16372.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at RS 1487, 1486/2, 1486/1, Inchamarai Kotagiri (Doc. No. 1033/81) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) V. Chandrasekaran  
111, Nungambakkam High Road,  
Madras-34.

(Transferor)

(2) B. J. Ramalingam, Thinniyur, Kotagiri  
S/o Joghee Gowder

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at RS 1487, 1486/2, 1486/1, Inchamarai Kotagiri.  
(Doc. 1033/81)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 5-11-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) K. Govindaswamy, S/o P. Krishnaswamy Konar, Velandipalayam, Telungupalayam, Coimbatore.  
(Transferor)  
(2) M. Prakash, Prop. M/s. Prakash & Co. 15/19-4, N.S.R. Road, Coimbatore.  
(Transferee)  
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-6.  
Madras-6, the 9th November 1981

Ref. No. F. 11360.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. 493, situated at Tetungupalayam (Doc. 1121/81), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Coimbatore on March 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the abovesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 493, Telungupalayam (Doc. 1121/81).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-2,  
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-11-81.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE  
621, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 9th November 1981

Ref. No. F. 11360.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No.

S. 493, situated at Telungupalayam (Doc. 1122/81), (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on March 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) V. Govindaswamy, S/o P. Krishnaswamy Konar, Velandipalayam, Telungupalayam, Coimbatore.  
(Transferor)
- (2) M. Praveen S/o. A. Moolchand Prakash Bhavan, Mount Pleasant Coonoor, Nilgiris Dt.  
(Transferee)  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land at S. No. 493, Telungupalayam (Doc. 1122/81).

RADHA BALAKRISHNAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-2,  
Madras-6.

Date : 9-11-81.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) Smt. Shanti Kohli.

(Transferor)

(2) Dr. Irfan Ahmad Qureshi.

(Transferee)

(3) Smt. Shanti Kohli.

(Person in occupation of the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX**ACQUISITION RANGE  
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 10th November 1981

G.I.R. No. I-14/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khasra No. 469, situated at Mohalla Sheikhpur, Chandganj, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 4-3-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

A freehold plot of land bearing khasra No. 469 measuring 1500 sq. mtrs. (16,000 sq. ft.) situate at Mohalla—Sheikhpur, Chandganj (Nirala Nagar) P.S. Mahanagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1490/81 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 4-3-1981. .

A. S. BISEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-11-1981.  
Seal :

**FORM ITNS**

- (1) Shri Keshav Chand Kapoor. (Transferor)  
 (2) Shri Nand Kumar Bhasin. (Transferee)  
 (3) District Supply Office, Lucknow. (Person in occupation of the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW.**

Lucknow, the 10th November 1981

G.I.R. No. N-34/Acq.—Whereas, I. A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

91, Exchange Building situated at Mall Road (M. G. Road, Lucknow),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 23-3-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Portion of building No. 9—'Exchange Building'—(now Durga Bhawan) situated at Mall Road (M. G. Road) (measuring 2916 sq. ft.) P. S. Hazratganj, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2063/81 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 23-3-1981.

A. S. BISEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-11-1981.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW**

Lucknow, the 10th November 1981

G.I.R. No. N-35/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land No. B-716 situated at Mahanagar Housing Scheme, Mahanagar, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 4-3-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Azhar Husain Kureshy. (Transferor)
- (2) 1. Shri Naresh Goel, 2. Smt. Rita Goel, 3. Shri Kulbhushan Goel & 4. Smt. Kanchan Goel. (Transferee)
- (3) Above transferees. (Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Lease-hold plot of land No. B-716 measuring 14,400 sq. ft. situate at Mahanagar Housing Scheme, Mahanagar, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the form 37G No. 1483/81 and in the sale deed which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 4-3-1981.

A. S. BISEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
27—356GI/81

Date : 10-11-1981.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW.  
Lucknow, the 10th November 1981

G.I.R. No. K-104/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 5-C situated at Ram Krishna Marg (leading to Faizabad Road), Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 30-3-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Lt. Col. Shashi Bhushan Misra (Retd.).  
(Transferor)
- (2) Shri Kishan Cahnd Thakurdas Bhambhawani.  
(Transferee)
- (3) Above transferor.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot No. 5-C measuring 4389 sq. ft. situated at Ram Krishna Marg (leading to Faizabad Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2185/81, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 30-3-1981.

A. S. BISEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-11-1981.  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE-I  
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 10th November 1981

G.I.R. No. M-128/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing B-1, situated at Mahanagar Extension Scheme, Mahanagar, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 31-3-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Smt. Sushila Devi, 2. Mrs. Rashmi Singh, 3. Shri Shailendra Pal Singh, 4. Mrs. Kusum Singh, 5. Mrs. Manjula Singh & 6. Mrs. Lata Singh.  
(Transferor)
- (2) 1. Dr. Mano Dutta Pathak, 2. Mrs. Durga Pathak, 3. Miss Renu Pathak, 4. Miss Shashi Pathak through their legal Attorney Dr. S. C. Srivastava.  
(Transferee)
- (3) Above transferors.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Leasehold plot of land No. B-1 measuring 10560 sq. ft. situate at J. Road, Mahanagar Extension Scheme, Mahanagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2159/81, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 31-3-1981.

A. S. BISEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-11-1981.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW.**

Lucknow, the 10th November 1981

G.I.R. No. M-129/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 19 situated at Mahanagar Extension Scheme, Mahanagar, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Lucknow on 24-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ram Kumar Nigam. (Transferor)
- (2) Shri Mahendra Pratap Bhatia. (Transferee)
- (3) Shri Ram Kumar Nigam. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

House on lease-hold plot No. 19, measuring 2100 sq. ft. situated at Mahanagar Extension Scheme, Mahanagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1962/81, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 24-3-1981.

A. S. BISEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-11-1981.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
57, RAM TIRATH MARG. LUCKNOW.

Lucknow, the 10th November 1981

G.I.R. No. R-163/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 18 situated at Trans Gomti Cooperative Colonisation Scheme, Shankar Nagar (Nirala Nagar), Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 6-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |                               |  |
|-------------------------------|--|
| (1) Shri Jagat Narain Saxena. | (Transferor)                           |
| (2) Shri Rajesh Chowdhari.    | (Transferee)                           |
| (3) Shri Jagat Narain Saxena. | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

2/3rd of plot No. 18 measuring 3200 sq. ft. situated at Trans Gomti Cooperative Colonisation Scheme known as Shankar Nagar (Nirala Nagar), Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1513/81 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 6-3-1981.

A. S. BISEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Date : 10-11-1981.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Baijnath Kejriwal.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Devi.

(Transferee)

(3) Shri Baijnath Kejriwal.

(Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW.  
Lucknow, the 12th November 1981

G.I.R. No. K-105/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 59 situated at Gurdham Colony, Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 18.3.1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Plot of Land bearing No. 59 admeasuring 5261 Sq. Ft. of Bhelupur Housing Accommodation and General Development Scheme Zone No. 2 project No. 3 of year 1949-50 (corporation No. B-27/96-59) situated at Gurdhan Colony Varanasi, and all the description of the property which is mentioned in the Sale Deed and from 37-G No. 1963/81 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Varanasi on 18.3.1981.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-10-81  
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Kamla Devi.  
(Transferor)  
(2) Shri Surendra Nath Advocate.  
(Transferee)  
(3) Surendra Nath Advocate and Tenants.  
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 10th November 1981

G.I.R. No. S-220/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One house situated at Mohalla Chak Jalal Station Road (Golghar) Gorakhpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gorakhpur on 11.3.1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One storeyed pucca built up house including land appertaining to it situate at Mohalla Chak Jalal (Golghar) Station Road, Gorakhpur and all that description of the property which is mentioned in the Sale Deed and from 37-G No. 1771 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar Gorakhpur on 11.3.1981.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12.11.1981.  
Seal :

**FORM I.T.N.S.—**

(1) Dr. Nirmal Kr. Brahmachari.  
 (Transferor)  
 (2) Sri Sreemanta Kr. Mukherjee.  
 (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA**

Calcutta, the 21st October 1981

Ref. No. 958/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

81A & 81B situated at Sikdar Bagan Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided 1/5th share of partly two and partly three storied building with land 12K 5 Ch 11 sq. ft. situated and lying being premises No. 81A & 81B, Sikdar Bagan Street, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-III,  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 21-10-1981  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) Dr. Nirmal Kr. Brahmachari.

(Transferor)

(2) Sri Ananda Mohan Mukherjee.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 21st October 1981

Ref. No. 959/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 81A & 81B situated at Sikdar Bagan Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Undivided 1/5th share of partly two and partly three storied building with land 12K 5 Ch 11 sq. ft. situated and lying being premises No. 81A & 81B. Sikdar Bagan Street, Calcutta. \*

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—356GJ/81

Date : 21-10-1981  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Dr. Nirmal Kr. Brahmachari.

(Transferor)

(2) Sri Manik Lal Mukherjee.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA**

Calcutta, the 21st October 1981

Ref. No. 960/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

81A & 81B situated at Sikdar Bagan Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided 1/5th share of partly two and partly three storied building with land 12K 5 Ch 11 sq. ft. situated and lying being premises No. 81A & 81B, Sikdar Bagan Street, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Dated : 21-10-81.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 21st October 1981

Ref. No. 261/Acq.R-III/81-82 -Whrers, I. V. S.  
JUNEJA  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

81A & 81B situated at Sikdar Bagan Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay, as under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Dr. Nirmal Kr. Brahmachari.

(Transferor)

(2) Smt. Madhabi Mukherjee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share of partly two and partly three storied building with land 12K 5 Ch 11 sq. ft. situated and lying being premises No. 81A & 81B, Sikdar Bagan Street, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 21-10-1981  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(1) Dr. Nirmal Kr. Brahmachari.

(Transferor)

(2) Sri Kashi Nath Mukherjee.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 21st October 1981

Ref. No. 962/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, I.V.S. JUNEJA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 81A & 81B situated at Sikdar Bagan Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-3-81

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share of partly two and partly three storied building with land 12K 5 Ch 11 sq. ft. situated and lying being premises No. 81A & 81B, Sikdar Bagan Street, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-10-1981  
Seal :

**FORM ITNS**

- (1) Sudhamay Chatterjee,  
Henoy Ghal. Dist. Wardha,  
(Transferor)
- (2) Smt. Dally Dhar,  
99, Chittaranjan Avenue,  
Calcutta-55.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA**

Calcutta, the 29th October 1981

Ref. No. AC-35/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I,  
**K. SINHA**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
P/31, Block 'C', situated at Bangur Avenue, 24-Parganas  
(W.B.)  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908. (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
S.R. Cossipore, Dum-Dum on 31-3-81  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

#### **THE SCHEDEULE**

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

1/5th share of 6k. 1ch. 20 sq. ft. of land and one flat on  
the first floor on the North-West corner of premises P/31,  
Bangur Avenue, P.S. Laketown, 24 Pgs. More particularly  
described in deed No. 3241 dated 31-3-81 of S. R. Cossipore  
Dum-Dum.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II  
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 29-10-81  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-JV  
CALCUTTA**

Calcutta, the 3rd November 1981

Ref. No. AC-60/Acq.R-IV/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

20/2 situated at Olabitatala, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Howrah on 16-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Binoy Bhusan Basu  
of Mahiary Chanchu Bag.  
P.S. Domjur, Howrah.

(Transferor)

(2) Sri Jagdish Ch. Das  
of 28/1/3, Jadab Das Lane,  
P.S. Shibpur, Dist. Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land measuring 3k, 15 sft. situated at 20/2, Olabitatala Lane, P.S. Shibpur, Dist. Howrah. Deed No. 1496 of 1981.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-IV  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
(2nd floor) Calcutta-700 016

Date : 3-11-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Sri Kishori Mohan Banerjee.

(Transferor)

(2) M/s. Lake Point Co-operating Housing Society Ltd.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II,

CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1981

Ref. No. AC-36/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I,  
K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

P-893 Block-A situated at Lake-town  
24 Parganas W.B.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at R.A. Calcutta on 11-3-81.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P-893, Block-A, Lake-town, P.S. Lake-town, Calcutta, Area 14k. 7 ch. 41 sft. (vacant land). More particularly described in Deed No. 1954 dated 11-3-1981.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Calcutta

Date : 6-11-1981  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Chhaya Dutta Gupta,  
Executor representing the Estate of  
late Nani Bala Roy.

(Transferor)

(2) Sri Pijus Kanti Sarkar & Ors.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA**

Calcutta, the 6th November 1981

Ref. No. AC.37/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P-775, Block-P situated at New-Alipore, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R.D. Alipore, 24-Pgs. on 2-3-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Ground floor portion of Premises No. P-775, Block-P, New Alipore, P.S. New Alipore, Calcutta with building an area 2.91k. More particularly described in deed No. 2185 dated 2-3-81.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II  
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-11-1981  
Seal :

**FORM ITNS**

- (1) Sri Tribhuban Narayan Singh & Ors. (Transferor)  
 (2) Sri Dilip Kumar Agarwalla & Ors. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA**

Calcutta, the 6th November 1981

Ref. No. AC-38/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I,  
**K. SINHA,**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/1/J situated at Omada Raja Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at D.R. Alipore, 24-Pgs. on 30-3-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Two storied building (structure) measuring an area of 14k. 5 ch. 40ft. Situated at 1/1/J Omada Raja Lane P.S. Beliaghata, Calcutta, more particularly described in deed No. 3429 dated 30-3-1981.

K. SINHA  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-II  
 Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
 29—356 GI/81

Date : 6-11-1981  
 Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) M/s. Associated Electro Mechanical Engineering P. (Ltd.), Calcutta. (Transferee)  
 (2) Subrata Chowdhury,  
 106/C, Raja Dindendra Street,  
 Calcutta. (Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA**

Calcutta, the 7th November 1981

Ref. No. AC-39/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I,

K. SINHA,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

51-Gouribari Lane situated at P.S. Maniktola, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R.A. Calcutta on 31-3-1981  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;  
 (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Area : 10K, 8Ch. at 51-Gouribari Lane, P.S. Maniktola, Calcutta. More particularly described in deed No. 2799 of R.A. Calcutta of 1981.

K. SINHA  
 Competent Authority,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-II  
 Calcutta

Date : 7-11-1981  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-IV  
CALCUTTA**

Calcutta, the 10th November 1981

Ref. No. AC-62/Acq. R-IV/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Mouza-Chakgaria, P.S. Kasba, 24-Parganas,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 10-3-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s The Suburban Agriculture Dairy & Fisheries (P) Ltd. of 15, New South Park, Kazipara, P.S. Jadavpur, Dist. 24-Parganas.

(Transferor)

(2) 'Mahatirtham' of 24/1, Garfa Road, P.S. Kasba, Calcutta-78.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land—4.20 sataks.

Address : Mouza—Chakgaria, P.S. Kasba, Dist. 24-Parganas.

Deed No. 2490 of 1981.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor)  
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to following persons namely :—

Date : 10-11-1981

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Bidhan Ch. Ray, Biman Ray and Bitan Chandra Ray, 2, Sambhu Nath Pandit Street, Calcutta.  
(Transferor)

(2) M/s K. B. Roy Garden Co-operative Housing Society Ltd.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-IV  
CALCUTTA**

Calcutta, the 10th November 1981

Ref. No. AC-63/Acq. R-IV/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at P.S. Sonarpur, Dist. 24-Parganas, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Airport on 4-3-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than, fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land—2.119 acres.  
Address—Mouza—Berhasfatabad, P.S. Sonarpur, Dist. 24-Pgs.  
Deed No.—2295 of 1981.

**K. SINHA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-IV  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor)  
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-11-1981  
Seal :

**FORM ITNS—**

(1) 1. Sri Yeddu Satyanarayana Murthy, S/o, Venkanna, Moberlipeta, Amalapuram E. G. Dt.  
2. Smt. Yeddu Satyanarayananamma, W/o, Venkataramaiah Moberlipeta, Amalapuram.

(Transferor)

(2) Sri Harihar Sitaramarao Premkumar (H. S. Premkumar) S/o, Harihar Sitaramarao, Venus Coir Industries, Vallabhai Street, Kakinada.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 2nd November 1981

Ref. No. RAC.Nos. 41&42/81-82/KKD.Squad.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6-1-42A situated at Mummidivaram Road, Near Red Bridge Amalapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amalapuram on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property-Site and sheds-Door No. 6-1-42A with site admeasuring 1-16 cents on Mummidivaram Road, Near Red Bridge, Janakipeta, Amalapuram were registered vide documents no. 1225, 1234 and 1235 of 1981 of SRO, Amalapuram during the month of March, 1981

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 2-11-1981

Seal :

**FORM TTNS**

- (1) Sri Valluri Basavaiah Chowdary, S/o. Kesavarao, Patamata Lanka, Vijayawada-520 014,  
(Transferor)
- (2) M/s. Vijaya Laxmi Bottlers (P) Ltd., Labbipeta, Vijayawada-520 014.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 2nd November 1981

Ref. No. RAC. No. 43/81-82/Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

NTS No. 512 situated at Land Ac. 1-87, 41/cents Mogalrajapuram (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property-Agricultural land (Site) admeasuring 1-87 1/4th cents in NTS. No. 512 Rev. Ward No. 10, Block No. 21, Mogalrajapuram Village Limits, Vijayawada Town was registered with the SRO, Vijayawada vide document no. 1820/81 during the month of March, 1981.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 2-11-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd November 1981

Ref. No. 44/81-82/Kakinada Squad.—Whereas,  
**I, S. GOVINDARAJAN,**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS Nos. 255/1, 255/2, 255/3, and 220/6,  
 situated at Kanchili

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sompeta on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Sri Malla Naqyana Murthy, S/o. Chinna Rama Krishnamma, (2) Sri Sindi Someswara Rao, S/o Adinarayana, Sompeta.  
 (Transferor)

(2) 1. Sri Ganesh Kumar Agarwala adopted son of Sri Kishorilal Agarwala Sompeta and  
 2. M/s. S. N. Agarwal & Bros., Sompeta, Srikanth Dt.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property consists of Site admeasuring Ac. 1-82 1/2 cents in R. S. Nos. 255/1, 255/2, 255/3 and 220/6 with Godowns at Kanchili Sompeta Taluk, Srikanth Dt was registered with the SRO, Sompeta during the month of March, 1981 vide document no. 335/81.

S. GOVINDARAJAN  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 2-11-1981  
 Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE**  
**HYDERABAD**

Hyderabad, the 20th October 1981

Ref. No. RAC. 170/81-82.—Whereas,  
I. S. GOVINDARAJAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 14/53A situated Uppal Hyderabad 39  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Hyderabad on March 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Sri Lakshmi Oil Mills Solvent extraction plant Industrial area Plot No. 9, Block No. 3 Uppal Hyderabad 29  
Rep. By Sri M. Venkata Surya Laxmi Narsimha Rao & others No. 92 West Maredpally 3rd lane Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s. L. V. R. Oil & fats Pvt. Ltd.  
Reg. Office-2, Tha Tha-muthiappan Street,  
Madras-60001.  
Factory : Plot No. 9 Block No. 3 Industrial area Uppal Hyderabad 39.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Building and godown bearing No. 14/55A built on plot of land bearing No. B-9 Block No. 3 Industrial Development area Uppal Hyderabad 39 (22050 sq. ft built up area) total area 4.798 Acres registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 963/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated 20-10-1981,  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE**

Hyderabad, the 23rd October 1981

Ref. No. RAC.171/81-82.—Whereas,  
**I, S. GOVINDARAJAN,**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 117 situated at Sagarview Domalguda, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) M/s. Swastik Builders  
 1-2-524/3 Domalguda,  
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Suman Chit Funds  
 5-4-32/2 11nd floor  
 Jawaharlal Nehru Road,  
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Office No. 117 first floor Sagarview Domalguda, Hyderabad area 1112 sq. ft registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1056/81

**S. GOVINDARAJAN**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
 30—356 GI/81

Dated : 23-10-81.  
 Seal :

**FORM ITN8****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 23rd October 1981

Ref. No. RAC.172/81-82.—Whereas,

I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land situated at Bandalaguda village, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1981

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Aley Varghese  
W/o Mr. K. M. Varghese  
5-9-347 Hyderguda  
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Nandlal Sardu S/o Jainarayan Sarda  
2. Sri Sitaram Sardu S/o Jainarayan Sarda  
3. Sri Kacharulal Sarda S/o Late Ramkrishn Sarda  
4. Sri Narayandas Asawa S/o Chunnilal Asawa  
5. Sri Srinivas Asawa S/o Narayandas,  
C/o M/s. Vishnu Oil Industries 5-2-936  
osmangunj Hyderbad (H. No. 18-4-538/1  
Shamsheergunj, Hyderabad).

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land in Survey No. 240, 241, 242 and 244 area 8 acres 7 guntas at Bandalaguda village, Hyderabad on Chandrayangutta, Mahboobnagar Road registered with Sub-registrar Hyderabad vide Doc. No. 1110 '81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 23-10-81.

Seal :

## FORM ITNS

- (1) 1. Sri Narshi Vishram S/o. Late Vishram Nathoo  
2. Sri Manoharlal Vishram S/o. Late Vishram  
Nathoo 67-A Kingsway Secunderabad.  
(Transferor)
- (2) 1. Sri Rajaram S/o Sri Ishwardas  
5-9-42/6 New M.L.A. Quarters Lane  
Bashirbagh, Hyderabad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Hyderabad, the 28th October 1981

Ret. No. RAC.173/81-82.—Whereas,  
I, S. GOVINDARAJAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. 1-2-412/12 situated at Gaganmahal Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Hyderabad on March 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publication  
of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot of land M. No. 1-2-412/12 (No A-9) area 800 sq.  
yards at Gaganmahal Hyderabad registered with Sub-Registrar  
Hyderabad vide Doc. No. 1301/81

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the Act, to the following  
persons, namely :—

Dated : 28-10-1981.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 28th October 1981

Ref. No. RAC.174/81-82—Whereas,

**I, S. GOVINDARAJAN,**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agl. Land, situated at Chinna Thokatta Sec. bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maredpally on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Sri K. Bal Reddy S/o K. Muthyam reddy  
2. Sri K. Malla Reddy S/o Late Venkat Reddy  
3. Sri K. Malla Reddy S/o K. Muthyamreddy Bownpally Secunderabad. (Transferor)
- (2) M. s. The Amar Jyothi Weaker section co-operative Housing Society Ltd (TAB 38) Office No. 11-4-322/20, 34 Chikalguda Secunderabad President Sri P. Pandu Rao S/o. Late R. Pentaiah. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Agricultural land 1 Acre in Survey No. 86, 87 and 92 at Chinna Thokatta Bownpally Secunderabad registered with Sub-Registrar Maredpally vide Doc. No. 453/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 28-10-1981.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (1) Sri Ravindra Kumar Rathi  
S/o Lakshminarayan Rathi  
R/o 61, Mahatma Gandhi Road Secunderabad  
(158 C Railway lines Sholapur-413001),  
(Transferor)
- (2) M/s. Kabra & Co.  
61, M. G. Road, Secunderabad  
By Managing Partner Sri Shankarlal Kabra  
S/o Late Mohanlal Kabra  
H. No. 3-2-853 Chitrakoot Bldg. Kachiguda  
Hyderabad.  
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Hyderabad, the 31st October 1981

Ref. No. RAC.175/81-82.—Whereas,

I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-2-135/1, 136, 137 at Mahatma Gandhi Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old house and structures M. No. 2-2-135/1, 136, 137 Mahatma Gandhi Road Secunderabad area 778 sq. yards registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Document No. 147/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 31-10-1981.  
Seal

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 31st October 1981

Ref. No. RAC No. 176/81-82.—Whereas,  
**I, S. GOVINDARAJAN,**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
 and bearing  
 No. 2-2-136/1, 137/1, 138, 139 situated at M. G. Road  
 Secunderabad  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the Office of the Registering Officer at  
 Secunderabad on March 1981  
 for an apparent consideration which is  
 less than the fair market value of the aforesaid property, and  
 I have reason to believe that the fair market value of the  
 property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
 therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-  
 sideration and that the consideration for such transfer as  
 agreed to between the parties has not been truly stated in the  
 said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Mohini Bai Rathi W/o Ravindra Kumar  
 Rathi, 61, Mahatma Gandhi Road, Secunderabad  
 (158 C Railway Lines Sholapur-413001).  
 (Transferor)

(2) M. s. Kabra & Co.  
 61, M. G. Road, Secunderabad  
 By Managing partner Sri Shankarlal Kabra  
 S/o late Mohanlal Kabra  
 H. No. 3-2-853 Chitrakoot Bldg.  
 Kachiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days  
 from the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-  
 vable property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act,  
 in respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) tacitituting the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act  
 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Old House and structures M. No. 2-2-136/1, 137/1, 138  
 and 139 Mahatma Gandhi Road, Secunderabad area 870 sq.  
 yards registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc.  
 No. 148/81.

S. GOVINDARAJAN  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
 tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

Dated : 31-10-1981.  
 Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 2nd November 1981

Ref. No. RAC.177/81-82.—Whereas,  
**I. S. GOVINDARAJAN**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6-3-1186 situated at Begumpet Hyderabad  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on March 1981  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Dhanalakshmi Co-operative Housing Society Ltd TAB 109 Shop No. 16 Indoor Stadium Fathe-maidan Hyderabad  
 By Secretary D. Ramakrishna Reddy S/o D. Pulla Reddy.

(Transferor)

(2) M/s. Indo Swing Limited  
 Narsapur Road, Balanagar, Hyderabad 37  
 Rep. By Sri Y. Rama Sarma S/o. Late Y. D.  
 Sastri R/o. 36-A MIGH Sanjeevreddy Nagar  
 Hyderabad-38

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece and parcel of land M. No. 6-3-1186 Begum-pet Hyderabad area 1,000 sq. yds. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1266/81.

**S. GOVINDARAJAN**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Hyderabad.

Dated 2-11-1981.  
 Seal :

**FORM ITNS**

(1) Sri P. RaghuRama Reddy S/o Sri P. Ramachandra  
H. No. 3-3-76  
Kulbiguda, Hyderabad.  
(Transferor)

(2) Smt. Sampath Devi Sutaliya  
S/o Poonamchand  
H. No. 3-4-16 Dr. Bhoomanna Marg  
Lingampally Hyderabad-27.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**  
Hyderabad, the 3rd November 1981

Ref. No. R SC.178 81-82.—Whereas,  
J. S. GOVINDARAJAN,  
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 3-4-1005/5/1 situated at Barkatpura Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chikadpally on March 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Vacant land M. No. 3-4-1005/5/1 situated at Barkatpura locality Hyderabad area 265 sq yards registered with Sub-Registrar Chikadpally vide Doc. No. 207/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 3-11-1981.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 7th November 1981

Ref. No. RAC No. 45/81-82/KKD.Squad.—Whereas,  
**I, S. GOVINDARAJAN,**  
 being the Competent Authority under Section 269B of  
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
 referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
 immovable property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 25,000/- and bearing  
 No. 4-4-123 situated at Chandramooli  
 Nagar, Guntur.  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
 of 1908) in the office of the Registering Officer  
 at Guntur on March, 1981  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as  
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
 the consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

- (1) 1. Sri Yepuri Muttaiah, S/o Venkatarayudu  
 2. Smt. Y. Sivitramma, W/o. Muttaiah,  
 3. Sri Y. Satyanarayana Rao, S/o. Muttaiah,  
 4. Sri Y. Mallikarjunarao,  
 S/o. Muttaiah.  
 5. Sri Y. Purnachendraraao, S/o. Muttaiah,  
 6. Y. Ganeswara Rao S/o. Muttaiah, Kolakaluru  
 Village, Tenali, Taluk

(Transferor)

- (2) Smt. Chaluvadi Annapurnamma, W/o Chaluvadi  
 Laxmi Narayana, Brodipeta, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
 property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are  
 defined in Chapter XXA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in that  
 Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for the  
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property-Building door No. 4-4-123-5th Line, Chendramouli Nagar, Brodipeta Sivaru-Guntur was registered with the SRO, Guntur during the month of March, 1981 vide document no. 2937/81.

**S. GOVINDARAJAN**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

31—356 GI/81

Dated : 7-11-1981.  
 Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 7th November 1981

Ref. No. RAC. Nos. 46 & 47 of 1981-82/Kakinada Squad.—  
Whereas, I S. GOVINDARAJAN  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
No. Vacant site situated at Kankara Gutta, Guntur  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Guntur on March, 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (1) 1. Smt. Kalavagunta Annapurnamma, W/o  
Narasimha Rao Pantulu,  
Brodipet, Guntur.  
2. Smt. Digavilli Rukminamma, W/o  
Venkata Subba Rao,  
Brodipeta, Guntur.

(Transferor)

- (2) Sri Muppuri Venkata Nageswara Rao,  
S/o Venkata Narasimha Rao,  
Petrol Bunk,  
Brodipeta, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property-Vacant Site-Municipal Old Ward No. 17-New ward  
No. 21-Block No. 4-Kankaragutta, Guntur was registered with  
the SRO, Guntur during the month of March, 1981 vide document  
Nos. 3239 and 3240 of 1981.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-11-81  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE HYDERABAD**

Hyderabad, the 7th November 1981

Ref. No. RAC. No. 48/81-82/KKD. Squad.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33-2-147 situated at Opposite Vegetable Market, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Sri Laxmandass  
2. Harilal,  
3. Muralidhar  
4. Lekraj and  
5. Asudmal  
All sons of late Tarachand, Market Street, Kakinada.  
(Transferor)
- (2) Sri Uddasi Mangayya, W/o Venkanna, President—The Kakinada Merchants Association, Kakinada.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property—Double Storeyed Building—Door No. 33-2-147 Ward No. 17-Opposite Vegetable Market, Kakinada was registered with the SRO, Kakinada during the month of March, 81 vide document No. 1882/81.

**S. GOVINDARAJAN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-11-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1981

Ref. No. RAC. No. 49/81-82/Kakinada Squad.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant Site situated at Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Kakinada on March, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Kanda Surya Prakasa Rao,  
S/o Narasimha Avadhani,  
KOVVUR-W.G. Dt.

(Transferor)

(2) Chennamsetty Satyanarayana Murthy,  
S/o Narasimha Swamy, Mandavillivari Street,  
Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property-Vacant Site—812 sq. yds.—Near Girl's Polytechnic Suryaraopeta-Kakinada was registered with the SRO, Kakinada during the month of March, 1981 vide document No. 1880/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-11-81  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1981

Ref. No. RAC. No. 50/8-82/KKD. Squad.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Rice & Dall Mill situated at Kurichedu Darsi Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Darsi on 15-3-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Sri Kolisetty Ramachandrayya, S/o Pitchayya,  
2. Sri Kolisetty Venkata Rangarao, S/o Ramachandrayya  
3. Sri Kolisetty Venkateswarlu, S/o Pitchayya  
4. Sri Kolisetty Nageswara Rao, S/o Koteswara Rao  
5. Sri Kolisetty Satyanarayana, S/o Venkateswarlu  
All residing Kurichedu, Darsi Taluk-Ongole Dt.  
(Transferor)

- (2) Sri Koppuravuri Ramulu, S/o Punnayya,  
Sri Koppuravuri Gurunahdarao, S/o Ramulu  
Sri Koppuravuri Mohanarao, S/o Ramulu  
Sri Koppuravuri Chinna Ramulu, S/o Punnaiyah  
Smt. Koppuravuri Kotiratnamma, W/o Chinna  
Ramulu  
Sri Koppuravuri Satyanarayana, S/o Chinnaramulu.  
All are residing Kurichedu-Darsi Taluk-Ongole Dt.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property—Rice and Dall Mill—Kurichedu—Darsi Taluk, Ongole Dt. with site 0.59 cnts was registered with the SRO, Darsi during the month of March, 1981 vide document No. 166/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-11-81  
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**  
**GOVERNMENT OF INDIA**

(1) Sri Kanda Surya Prakasa Rao  
 S/o Narasimha Avadhani,  
 Kovvur-W.G. Dt.

(Transferor)

(2) Sri Alluri Krishnam Raju, S/o Venkata Narasimha  
 Raju, Datlavari Street,  
 Gandhinagar, Kakinada.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE HYDERABAD**

Hyderabad, the 7th November 1981

Ref. No. RAC. No. 41/81-82/Kakinada Squad.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant Site situated at Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on March, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property-Vacant Site—812 Sq. yds. Suryaraopeta Near Girl's Polytechnic, Kakinada was registered with the SRO, Kakinada during the month of March, 1981 vide document No. 1886/81

S. GOVINDARAJAN  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-81  
 Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE HYDERABAD**

Hyderabad, the 3rd November 1981

Ref. No. RAC. 179/81-82.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-4-1005/51 situated at Barkatpura Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikadpally on March 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri P. Venugopal Reddy  
S/o P. Ramachandra Reddy  
3-3-76 Kutbiguda,  
Hyderabad-27.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Devi Sutaliya  
W/o Sri Kanhayalal  
H. No. 3-4-16 Dr. Bhoomanna Marg  
Lingampally Hyderabad-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Vacant land M. No. 3-4-1005/5/1 at Barkatpura locality Hyderabad area 265 sq. yards registered with Sub-Registrar chikadpally vide Doc. No. 208/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-11-1981  
Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Smt. V. Ambuja Devi  
B8-63 Staff Quarters  
Women's college  
Hyderabad-1.

(Transferor)

(2) Smt. C. Leela W/o Sri K. S. L. Narsimhachar  
4-7-1106 Esamia Bazar,  
Hyderabad-27.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE HYDERABAD**

Hyderabad, the 5th November 1981

Ref. No. RAC. 180/81-82.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-2-410/1/3 situated at Gaganmahal Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chikadpally on March 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

House No. 1-2-410/1/3 Gaganmahal Road Domalguda, Hyderabad area 600 sq. yards registered with Sub-registrar Chikadpally vide Doc. No. 161/61.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-11-1981  
Seal

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE HYDERABAD**

Hyderabad, the 5th November 1981

Ref. No. RAC. 181/81-82.—Whereas, I GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-1-331/55/1 situated at Asifnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Abdul Zahed Baig  
H. No. 78 Pensioners Lines  
Bownpally Secunderabad.

(Transferee)

(2) Smt. Ishrath Farzana  
W/o Sri Mohd Samiullah  
H. No. 12-1-331/55/1 Dattatreya colony  
Asifnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

H. No. 12-1-331/55/1 Dattatreya colony Asifnagar Hyderabad area 173.70 sq. yards registered with Sub-Registrar Khairatabad vide Doc. No. 561/81.

**S. GOVINDARAJAN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
32—356 GI/81

Date : 5-11-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Gokul Co-operative Milk Supply Society Ltd.  
6-17 Kukatpally Rangareddy District  
(Shop No. 15 M.J. Market, Hyderabad).  
(Transferor)
- (2) M/s. Addagutta Co-operative Housing Society Ltd.  
East Maradpally  
Secunderabad.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**  
**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE HYDERABAD**

Hyderabad, the 5th November 1981

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

Ref. No. RAC. 182/81-82.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land Sy. No. 176, 177 situated at Kukatpally Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranga Reddy-Hyderabad on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Agricultural land in Survey No. 176, 177 part 181 part 182 part 183 part total area 41 acres at Kukatpally Rangareddy District registered with Sub-Registrar Ranga Reddy District vide Doc. No. 1145/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri A. Anand  
H. No. 4-2-90/A Brass Merchant Colony  
Old Bhoiguda, Secunderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 5th November 1981

Ref. No. RAC. 183/81-82.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing No. land Sy. 53/4 situated at Motilal Nagar, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Secunderabad on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of this publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 14 in Survey No. 53/4, 54 to 59 Motilalnagar Secunderabad area 566.66 sq. yards, registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 195/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-11-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

- (1) Sri A. Seshatlpa  
S/o A. Nagaiah  
(Roads & Bldg. office)  
Nuziveed Krishna District.  
(Transferor)
- (2) (1) Sri Vinod Kumar S/o Krishnadas  
(2) Sri Pitamber Das Krishnadas  
(3) Maya Lachmandas  
R/o 15-1-447 Feelkhana,  
Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE HYDERABAD**

Hyderabad, the 5th November 1981

Ref. No. RAC. 184/81-82.—Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1-2-56/34 situated at Domalguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land in M. No. 1-2-56/34 Domalguda, Hyderabad area 560 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1044/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-11-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Major M. V. Raja Rao S/o Bhanu Murthy  
R/o New Nallakunta Hyderabad.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 5th November 1981

Ref. No. RAC. 185/81-82.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agl. land situated at Tirumalgiriy Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) M/s. Ravi Co-operative Housing Society Ltd.  
Reg. No. TAB 22 Bakarpur Road,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 69/2 area 1 Acre 29 guntas situated at Tirumalgiriy Secunderabad cantonment registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1316/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 5-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE HYDERABAD  
Hyderabad, the 5th November 1981

Ref. No. RAC. 186/81-82.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agl. land situated at Tirumalgiri Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Major M. V. Raja Rao S/o Bhanu Murthy  
R/o New Nallakunta, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) M/s. Ravi Co-operative Housing Society Ltd.  
Reg. No. TAB 22 Bakaram Road,  
Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 69/2 area 1 Ac. 29 guntas situated at Tirumalgiri Secunderabad cantonment registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1346/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-11-1981  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1981

Ref. No. RAC. 187/81-82. Whereas, J. S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. No. 109, 110, 111 and 112 situated at Gudimalkapur Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Sri Rajendra Kumar Tarmakdas  
S/o Tarmakdas Kishendas  
(2) Sri Arvindkumar Tarmakdas  
S/o Tarmakdas Kishendas  
H. No. 4-3-328 R. K. Estate,  
Bank Street, Sultan Bazar, Hyderabad,  
(Transferor)

(2) M/s. Ashok Vihar Co-operative House Building Society, TAB 53 Sri P. Venugopalam Secretary  
C/o M/s N.M.D.C. Ltd. Pioneer House,  
Sonajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 14,000 sq. yards (2.8925 acres) in Survey No. 109, 110, 111 and part of 112 No. 3 S.D. 1 W. No. 20 Block 'K' at Tallagada Guddimalkapur Hyderabad west Taluk registered with Sub-Registrar Khairatabad vide Doc. No. 623/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-11-81  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE HYDERABAD**

Hyderabad, the 10th November 1981

Ref. No. RAC 188 81-82.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Sy. No. 227/part Amberpet Kalan, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad East on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. B. Laxminarasamma W/o B. Jangaiah  
(2) Sri B. Krishna  
(3) Sri B. Murali  
(4) Sri B. Chakrapani  
all sons of Sri B. Jangaiah Amberpet Kalan Hayathnagar Taluk, R. R. Dt.  
(Transferor)
- (2) (1) Sri M. Mohanreddy  
(2) Sri D. Mohanreddy  
(3) Sri A. Narsimha Reddy  
(4) Sri A. Krishna Reddy  
(5) Sri S. Raj Reddy  
(6) Sri B. Viswanatham  
H. No 1-11/B5 Amberpet Kalan Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDEULE**

Land in Survey No. 227/part 9 Acres at Amberpet kalan Hyderabad Registered with Sub-Registrar Hyderabad East vide Doc. No. 1786/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range. Hyderabad.

Date : 10-11-1981  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE HYDERABAD**

Hyderabad, the 10th November 1981

Ref. No. RAC. 189/81-82.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land Sy. No. 227, 228, situated at Amberpet Kalan Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad East on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

33—356 GI/81

- (1) (1) Smt. B. Laxminarasamma W/o B. Jangaiah
  - (2) Sri B. Krishna
  - (3) Sri B. Murali
  - (4) Sri B. Chakrapani  
all sons of Sri B. Jangaiah Amberpet Kalan Hayathnagar Taluk R.R. Dt.
- (Transferor)

- (2) (1) Sri M. Mohan Reddy
- (2) Sri D. Mohanreddy
- (3) Sri A. Narsimha Reddy
- (4) Sri A. Krishna Reddy
- (5) Sri S. Raj Reddy
- (6) Sri B. Viswanadham  
II. No. 1-11/B5 Amberpet Kalan Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land in Survey No. 227 part 228 part 225/3 area 9 Acres 14 guntas at Amberpet Kalan Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad East vide Doc. No. 1809/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad,

Date : 10-11-1981  
Seal :

## FORM, I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 24th October 1981.

Ref. No. ASR/81-82/252.—Whereas I, ANAND SINGH, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land in village Nagli, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Veero d/o Lajja Singh,  
r/o Village Nangli, Teh. & Distt. Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Sh. Susheel Mehra,  
s/o Sh. Khushi Ram Mehra,  
r/o 14-Jail Road, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

Land measuring 8 kanals 2 marlas, situated in village Nangli, Teh. & Distt. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 10565/dated 3-3-81 of the Registering Authority, Amritsar

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-10-1981  
Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 24th October 1981

Ref. No. ASR/81-82, 253. Whereas I, ANAND SINGH, I.R.S., being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One shed in Islamabad situated at Amritsar\*

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Diwan Chand Kapoor s/o Mulak Raj,  
r/o 113, Cooper Road,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s. R. K. Woollen Industries,  
Islamabad, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One shed (area 204 sq. yds.), situated in Islamabad, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3924/I, dated 30-3-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 24-10-1981  
Seal :

**FORM ITMS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR**

Amritsar, the 24th October 1981

Ref. No. ASR/81-82/254.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one plot on Lawrence Road, situated at Duni Chand Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S. Inder Singh s/o Gurdial Singh, r/o 160-Panchsheel Park, New Delhi through Sh. Manmohan Singh, mukhtar aam, 1/o 18-Lawrance Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) S. Raminder Singh s/o Maninder Singh, r/o Chowk Lachhmansar, Amritsar.

(Transferee)

3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One plot of land No. 15 khasra No. 287/935 & 397 & No. 943 (area 180.21 sq. mtrs), situated on Duni Chand Road, Lawrence Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2862/I dated 27-3-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 24-10-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 24th October 1981

Ref. No. ASR/81-82/256.—Whereas I, ANAND SINGH, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One piece of land in Village Nangli, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Veero d/o Fauja Singh  
w/o Mohinder Singh,  
r/o village Nangli, Teh. Amritsar.  
(Transferor)

(2) Smt. Savita Mehra,  
w/o Shri Sushil Kumar Mehra,  
14, Jail Road, Amritsar.  
Smt. Mohani w/o Shri Kulwant Rai Jain,  
Advocate, Amritsar.  
Smt. Ritu Chadha,  
w/o Shri Inder Chadda,  
8, Chappal Road, Hoast Cease,  
Calcutta.  
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 8 K 2M (4050 sq. yds), situated in Village Nangli, Teh. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 11112/dated 16-3-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 24-10-1981  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 19th October 1981

Ref. No. ASR/81-82-256.—Whereas I, ANAND SINGH, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. One plot on Jail Road, situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Khushi Ram s/o Jai Chand Susheel Mehra, Nainder Mehra ss/o Dr. Khushi Ram Mehra, r/o Jail Road, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Chuni Lal s/o Ram Saran Dass, Ajay Kumar s/o Chuni Lal, r/o Katra Dulo, Gali Chatwali.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATIONS**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land measuring 271.66 sq. mtrs, situated at Jail Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3691/I, dated 11-3-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 19-10-1981  
Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 6th October 1981

Ref. No. ASR/81-82/257.—Whereas I, ANAND SINGH, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One house No. 13/B/13, Shivaji, situated at Nagar Pathankot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot on March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Bimla Gupta wd/o Prithvi Raj, r/o H. No. 13-B/13, Shivaji Nagar, Pathankot. (Transferor)
- (2) Prem Sagar s/o Chhaju Ram, r/o H. No. 13-B/13, Shivaji Nagar, Pathankot. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One house No. 13/B/13, situated in Shivaji Nagar, Pathankot as mentioned in the sale deed No. 3466 dated 3-3-81 of the Registering Authority, Pathankot.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Seal :  
Date : 6-10-1981

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 21st October 1981

Ref. No ASR/81-82/258.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One Shop, situated at Batala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Batala on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Waryam Singh s/o Sunder Singh, r/o Mohalla Sekhon, opposite Post Office, Kalka. (Transferor)
- (2) Shri Kamal Manjit Singh s/o Gurbachan Singh & Manjinder Pal Singh s/o Iqbal Singh, r/o Dogran Mohalla, Batala. Prop. Surindera Machine Tools Simbal, G.T. Road, Batala. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. M/s. Novelty machinery makers. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said 'Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop No. 335 (18'x45'), situated in Simbal, Batala as mentioned in the sale deed No. 4107 dated 27-8-81 of the Registering Authority, Batala.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
AmritsarDate : 21-10-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR**

Amritsar, the 26th October 1981

Ref. No. ASR/81-82/259.—Whereas I, ANAND SINGH, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Factory building on Batala Road, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Kishan Lal Mehra, s/o Sh. Ram Ditta Mal Mehra, r/o Maqbul Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Sardari Lal, s/o Sh. Jagiri Mal Khanna 10%, and Sh. Sanjay Kumar s/o Sh. Chaman Lal, 10%, r/o Lawrence Road, Amritsar, c/o M/s. Universal Processors Batala Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One factory building No. 518, 520 min Khasra No. 1907/224 on Batala Road as mentioned in the sale deed No. 1080/ dated 11-3-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

34—356 GI/81

Date : 26-10-1981  
Seal :

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD.  
AMRITSAR

Amritsar, the 26th October 1981

Ref. No. ASR/81-82/260.—Whereas I, ANAND SINGH, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory Bldg. on Batala Road, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Surinder Kumar, Mohinder Kumar, Narinder Kumar & Sh. Ashok Kumar, ss/o Sh. Dwarka Dass, r/o Lawrence Road, (Transferor)
- (2) Sh. Vipan Kumar s/o Chaman Lal & Sh. Anup Kumar s/o Chaman Lal, 20% r/o Lawrence Road, Amritsar, c/o M/s. Universal Processors, Batala Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the esaid property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One factory building No. 512, 520 min Khasra No. 1907/224, situated on Batala Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 10802 dated 11-3-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 26-10-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 26th October 1981

Ref. No. ASR/81-82/261.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS, Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One Resident House in Gali Dalalan, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jai Gopal s/o  
Shri Ram Saran Dass,  
r/o Katra Bhai Sant Singh,  
Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Surinder Kumar s/o Jugal Kishore,  
r/o Chowk Phulanwala, (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any  
Amritsar. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

On house No. 1097/10 & 662/10-4 khana shumari, situated in Katra Bhai Sant Singh, Gali Dalalan, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3657/I dated 9-3-1981 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 26-10-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR**

Amritsar, the 19th October 1981

Ref. No. ASR/81-82/262.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing No.

One house in Gali Dalalan, Amritsar (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Joginder Nath s/o Balbir Prashad, r/o 4-Bombay, Sita, Semreeti, Shivaji Park Road, 4-Dadar, Bombay. (Transferor)
- (2) S/Shri Goverdhan Dass, Harish Chand, ss/o Kishan Dev, r/o Bhai Ktr. Sant Singh, Gali Dalalan, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One house No. 297 & 850, situated in Ktr. Bhai Sant Singh, 10  
Gali Dalalan, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3620/I dated 5-3-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 19-10-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR**

Amritsar, the 19th October 1981

Ref. No. ASR/81-82/263.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant plot of land, situated at New Garden Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ravinder Kumar s/o Shri Dwarka Dass, r/o Ludhiana now Lowrance Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Meena Kumari, w/o Shri Puran Chand, r/o Katra Khajana, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/3rd share of plot No. 19, situated in New Garden Colony, Amritsar (area 292.3 sq.yds) as mentioned in the sale deed No. 2195/dated 4-5-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 19-10-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR**

Amritsar, the 3rd November 1981

Ref. No. ASR/81-82/264.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One house in Vijay Nagar, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on March 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (1) Smt. Raj Rani, w/o Sh. Kewal Krishan, t/o Vijay Nagar, Batala Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Rama Rani, w/o Shri Raresh Kumar, t/o Bazar & Kucha Tokerian, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

1/2 share in house, situated in Gali No. 4, Vijay Nagar, Batala Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 11776/dated 31-3-1981 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 3-11-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR**

Amritsar, the 3rd November 1981

Ref. No. ASR/81-82/265.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One house in Vijay Nagar, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SR Amritsar April, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kewal Krishan s/o Budha Mal, r/o Vijay Nagar, Batala Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Ramesh Kumar s/o Roshan Lal, r/o Bazar & Kucha Tokerian, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**THE SCHEDULE**

1/2 share in house, situated in Gali No. 4, Vijay Nagar, Batala Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2021/dated 30-4-81 of the Registering Authority, Amritsar.

**ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Amritsar**

Date : 3-11-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 24th October 1981

Ref. No. ASR/81-82/266.—Whereas I, ANAND SINGH, I.R.S., being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One shop in Bazar Kathianwala, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amar Dass Mehra s/o Ishar Dass Mehra, r/o Bazar Kathianwala, Amritsar.  
r/o Bazar Kathianwala, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shri Manohar Lal, s/o Shri Lachhman Dass, r/o Bazar Lachhmansar Chhan Gali, House No. 1136, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. M/s. Lachhman Dass Manohar Lal.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One shop three storeyed on a plot of land measuring 56 sq. mtrs., situated in Bazar Kathianwala as mentioned in the sale deed No. 3889/I dated 30-3-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 24-10-1981  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR**

Amritsar, the 24th October 1981

Ref. No. ASR/81-82/267.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One shop in Bazar Kathianwala, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on March 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Vijay Kumar Mehra, Rajinder Kumar Mehra, ss/o Shri Amar Dass Mehra, r/o Bazar Kathianwala, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Radha Rani, w/o Shri Manohar Lal Aggarwal, r/o Bazar Lachmansar r/o House No. 1136, Chhan Gali, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. M/s. Lachhman Dass Manohar Lal. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the **undersigned** :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One shop three storeyed on a plot of land measuring 56 sq. mtrs., situated in Bazar Kathianwala as mentioned in the sale deed No. 3888/I dated 30-3-81 of the Registering Authority, Amritsar.

**ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-10-1981  
Seal :

**FORM I.T.N.S.—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,  
AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1981

Ref. No. ASR/81-82/268.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land in Village Nangli, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on March, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Balwant Singh s/o Kesar Singh, r/o Village Nangli, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shamsher Singh s/o Mohan Singh, r/o Basant Avenue, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land measuring 3 kanals in village Nangli, Teh. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 10593/dated 5-3-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 6-11-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1981

Ref. No. AR-II/3175-25/81-82.—Whereas, I SANTOSH DATTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Old S. No. 270, Plot Nos. 1 & 2, S. No. 245B and New S. No. 270A part of Hissa No. 244 part of Hissa No. 3 and S. No. 245B and C.T.S. No. B/1121 situated at St. John Baptist Road Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Fahmida Begum wife of Mohamed Afzal Khan.  
(Transferor)
- (2) Bendra Tideways Co-operative Housing Society Ltd.  
(Transferee)
- (3) Transferor—Fahmida Begum, wfe of Mohammed  
(Person in occupation of the property)
- (4) Fahmida Begum wife of Mohamed Afzal Khan.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1362/1980 registered with the Sub-Registrar, Bombay, on 23-3-1981.

SANTOSH DATTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 5-11-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

